23 अगस्त 2025

शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

किसानों ने मनाया काला दिवस, बोले बक्सर थर्मल पावर परियोजना ने छीना हक **2**

भारत भी बनाएगा अपना लो-अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट नेटवर्क : देश में तेज इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराने की तैयारी

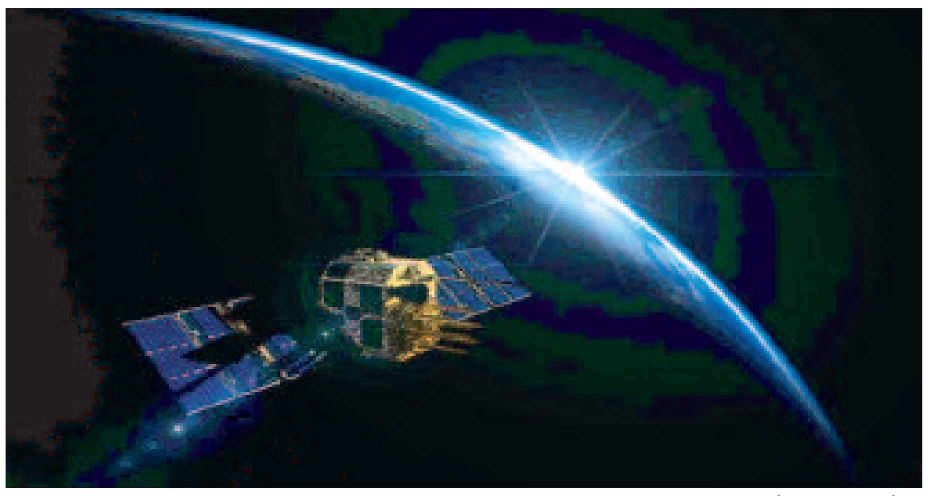

केटी न्यूज/नई दिल्ली

भारत अब अपनी जमीन से आसमान तक डिजिटल ताकत को और मजबूत करने की तैयारी कर रहा है। सरकार और इसरो मिलकर एक नया कदम उठाने वाले हैं- लो-अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) सैटेलाइट्स का अपना नेटवर्क, ताकि देश में तेज और भरोसेमंद ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराई जा सके। यह योजना ऐसे समय में सामने आई है जब इस क्षेत्र में स्पेसएक्स और वनवेब जैसी विदेशी कंपनियां पहले से ही सक्रिय हैं। इसरो के सैटेलाइट एप्लीकेशन सेंटर के निदेशक निलेश देसाई ने बताया कि सरकार ने हाल ही में अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों से चर्चा की। उसमें सामने आया कि भारत को अपनी संप्रभु एलईओ सैटेलाइट व्यवस्था बनानी चाहिए। ताकि नागरिक सेवाओं से लेकर रणनीतिक जरूरतें पूरी की जा सकें। उन्होंने कहा, श्अब समय आ गया है कि भारत अपना खुद का एलईओ नक्षत्र बनाए, चाहे वह नागरिक उपयोग के लिए हो या रणनीतिक उपयोग के लिए। निलेश देसाई ने जानकारी दी कि इसरो ने पहले चरण में 140 सैटेलाइट्स की एक योजना तैयार कर ली है। ये सैटेलाइट्स तेजी से लगाकर सबसे पहले शहरी इलाकों में ब्रॉडबैंड की बढ़ती मांग को पूरा करेंगे। इसके साथ-साथ ग्रामीण और दुर्गम इलाकों तक भी इंटरनेट पहुंचाने की दिशा में काम होगा।

अगले 15 साल की बड़ी योजना

निलेश देसाई ने यह भी बताया कि इसरो ने आने वाले 15 साल के लिए एक लंबी रोडमैप तैयार किया है। इसके तहत- 103 ऑपरेशनल सैटेलाइट्स लॉन्च होंगे। इनमें से 80 जमीन से जुड़े कामों (जैसे खेती, मैपिंग, शहरों की योजना) के लिए होंगे। 23 सैटेलाइट्स महासागर और मौसम की निगरानी करेंगे। इसके अलावा 16 टेक्नोलॉजी डेमो सैटेलाइट्स भी लॉन्च होंगे। इनमें से नौ भूमि अनुप्रयोगों के लिए और सात समुद्र व वातावरण संबंधी कार्यों के लिए होंगे। भारत का यह कदम सिर्फ इंटरनेट सेवा तक सीमित नहीं है। इसके तीन बड़े फायदे होंगे, जिसमें तेज इंटरनेट हर जगह यानी शहरों से लेकर गांवों और सीमावर्ती इलाकों तक डिजिटल कनेक्टिविटी मिलेगी। दूसरा रणनीतिक सुरक्षा- भारत की संचार प्रणाली पूरी तरह स्वदेशी और सुरक्षित होगी। तीसरा टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भरता- भारत दुनिया की उन चुनिंदा ताकतों में शामिल होगा, जिनके पास अपना एलईओ नेटवर्क है।

धरती के बाद अब अंतरिक्ष में शुरू होगी जंग

आज के समय करीब 12,000 से ज्यादा एक्टिव सैटेलाइट्स पृथ्वी को घेरे हुए हैं। आपका मोबाइल नेटवर्क, इंटरनेट, जीपीएस, बैंकिग सिस्टम, लाइव टीवी सब सैटेलाइट पर निर्भर हैं। यहां तक कि मौसम की सटीक जानकारी भी। लेकिन असली बात ये है कि कई देश अब इन सैटेलाइट्स का इस्तेमाल सिर्फ सुविधा के लिए नहीं, बल्कि दूसरे देशों पर स्ट्रैटेजिक और मिलिट्री डोमिनेंस के लिए कर रहे हैं। मॉडर्न वॉरफेयर में जीत सिर्फ हथियारों से नहीं होती, बल्कि डाटा, सर्विलांस और रियल-टाइम इंटेलिजेंस से होती है जो सीधे इन सैटलाइट्स से मिलती है। किसी दुश्मन की मूवमेंट ट्रैक करनी हो या अपनी मिसाइलों को पिन-पॉइंट टारगेट तक पहुंचाना हो हर कदम में सैटेलाइट्स की भूमिका निर्णायक बन चुकी है। यानि अंतरिक्ष अब सिर्फ टेक्नोलॉजी का मैदान नहीं रहा ये अब अगले बैटलफील्ड के रूप में तैयार हो रहा है। जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों के ठिकानों पर हमला किया था, तो कहां, कैसे और किस कोर्डिनेट पर हमला किया जाएगा सबकुछ सैटेलाइट डाटा से ही तय किया गया। हालांकि, भारत की इस जवाबी कार्रवाई के बाद पाकिस्तान और भारत के बीच जब डीजीएमओ स्तर पर बातचीत चल रही थी, तो पाकिस्तान ने एक चैंकाने वाला दावा किया कि उन्हें भारतीय सेना की लाइव मूवमेंट की जानकारी थी। अब सवाल है कैसे? क्योंकि चीन की सैटेलाइट्स ने इंडिया की टूप मूवमेंट को ट्रैक किया और वो इंटेल पाकिस्तान को रियल-टाइम में भेजी गई। ये है स्पेस इंटेलिजेंस का नेटवर्क, जो अंतरिक्ष से देखता है। आज के दौर में कुछ सैटेलाइट्स सिर्फ देखने या डाटा देने के लिए नहीं बने हैं, वो दूसरे सैटलाइस को जैम कर सकते हैं, या उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर सकते हैं।

विपक्षी सांसद संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए मजबूर

बंगाल में केंद्र का पैसा तृणमूल कांग्रेस कैडर पर होता है खर्च : पीएम मोदी

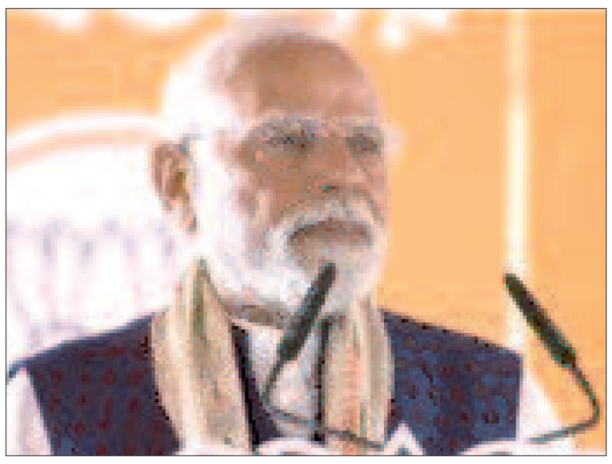

केटी न्यूज/कोलकाता

पीएम मोदी ने अपने पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान टीएमसी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में स्थिति पहले से भी बदतर हो गई है... बहन-बेटियों पर अत्याचार, अपराध, भ्रष्टाचार बढ़ गया है। जब तक बंगाल में टीएमसी की सरकार रहेगी, बंगाल का विकास बाधित रहेगा। पीएम नरेंद्र मोदी बंगाल के दौरे पर हैं। पीएम मोदी ने सबसे पहले कोलकाता मेट्रो के तीन नए रूट का शुभारंभ किया और इसके बाद जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने राज्य की टीएमसी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, श्बंगाल में विकास कार्यों के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है, चुनौती ये है कि बंगाल के लिए जो पैसा हम सीधे राज्य सरकार को भेजते हैं, उसमें से ज्यादातर हिस्सा लूट लिया जाता है। वो पैसा टीएमसी कैडर पर खर्च होता है, यही वजह है कि गरीब कल्याण की कई योजनाओं में बंगाल देश के दूसरे राज्यों से पीछे है।

बंगाल में महिलाओं पर अत्याचार बढ़े हैं- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आगे कहा, श्राज्य में महिलाओं पर अत्याचार बढ़े हैं। अपराध और भ्रष्टाचार टीएमसी सरकार की पहचान बन गए हैं। जब तक राज्य में टीएमसी सत्ता में है, तब तक कोई विकास नहीं होगा...असली बदलाव तभी आएगा जब टीएमसी सत्ता से बाहर हो जाएगी...अपराधियों और भ्रष्टाचारियों को सत्ता में नहीं, बल्कि जेल में होना चाहिए। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, श्पश्चिम बंगाल जनसंख्या की दृष्टि से देश के सबसे बड़े राज्यों में से एक है, इसलिए जब तक पश्चिम बंगाल की ताकत नहीं बढ़ेगी, विकसित भारत की यात्रा सफल नहीं होगी क्योंकि भाजपा का दृढ़ विश्वास है, भाजपा का मानना है कि बंगाल के उत्थान से ही विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा, इसलिए पिछले 11 वर्षों में केंद्र की भाजपा सरकार ने पश्चिम बंगाल के विकास के लिए हर संभव मदद की है।

स्टालिन को संविधान संशोधन बिल को काला विधेयक कहने का कोई अधिकार नहीं: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि स्टालिन को 130 वें संविधान संशोधन विधेयक को ह्यकाला विधेयकश कहने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि उन्होंने स्वयं ह्यह्यकाले कारनामेश्श किए हैं। अमित शाह ने पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) देश की सबसे भ्रष्ट सरकार का नेतृत्व कर रही है। जबकि वह पीएम मोदी हैं, जो तमिल के नीतिपरक ग्रंथ तिरुक्कुरल में एक योग्य और आदर्श शासक के लिए वर्णित दिशा-निदेर्शों के अनुसार सरकार चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन को 130वें संविधान संशोधन विधेयक को काला विधेयक कहने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि वह खुद एक ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने काले कारनामे किए हैं। उन्होंने तमिलनाडु की मौजूदा सरकार के कार्यकाल में घोटाले होने का आरोप लगाया। द्रमुक नेता एवं पूर्व मंत्री के. पोनमुडी के खिलाफ मामले और वी. सेंथिल बालाजी के खिलाफ हाल के मामले का हवाला देते हुए शाह ने सवाल किया कि क्या जेल में रहने के बावजूद मंत्रिमंडल का हिस्सा बने रहना और शासन करना उचित है।

मतदाता सूची से बाहर लोग आधार कार्ड समेत 11 दस्तावेजों से कर सकते हैं आवेदन

केटी न्यूज/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की। इस सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर हुए हैं, वे ऑनलाइन तरीके से आवेदन कर सकते हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने आवेदनकताओं को आधार कार्ड के साथ ही 11 अन्य दस्तावेजों के साथ आवेदन करने की मंजूरी दे दी। चुनाव आयोग को अभी तक मिलीं सिर्फ दो आपत्तियां सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर हैरानी जाहिर की कि राजनीतिक पार्टियां मतदाता सूची से बाहर किए गए 65 लाख लोगों के नामों पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए आगे नहीं आ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक पार्टियों की निष्क्रियता पर हैरानी जताई। सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने बताया कि 85 हजार नए मतदाता वोटर लिस्ट में जोड़े गए हैं। साथ ही चुनाव आयोग ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों के बूथ लेवल एजेंट्स के जरिए अभी तक सिर्फ दो आपत्ति दर्ज कराई गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कोई भी व्यक्ति खुद से या राजनीतिक पार्टियों के बूथ लेवल एजेंट्स की मदद से ऑनलाइन आवेदन कर सकता है और उन्हें भौतिक तौर पर फार्म जमा करने की जरूरत नहीं है। अदालत ने कहा कि आवेदन में फार्म 6 के साथ आवेदक आधार कार्ड समेत 11 दस्तावेजों में से कोई भी दस्तावेज जमा कर सकता है।

संसद भवन की सुरक्षा में बड़ी चुक दीवार खुदकर अंदर पहुंचा शख्स

केटी न्यूज/नई दिल्ली

देश की राजधानी से बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां देश के संसद की सुरक्षा में सेंध लगा है। इस घटना के बाद सुरक्षाकर्मियों के बीच हड़कंप मच गया है। आज सुबह संसद भवन की सुरक्षा में सेंध का बड़ा मामला सामने आया है। शुक्रवार की सुबह एक शख्स दीवार फांदकर संसद के गरुड़ द्वार तक पहुंच गया। हालांकि,सुरक्षाबलों ने आरोपी को पकड़ लिया और फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। यह शक्श दीवाल खुदकर संसद के अंदर पहुंचा था। सूत्रों के हवाले से खबर है कि एक शख्स पेड़ के सहारे दीवार कूदकर संसद भवन परिसर मे घुस गया। यह घटना सुबह 6.30 बजे के आसपास की है। वह शख्स रेलभवन की तरफ से दीवार कूदकर नई संसद भवन के गरुड़ द्वार तक पहुंचा था। संसद भवन में मौजूद सिक्योरिटी ने आरोपी को पकड़ लिया है। आपको बताते चलें कि, कुछ समय पहले की संसद भवन की सुरक्षा सीआईएसएफ के हवाले की गई है। अति महत्वपूर्ण इमारत होने के कारण इसके चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाबलों की पैनी नजर रहती है। लेकिन एक बार फिर इसकी सुरक्षा में सेंध लगी है।

राजस्व महाअभियान 16 अगस्त से शुरू हुआ है और 20 सितम्बर तक चलेगा

बिहार में चल रहे राजस्व महाअभियान के दौरान राजस्व कर्मियों नहीं होगा तबादला

केटी न्यूज/पटना

बिहार में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के तत्वावधान में राजस्व महाअभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत लोगों के घर तक जाकर राजस्व कर्मचारी जमाबंदी का वितरण कर रहे हैं। उसके अलावा परिमार्जन का काम भी चल रहा है। इसी क्रम में बिहार सरकार की ओर से फैसला लिया गया है कि इस महा अभियान के दौरान विभाग में किसी तरह के तबादले नहीं किए जाएंगे। बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के तत्वावधान में चल रहे राजस्व महाअभियान के दौरान रैयतों को समय पर सेवा देने और शिविरों के कामकाज में तेजी लाने के लिए विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। अब अभियान की अवधि में राजस्व कर्मचारियों के तबादले और अनुशासनात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी गई है। विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने सभी प्रमंडलीय आयुक्तों और जिलाधिकारियों को पत्र भेजकर स्पष्ट किया है कि हाल में जिन राजस्व कर्मियों का एक अंचल से दूसरे अंचल में स्थानांतरण हुआ है, उन्हें अभी उनके पुराने हल्के में ही प्रतिनियुक्त किया जाए। तबादले पर लगी रोक उन्होंने पत्र में स्पष्ट कहा है कि इसका कारण यह है कि नए हल्के से परिचित न होने के कारण जमाबंदी वितरण और शिविर में आवेदन लेने में कठिनाई और देरी हो रही है।

16 अगस्त से शुरू है अभियान

राजस्व महाअभियान 16 अगस्त से शुरू हुआ है और 20 सितम्बर तक चलेगा। इस दौरान जमाबंदी में गलती सुधार, बंटवारा नामांतरण, उत्तराधिकार नामांतरण और ऑफलाइन जमा बंदियों को ऑनलाइन करने हेतु पंचायत में लगे शिविर में आवेदन लिया जाएगा। अपने पंचायत में जमाबंदी की प्रति के वितरण और शिविर की जानकारी अंचल के माइक्रो प्लान से मिलेगी। अंचल का माइक्रो प्लान और आवेदन पत्र विभाग के पोर्टल पर भी उपलब्ध है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने कहा कि राजस्व महाद्दअभियान राज्य सरकार की प्राथमिकता का हिस्सा है।

चौपाल को संबोधित करते हुए घनश्याम ने कहा कि आज दलित समाज के लोग वर्तमान प्रदेश सरकार की कथनी और करनी से तंग आ चुके हैं

दलसागर में आयोजित हुआ कांग्रेस का दलित चौपाल, एआईसीसी पर्यवेक्षक ने सरकार पर साधा निशाना

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस महागठबंधन ने आगामी चुनावों को लेकर बूथ स्तर पर मजबूती बनाने की कवायद तेज कर दी है। समाज के हर तबके को जोड़ने के प्रयास के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (अनुसूचित जाति विभाग) नई दिल्ली से भेजे गए एआईसीसी पर्यवेक्षक घनश्याम लगातार दलित-शोषित समाज की बस्तियों का दौरा कर रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को उन्होंने दलसागर गांव में आयोजित दलित चौपाल को संबोधित किया।

चौपाल को संबोधित करते हुए घनश्याम ने कहा कि आज दलित समाज के लोग वर्तमान प्रदेश सरकार की कथनी और करनी से तंग आ चुके हैं। उनका विश्वास लगातार टूटता जा रहा है और अब वे कांग्रेस पार्टी एवं जननायक राहुल गांधी को आशा भरी निगाहों से देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही वह राजनीतिक ताकत है जो दलित समाज को सम्मान और हक दिलाने की क्षमता रखती है।

उन्होंने केंद्र और राज्य की सरकारों पर हमला बोलते हुए कहा कि दलित समाज के नाम पर केवल वोट बैंक की राजनीति की जाती है, जबकि वास्तविक उत्थान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। घनश्याम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा दलित, गरीब और शोषित वर्ग के हक और अधिकार की लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ेगी।

उन्होंने चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। ग्रामीणों ने बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन वितरण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ी कई समस्याएं रखीं। इस पर घनश्याम ने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस इन मुद्दों को चुनावी एजेंडा बनाएगी और न्यायपूर्ण समाज की स्थापना की दिशा में गंभीर पहल करेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रामसभा दलसागर के मुखिया प्रतिनिधि मनोज कुमार ने की। उन्होंने कहा कि गांव के लोग बदलाव चाहते हैं और अब कांग्रेस को ही विकल्प मानते हैं। चौपाल में मौजूद ग्रामीणों ने भी घनश्याम के वक्तव्य का समर्थन करते हुए कहा कि वे अब अपनी ताकत कांग्रेस के पक्ष में लगाएंगे।

इस अवसर पर रमेश राम, दिनेश कुमार, लखन राम, रवीन्द्र कुमार, प्रभात राम, बबलू कुमार, अवधेश कुमार, मुन्ना राम, सुरेन्द्र कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। चौपाल का माहौल पूरी तरह राजनीतिक रंग में रंगा नजर आया और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए माहौल को उत्साहित कर दिया।

कुल मिलाकर, दलसागर की यह दलित चौपाल कांग्रेस की ओर से चुनावी जमीन को मजबूत करने का प्रयास माना जा रहा है। बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय करने की रणनीति के तहत कांग्रेस अब लगातार गांव-गांव जाकर सीधे जनता से संवाद साध रही है। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि अगर दलित समाज और अन्य वंचित तबके कांग्रेस से जुड़ते हैं तो महागठबंधन की जीत सुनिश्चित होगी।

उद्घाटन पर जहां सरकार ने दिखाई आत्मनिर्भर ऊर्जा की तस्वीर, वहीं प्रभावित परिवारों ने उठाई मुआवजे और रोजगार की मांग

किसानों ने मनाया काला दिवस, बोले बक्सर थर्मल पावर परियोजना ने छीना हक

केटी न्यूज/चौसा

बक्सर जिले के चौसा स्थित बहुचर्चित बक्सर थर्मल पावर परियोजना की पहली इकाई का शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गया से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन किया। लगभग 14 हजार करोड़ की लागत से बनी इस परियोजना को बिहार की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर बताया जा रहा है। लेकिन उद्घाटन के समानांतर ही, परियोजना से प्रभावित किसान व स्थानीय ग्रामीणों ने इसे ह्लकाला दिवसह्व घोषित कर अपना विरोध दर्ज कराया। बनारपुर के पूर्व टोला स्थित शिव मंदिर प्रांगण में खेतिहर मजदूर मोर्चा के बैनर तले आयोजित इस विरोध सभा की अध्यक्षता राजनारायण चौधरी और संचालन शिवजी तिवारी ने किया। सभा में शामिल किसान, बेरोजगार नौजवान, महिला मजदूर और ग्रामीणों ने काली पट्टी बांधकर नारे लगाए। उनका कहना था कि जिस दिन परियोजना का उद्घाटन हुआ, वह दिन उनके लिए दुख और शोषण की याद दिलाने वाला काला दिवस है।

बोले किसान 2013 का भूमि अधिग्रहण कानून लागू नहीं

वक्ताओं ने आरोप लगाया कि परियोजना कंपनी और जिला प्रशासन की मिलीभगत से अब तक किसानों को न तो समुचित मुआवजा मिला और न ही रोजगार की गारंटी। उन्होंने कहा कि 2013 में लागू भूमि अधिग्रहण संशोधित अधिनियम के तहत प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा और पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए थी, लेकिन आज तक इस पर अमल नहीं हुआ। किसानों ने कहा कि जिन जमीनों पर कभी उनकी फसलें लहलहाती थीं, आज वहां उद्योग तो खड़ा हो गया लेकिन उनके परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया। किसान नेताओं ने कहा कि सरकार ऊर्जा आत्मनिर्भरता की बात करती है, लेकिन हमारी आत्मनिर्भरता छीन ली गई। जिसका विरोध चौसा के किसान अंतिम दम तक करते रहेंगे।

फर्जी मुकदमों और भ्रष्टाचार का आरोप

विरोध सभा में शामिल वक्ताओं ने कंपनी पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि किसानों और युवाओं को आंदोलन से रोकने के लिए उन पर अनगिनत फर्जी मुकदमे लाद दिए गए। वहीं, परियोजना से जुड़े मुआवजे और ठेकेदारी में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने का भी आरोप लगाया गया। सभा में वक्ताओं ने यह भी कहा कि कंपनी और प्रशासन ने स्थानीय लोगों की समस्याओं के समाधान की बजाय दमन का रास्ता अपनाया। इससे ग्रामीणों में गहरी नाराजगी है।

ऐतिहासिक चौसा युद्ध से की तुलना

किसानों ने अपने विरोध को ऐतिहासिक चौसा युद्ध से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि जैसे शेरशाह सूरी ने 1539 में चौसा की धरती पर हुमायूं को हराकर खदेड़ दिया था, उसी प्रकार स्थानीय जनता भी संघर्ष के दम पर ह्लएसटीपीएल कंपनी रूपी हुमायूंह्व को यहां से खदेड़ेगी। सभा के दौरान किसान नेताओं ने एक स्वर में कहा कि वे न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रखेंगे। ह्लचाहे जितना दमन हो, हम अपनी जमीन और अधिकार के लिए संघर्ष करते रहेंगे,ह्व राजनरायन चौधरी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा।

उद्घाटन पर दिखा जश्न व विरोध

जहां एक ओर सरकार इस परियोजना को बिहार की बढ़ती बिजली जरूरतों को पूरा करने वाली बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्रभावित किसानों और ग्रामीणों की नाराजगी इस परियोजना की दूसरी तस्वीर बयां करती है। बक्सर थर्मल पावर परियोजना से बिहार समेत पूर्वी भारत को बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। लेकिन स्थानीय किसानों का कहना है कि अगर विकास की कीमत उनकी जमीन, रोजगार और भविष्य की सुरक्षा है, तो यह विकास अधूरा और अन्यायपूर्ण है। काला दिवस कार्यक्रम में बृजेश राय, गोविंद साह, नंदलाल सिंह, इस्राइल खां समेत बड़ी संख्या में किसान, बेरोजगार युवा, महिला मजदूर और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने यह ठाना कि जब तक न्याय नहीं मिलेगा, आंदोलन जारी रहेगा।

चौसा के किसानों के लिए नहीं साबित हुआ जश्न का दिन

बक्सर थर्मल पावर परियोजना का उद्घाटन बिहार की ऊर्जा आवश्यकताओं के लिहाज से भले ही ऐतिहासिक कदम हो, लेकिन चौसा के किसानों और प्रभावित परिवारों के लिए यह दिन जश्न का नहीं, बल्कि संघर्ष और दर्द की याद दिलाने वाला साबित हुआ। यह विरोध साफ संकेत देता है कि विकास की राह तब तक सुगम नहीं हो सकती, जब तक उसमें स्थानीय जनता का विश्वास और उनका हक शामिल न हो।

तय मूल्य पर खाद की बिक्री करने से दुकानदारों ने किया इंकार, अपने रेट पर करेंगे बिक्री

- ई-किसान भवन में एसओ ने खुदरा और थोक बिक्रेताओं के संग की बैठका

केटी न्यूज/डुमरांव

किसानों को समय से खाद उपलब्ध हो और तय मूल्य पर खाद उन्हें मिले इसको लेकर शुक्रवार को ई-किसान भवन में एसओ शालीग्राम सिंह ने एक बैठक की। बैठक में थोक एवं खुदरा खाद बिक्रेता उपस्थित रहे। एसओ ने सभी को जो खाद की कीमत 66 रूपया 50 पैसा मूल्य है, उसी पर बिक्री करने के लिये आदेशित किया। एसओ द्वार आदेश जारी करते ही बिक्रेताओं ने हंगामा करना शुरू कर दिया। बिक्रेताओं ने कहा कि तय मूल्य पर कोई भी दुकानदार कैसे खाद की बिक्री कर सकता है। यदि सरकार खाद गोदाम तक पहुंचाकर देती है तो उस पर विचार किया जा सकता है।

दुकानदारों का कहना है कि अनुमंडल में लगभग 212 खाद के खुदरा और 5 थोक बिक्रेता हैं। खाद का रैक सासाराम, आरा या बक्सर में आकर लगता है, जिसे लाने के लिये उन रेलवे स्टेशनों के गोदाम पर जाना पड़ता है। खाद को लाने रेलवे गोदाम पर जाना पड़ता है। लाने के लिये भाड़े का वाहन रिजर्व कर ले जाना पड़ता है। फिर वाहन पर लोड करने और गोदाम में उतारने तक किराया बिक्रेता को ही देना पड़ता है, ऐसे में काफी खर्च पड़ जाता है, ऐसे में तय रेट पर किसी हालत में बिक्री खाद की कोई नहीं कर सकता। खाद बिक्रेताओं से यह सवाल किया गया कि बाजार में इस समय खाद की बिक्री 320 से 330 तक हो रही है। इस सवाल पर दुकानदारों का यह कहना था कि जो भी दुकानदार इस रेट पर खाद की बिक्री कर रहा है, वो सही है। अपने खर्च को जोड़ते हुए सभी ने एक रकम तय कर बिक्री कर रहे हैं। यदि सरकार खाद को दुकानदारों के गोदाम तक पहुंचा देती है तब उन पर उचित मूल्य पर बेचने का दबाव बनाया जा सकता है। इस संबंध में बैठक ले रहे अधिकारी भी कुछ कहने से बचते रहे। उसी दौरान खाद बिक्रेताओं के द्वारा अपना सेल और स्टॉक रजिस्टर की भी जांच की गई।

बसपा कार्यकताओं ने जन सम्पर्क समाधान यात्रा में सुनी जनता की समस्याएं

बक्सर । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के कार्यकताओं ने शुक्रवार को जन सम्पर्क समाधान यात्रा के तहत क्षेत्र का दौरा किया। पूर्व प्रदेश महासचिव जे पी यादव के नेतृत्व में यह यात्रा चौसा, बनारपुर और सोनपा गांवों में पहुंची। इस दौरान कार्यकताओं ने गांव-गांव जाकर लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं से अवगत हुए। जन सम्पर्क यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने स्थानीय स्तर पर बिजली, सड़क, रोजगार और शिक्षा से जुड़ी कई कठिनाइयों को बसपा नेताओं के समक्ष रखा। जेपी यादव ने आश्वस्त किया कि उनकी आवाज को पार्टी मंच पर मजबूती से उठाया जाएगा और समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उइसी क्रम में यात्रा दल सोनपा पहुंचा, जहां हाल ही में नदी में डूबने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई थी।

दिव्यांगों को आपदा से बचाव के लिये किया गया प्रशिक्षित

- डुमरांव के बुनियाद केन्द्र में अनुमंडल के दिव्यांगों के लिये एक प्रशिक्षिण शिविर का आयोजन किया गया

केटी न्यूज/डुमरांव

आपदा जब आती है तो स्वस्थ्य व्यक्ति अपने को भाग-दौड़ कर सुरक्षित स्थान पर चला जाता है, वहीं दिव्यांग और बुजुर्ग महिला-पुरूष इसमें फंस जाते हैं। ऐसे समय में अपने को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं, इसको लेकर बुनियाद केन्द्र में एक दिव्यांग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। दिव्यांगों को बताया गया की जिस परिस्थिति में आप रहते है, उसमें आपको चौकन्ना रहना पड़ेगा। रोड पर चल रहे हैं, तो साइड का ध्यान देते हुए आगे बढ़ना होगा और रोड पार करने समय और सावधानी बरतनी होगी। उन्हें बताया गया की सबसे मुसिबत का समय भूकंप और बाढ़ आने के समय होती है। ऐसे समय में आपको हर तरह से चौकन्ना रहना होगा। सोने से पहले अपने लिये सुरक्षित स्थल को ध्यान में रखना होगा की बाढ़ आने पर जल्द से जल्द वहां से निकल अपना बचाव कर सकें।

इसके लिये उन्हें बांध के या रोड के उपर चले जाना होगा। वहां पहुंचने पर आपको सरकारी सुविधा भी मिल सकती है। वहीं भूकंप आने के समय अपने को ऊंचे स्थान पर चले जाना चाहिए, जिससे मकान गिरने और जमीन धंसने पर आपका बचाव हो सके। इतना ही नहीं आपको बुजुर्ग महिला, पुरूष और बच्चों को भी सुरक्षित स्थान पर अपने साथ चलने के लिये उत्प्रेरित करना चाहिए। ऐसे करने से आपकी जान तो बचेगी ही आपके साथ अन्य की भी बच सकती है। भूकंप के समय घर में घिरे हैं तो आपको चौकी, पलंग, खाट, कुर्सी, टेबल के नीचे छीपकर बैठ जाना होगा, इससे बहुत हद तक आपके जान का बचाव हो सकता है। साथ ही यह बताया गया की इसके लिये अपने आसपास रहने वाले लोगों को भी इसकी जानकारी देनी चाहिए। इस तरह का कार्य करने से आपकी जान बचेगी, लोग सुरक्षित होंगे, प्रशासन को भी मदद मिलेगी। इस तरह की सोंच रखते हुए काम करने से आप सुरक्षित तो रहेंगे ही आपके आसपास रहने वाले भी आपके चलते सुरक्षित हो जाएंगे। आपदा बचाव प्रशिक्षण के समय फीजियोथेरेपिस्ट डा. विकास कुमार सिंह, कश्मीरी चौधरी, मुन्ना राम, ममता कुमारी, कार्तिक कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

एक नजर

ऋण वसूली में तेजी लाने को बक्सर में लगेगा विशेष कैम्प, 25 से 30 अगस्त तक होगा आयोजन

बक्सर। बक्सर जिले में अल्पसंख्यक समुदाय के बीच चलाई जा रही विभिन्न ऋण योजनाओं के अंतर्गत बकाया राशि की वसूली के लिए जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय विशेष पहल करने जा रहा है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 अगस्त से 30 अगस्त तक बक्सर में ऋण वसूली कैम्प का आयोजन किया जाएगा। इस कैम्प का उद्देश्य ऋणधारकों को आसानी से भुगतान की सुविधा देना और समय पर ऋण वापसी के लिए प्रेरित करना है। यह निर्णय बिहार स्टेट माइनॉरिटीज फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पटना के प्रबंध निदेशक के आदेश के आलोक में लिया गया है। कैम्प में विशेष रूप से मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना, एनएमडीएफसी टर्म लोन तथा शिक्षा ऋण योजना के तहत दिए गए ऋणों की वसूली की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि इस पहल से न केवल बकाया राशि की वसूली में तेजी आएगी, बल्कि लाभार्थियों को भी समय पर भुगतान करने का बेहतर अवसर मिलेगा। अधिकारियों ने साफ कहा है कि जो लोग निर्धारित अवधि में ऋण की अदायगी नहीं करेंगे, उन्हें अतिरिक्त ब्याज और दंडात्मक ब्याज का सामना करना पड़ेगा। इतना ही नहीं, बकाया ऋण का भुगतान नहीं करने वालों के खिलाफ दीवानी एवं फौजदारी मुकदमा भी दायर किया जा सकता है। यानी इस बार ऋण वसूली को लेकर प्रशासन सख्त रुख अपनाए हुए है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय ने सभी ऋणधारकों से अपील की है कि वे वसूली कैम्प में उपस्थित होकर अपनी बकाया राशि का भुगतान करें। कैम्प के दौरान किसी भी प्रकार का बहाना या स्पष्टीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऋणधारकों को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि यह अंतिम अवसर है, इसलिए समय पर भुगतान कर किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई से बचें। जिन लोगों को कैम्प और वसूली से संबंधित अधिक जानकारी चाहिए, वे जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय, बक्सर से संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए कार्यालय ने दूरभाष संख्या 06183-299905 जारी की है। यह कैम्प न केवल प्रशासनिक स्तर पर ऋण वसूली की गति बढ़ाने का प्रयास है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि सरकारी योजनाओं के तहत लिए गए ऋण का सही लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे। समय पर वसूली से भविष्य में अधिक लाभार्थियों को रोजगार और शिक्षा से जुड़ी योजनाओं का फायदा दिया जा सकेगा।

जिलाधिकारी ने जनता दरबार में सुनी समस्याए अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

डुमरांव। समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में आयोजित जनता दरबार में जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने आम लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान कुल 55 आवेदन जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए गए। आवेदनों की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक मामले पर गंभीरता से विचार कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता की शिकायतों का शीघ्र समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि प्राप्त शिकायतों के निष्पादन में ढिलाई पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जनता दरबार में उपस्थित लोगों ने जिलाधिकारी से सीधे अपनी समस्याएं साझा कर राहत की उम्मीद जताई। प्रशासन का यह प्रयास लोगों को अपनी समस्याएं सीधे रखने और उसका समयबद्ध समाधान पाने का अवसर प्रदान कर रहा है।

पक्की सड़क व चाहरदीवारी के अभाव में छात्र-शिक्षक फंसे मुश्किलों में, ग्रामीणों ने उठाई समस्या के समाधान की मांग

बारिश में टापू बन जाता सूरज टोला का प्राथमिक विद्यालय

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड के मुगांव पंचायत का प्राथमिक विद्यालय सूरज टोला हर साल बरसात के दिनों में गंभीर संकट से जूझता है। हालात ऐसे हैं कि विद्यालय चारों तरफ से पानी से घिरकर टापू का रूप ले लेता है। स्कूल तक पहुंचने के लिए न तो पक्की सड़क है और न ही चाहरदीवारी। परिणामस्वरूप छात्र और शिक्षक दोनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

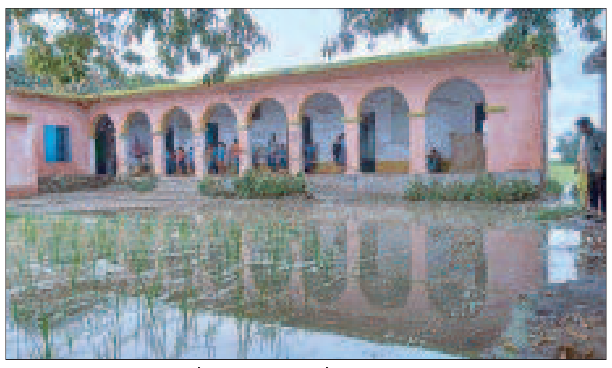

विद्यालय में कुल 67 बच्चे नामांकित हैं और प्रधानाध्यापक सहित पांच शिक्षक कार्यरत हैं। बरसात आते ही स्कूल का रास्ता कीचड़ और जलजमाव से पटा रहता है। बच्चों के अभिभावक रोजाना उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं।

जलजमाव से बढ़ा संक्रामक रोगों का खतरा

ग्रामीणों का कहना है कि मुख्य पथ से विद्यालय तक जाने के लिए कच्चा रास्ता है, जिस पर पानी जमा हो जाने से आवागमन बेहद मुश्किल हो जाता है। इसी रास्ते से बच्चों को स्कूल पहुंचाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। वहीं, विद्यालय परिसर और उसके आसपास लगातार पानी भरा रहने से मच्छर, सांप-बिच्छू और अन्य विषैले जीवों का खतरा मंडराता रहता है।

स्थानीय लोगों ने यह भी आशंका जताई है कि इस जलजमाव से संक्रामक बीमारियां फैलने की संभावना बनी रहती है। बारिश के दिनों में डेंगू, मलेरिया और त्वचा संबंधी रोग फैलने की आशंका अधिक रहती है।

चाहरदीवारी नहीं, आवारा पशुओं से खतरा

विद्यालय के चारों ओर चाहरदीवारी न होने से छात्रों की सुरक्षा भी खतरे में है। कक्षाओं के दौरान आवारा पशुओं का परिसर में घुस आना आम बात है। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और शिक्षकों को लगातार सतर्क रहना पड़ता है।

अभिभावकों ने जताई नाराजगी

विद्यालय की स्थिति से नाराज अभिभावकों ने केशव टाइम्स की टीम से कहा कि बच्चों को सालभर असुविधा झेलनी पड़ती है, लेकिन बरसात के समय खतरा और बढ़ जाता है। अभिभावक मनोज यादव और संजय यादव ने बताया कि विद्यालय को जलजमाव से मुक्त कराने, पक्की सड़क बनाने और चाहरदीवारी निर्माण की मांग कई बार विभाग और प्रशासन से की गई, लेकिन आज तक सुनवाई नहीं हुई।

शिक्षकों ने भी जताई चिंता

प्रधानाध्यापक अरुण कुमार सिंह ने कहा कि उनकी हाल ही में यहां पोस्टिंग हुई है और वे विभाग को इसकी विस्तृत जानकारी देंगे। वहीं अन्य शिक्षकों का कहना है कि पूर्व में भी समस्या से संबंधित जानकारी विभाग को दी गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

प्रशासन का दावा, जल्द होगा समाधान

इस संबंध में डुमरांव के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) संदीप कुमार पांडेय ने कहा कि उन्हें प्राथमिक विद्यालय सूरज टोला में जलजमाव की समस्या की जानकारी नहीं थी। उन्होंने आश्वस्त किया कि शीघ्र ही जल निकासी और रास्ते की समस्या का समाधान किया जाएगा।

समाधान की उम्मीद

ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन अगर गंभीरता से पहल करे तो विद्यालय की स्थिति सुधर सकती है। पक्की सड़क और चाहरदीवारी का निर्माण होने से न सिर्फ बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी बल्कि पढ़ाई का माहौल भी बेहतर होगा।फिलहाल विद्यालय टापू की तरह पानी से घिरा हुआ है और बच्चे-शिक्षक रोजाना खतरे से गुजरते हुए शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर हैं। सवाल यह है कि कब तक मासूम बच्चों की पढ़ाई लापरवाही और उपेक्षा की भेंट चढ़ती रहेगी।

फर्स्ट आईडिया हाउस किपिंग एजेंसी के भुगतान पर अधिकारियों की नजर

जांच में दोषी पाए जाने पर सभी रसुखदार व माफियाओं पर होगी सख्त कार्रवाई : डीईओ

- फर्स्ट आईडिया हाउसकीपिंग एजेंसी को जांच प्रकिया के दौरान आनन-फानन में जिला कोषागार से करीब 40 लाख रुपये का किया गया भुगतान
- पारदर्शिता की बात करने वाले बक्सर सांसद सुधाकर सिंह के सहयोगी अरविंद सिंह व उनके पत्नी समेत चार खातों में हुआ भुगतान फिर क्यों चुप्पी
- नावानगर और इटाढ़ी प्रखंड में फर्स्ट आईडिया द्वारा स्कूलों में सफाई और हाउसकीपिंग का कराया जा रहा कार्य मजदूरों को कई महीनों से नही हुआ भुगतान नहीं मिला है।

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले के शिक्षा विभाग में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप दिनोंदिन गहराते जा रहे हैं। हालांकि, केशव टाइम्स की पड़ताल में विभागीय लेन-देन, ठेके और भुगतान के मामले में नेताओं, अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत की परतें एक-एक कर खुल रही हैं। ताजा मामला फर्स्ट आईडिया हाउसकीपिंग एजेंसी से जुड़ा है, जिसे हाल ही में जिला कोषागार से करीब 40 लाख रुपये का भुगतान किया गया है। जबकि इस एजेंसी के खिलाफ लगातार शिकायतें दर्ज हो रही हैं और जांच भी चल रही है।

सूत्रों के मुताबिक, इस पूरे मामले में सांसद सुधाकर सिंह के करीबी सहयोगी अरविंद सिंह का नाम सबसे ज्यादा उछल रहा है। आरोप है कि अरविंद सिंह न केवल शिक्षा विभाग के ठेकों में सक्रिय हस्तक्षेप करते रहे हैं बल्कि फर्स्ट आईडिया एजेंसी को संरक्षण भी देते रहे हैं।

पूर्व जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) अमरेंद्र पांडेय ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को भेजे संदेश में स्पष्ट लिखा था कि अरविंद सिंह और उनके सहयोगी अजय सिंह खुद को फर्स्ट आईडिया हाउसकीपिंग का पार्टनर बताते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि सांसद सहयोगी के प्रभाव के चलते एजेंसी को ठेका दिलाने और भुगतान कराने में कितनी सहजता मिली।

साई इंटरप्राइजेज से फर्स्ट आईडिया तक

शिक्षा विभाग से जुड़े सूत्र बताते हैं कि पहले साई इंटरप्राइजेज नामक फर्म ने बेंच-डेस्क सप्लाई, बोरिंग और मध्यान्ह भोजन जैसी योजनाओं में दबदबा बना रखा था। अब यही नेटवर्क पर्दे के पीछे से फर्स्ट आईडिया को आगे बढ़ा रहा है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि सांसद सहयोगी और उनके करीबी लोग इस नए ठेकेदार को संरक्षण देकर करोड़ों के ठेकों पर कब्जा जमाए बैठे हैं।

मजदूरों का बकाया और अधूरी सेवाएं, बावजूद हो रहा भुगतान

नावानगर और इटाढ़ी प्रखंड में फर्स्ट आईडिया द्वारा स्कूलों में सफाई और हाउसकीपिंग का कार्य कराया जा रहा है। लेकिन यहां काम करने वाले मजदूरों को कई महीनों से भुगतान नहीं मिला है। लगातार मजदूर यह शिकायत कर रहे हैं कि एजेंसी न तो समय पर वेतन देती है और न ही कामकाज की पारदर्शी व्यवस्था रखती है। इसके बावजूद जिला प्रशासन ने जुलाई महीने में इस एजेंसी को एकमुश्त 40 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। सवाल यह है कि जांच अधूरी होने के बावजूद भुगतान क्यों किया गया।

बक्सर जिला शिक्षा विभाग में नहीं चलेगा दला-दबंग व माफियाराज : तिवारी

जिला शिक्षा विभाग में माफिया व तथाकथित दलालों का राज नहीं चलेगा। लगातार केशव टाइम्स की खबरों को देख रहा हूं। उसे एकत्रित कर रहा हूं। इस विषय को लेकर शिक्षा मंत्री से समय ले चुका हूं। सभी खबर को शिक्षा मंत्री को दिखाया जाएगा। यह बातें भाजपा के कद्दावर नेता व बक्सर के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी ने कहा। मिथिलेश तिवारी ने कहा कि सांसद सुधाकर सिंह का दोहरा चरित्र सामने आने लगा है। इसकी शुरूआत शिक्षा विभाग से हो रही है। भयादोहन करने वालों को अपना सहयोगी बनाये है। शिक्षा विभाग के अधिकारी व कर्मी त्राहिमाम कर रहे है। उनसे जबरन गलत कराया जा रहा है। सांसद चुप्पी साधे हुए है। इसका साफ मतलब है कि इस तरह का भयादोहन कराने में उनकी मौन सहमति है, लेकिन, इस तरह का गुंडाराज नहीं चलेगा। मिथिलेश तिवारी ने कहा कि बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार जी से बात उन्होंने बात कर लिया है। पुरे मामले को विस्तार से बताया गया है। जल्द ही उनसे मिलकर सारे प्रमाण प्रस्तुत कर उच्च स्तरीय जांच कमेटी बनाने की मांग की जाएगी। इसके साथ बक्सर जिलाधिकारी से भी बात कर करेंगे। जिससे इस तरह की घटनाओं पर रोक लगायी जा सके।

शिक्षा विभाग के बजट का बड़ा हिस्सा माफियाओं के जाल में फंसकर पारदर्शिता से दूर

जिला शिक्षा पदाधिकारी का कहना है कि फर्स्ट आईडिया से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। यदि एजेंसी दोषी पाई जाती है तो उस पर कड़ी कार्रवाई होगी। लेकिन प्रशासनिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि सांसद और उनके सहयोगियों के दबाव में अधिकारी खुलकर रिपोर्ट देने से कतरा रहे हैं। जब किसी ठेकेदार के पीछे राजनीतिक संरक्षण हो, तो जांच कितनी निष्पक्ष हो सकती है, यह बड़ा सवाल है। बता दें कि यह पूरा विवाद केवल ठेकेदार और अधिकारियों की मिलीभगत तक सीमित नहीं है। असली नुकसान सरकारी स्कूलों के बच्चों और कर्मचारियों को हो रहा है। हाउसकीपिंग सेवाओं में गड़बड़ी के कारण स्कूल परिसर गंदगी का अड्डा बन रहे हैं। मजदूरों को समय पर मजदूरी न मिलने से असंतोष और कामकाज पर असर पड़ रहा है। शिक्षा विभाग के बजट का बड़ा हिस्सा ठेकेदारी के जाल में फंसकर पारदर्शिता से दूर जा रहा है।

विपक्ष के लिए बड़ा मुद्दा

यह मामला अब धीरे-धीरे राजनीतिक रंग भी ले रहा है। एनडीए नेताओं का आरोप है कि सांसद सहयोगी शिक्षा विभाग को कमाई का अड्डा बना चुके हैं। ठेकों की अदला-बदली और भुगतान की जल्दबाजी इसका सबसे बड़ा सबूत है। विपक्ष का कहना है कि जब तक उच्चस्तरीय जांच नहीं होगी, तब तक ऐसे मामलों पर पर्दा पड़ा रहेगा।

सवालों के घेरे में सिस्टम

फर्स्ट आईडिया हाउसकीपिंग एजेंसी का मामला एक बार फिर इस ओर इशारा करता है कि शिक्षा विभाग जैसे संवेदनशील क्षेत्र में पारदर्शिता किस हद तक खतरे में है। क्या मजदूरों और बच्चों के हितों को ताक पर रखकर केवल दलालों और ठेकेदारों की तिजोरी भरने का खेल जारी रहेगा, क्या प्रशासन राजनीतिक दबाव से ऊपर उठकर निष्पक्ष जांच कर पाएगा।फिलहाल, विभागीय जांच की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन जिले के लोग यह उम्मीद लगाए बैठे हैं कि यह केवल रिपोर्ट फाइल करने तक सीमित न रहे, बल्कि सच सामने आए और दोषियों पर कार्रवाई हो। क्योंकि अगर शिक्षा के नाम पर भ्रष्टाचार का यह खेल नहीं रुका, तो आने वाली पीढ़ियों की नींव कमजोर हो जाएगी।

एक नजर

छठिया पोखरा से चोरी की बुलेट बाइक के साथ नाबालिग पकड़ाया

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने गुरूवार की देर शाम गुप्त सूचना पर नगर के छठिया पोखरा के समीप से एक किशोर को चोरी की बुलेट बाइक के साथ पकड़ा है। पुलिस ने उसे न्यायायल के समक्ष प्रस्तुत किया है। किशोर नगर के दक्षिण टोला मोहल्ले का रहने वाला है। बरामद बुलेट बाइक सासाराम रोहित कुमार दिवाकर नामक व्यक्ति की है। पुलिस ने बताया कि जून महीने से सासाराम रेलवे स्टेडियम के पास से उक्त बुलेट चोरी की गई थी। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि ऐसी सूचना मिली थी कि छठिया पोखरा के पास एक किशोर चोरी की बुलेट के साथ खड़ा है। इस सूचना पर तत्काल एक पुलिस टीम भेज छापेमारी करवाई गई। इस दौरान वह बुलेट पर बैठा था। जब पुलिस टीम ने उससे बुलेट के कागजात की मांग की तो वह बताने लगा कि इसे शो-रूम से खरीद कर लाया हूं तथा अभी कागजात नहीं मिले है। हालांकि, पुलिस ने जब रजिस्टेज्शन नंबर के आधार पर जांच की तो पता चला कि उक्त बुलेट तीन महीना पहले सासाराम से चोरी हुई थी। इस मामले में पीड़ित ने सासाराम नगर थाने में चोरी का एफआईआर भी दर्ज कराया है। इसके बाद पुलिस किशोर को पकड़ थाने लाई तथा शुक्रवार को उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि न्यायालय के आदेश के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब हो कि हाल के दिनों में डुमरांव सहित अनुमंडल इलाके में चोरी की घटनाएं बढ़ गई है, जिस पर लगाम लगाने के लिए अब पुलिस मुश्तैद हो गई है।

लूडो खेलते समय हुई गोलीबारी, किशोर गंभीर

सोनवर्षा। सोनवर्षा थाना क्षेत्र के मणियां गांव में गुरुवार की शाम लूडो खेल रहे एक किशोर को गोली लग गई। घटना में मणियां गांव निवासी राम अयोध्या सिंह का 16 वर्षीय पुत्र रवि रंजन कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गया। गोली किशोर के बांए सीने में लगी है। परिजनों ने तत्काल उसे इलाज के लिए आरा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घायल किशोर ने बयान में बताया है कि वह कुछ युवकों के साथ गांव के ही हरिहर महतो के दालान पर लूडो खेल रहा था। इसी दौरान नवीन कुमार तथा हरिचरण कुमार उर्फ निरहू एक देसी पिस्टल में गोली डालकर निकाल रहे थे। तभी अचानक फायर हो गया और गोली उसके सीने में जा लगी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि दोनों आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। खबर लिखे जाने तक न तो आरोपित गिरफ्तार हुए थे और न ही हथियार बरामद हो सका था। वहीं, इस घटना को ले किशोर के स्वजनों में अफरा तफरी मच गई। स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। ग्रामीण सूत्रों का कहना है कि इस घटना के बाद गांव में गुटीय तनाव भी कायम हो गया है। हालांकि, पुलिस की तत्परता से स्थिति निर्यंत्रित है।

ऋण वसूली में तेजी लाने को बक्सर में लगेगा विशेष कैम्प, 25 से 30 अगस्त तक होगा आयोजन

बक्सर। बक्सर जिले में अल्पसंख्यक समुदाय के बीच चलाई जा रही विभिन्न ऋण योजनाओं के अंतर्गत बकाया राशि की वसूली के लिए जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय विशेष पहल करने जा रहा है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 अगस्त से 30 अगस्त तक बक्सर में ऋण वसूली कैम्प का आयोजन किया जाएगा। इस कैम्प का उद्देश्य ऋणधारकों को आसानी से भुगतान की सुविधा देना और समय पर ऋण वापसी के लिए प्रेरित करना है। यह निर्णय बिहार स्टेट माइनॉरिटीज फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पटना के प्रबंध निदेशक के आदेश के आलोक में लिया गया है। कैम्प में विशेष रूप से मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक रोजगार ऋण योजना, एनएमडीएफसी टर्म लोन तथा शिक्षा ऋण योजना के तहत दिए गए ऋणों की वसूली की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि इस पहल से न केवल बकाया राशि की वसूली में तेजी आएगी, बल्कि लाभार्थियों को भी समय पर भुगतान करने का बेहतर अवसर मिलेगा। अधिकारियों ने साफ कहा है कि जो लोग निर्धारित अवधि में ऋण की अदायगी नहीं करेंगे, उन्हें अतिरिक्त ब्याज और दंडात्मक ब्याज का सामना करना पड़ेगा। इतना ही नहीं, बकाया ऋण का भुगतान नहीं करने वालों के खिलाफ दीवानी एवं फौजदारी मुकदमा भी दायर किया जा सकता है। यानी इस बार ऋण वसूली को लेकर प्रशासन सख्त रुख अपनाए हुए है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय ने सभी ऋणधारकों से अपील की है कि वे वसूली कैम्प में उपस्थित होकर अपनी बकाया राशि का भुगतान करें। कैम्प के दौरान किसी भी प्रकार का बहाना या स्पष्टीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऋणधारकों को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि यह अंतिम अवसर है, इसलिए समय पर भुगतान कर किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई से बचें। जिन लोगों को कैम्प और वसूली से संबंधित अधिक जानकारी चाहिए, वे जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय, बक्सर से संपर्क कर सकते हैं। इसके लिए कार्यालय ने दूरभाष संख्या 06183-299905 जारी की है। यह कैम्प न केवल प्रशासनिक स्तर पर ऋण वसूली की गति बढ़ाने का प्रयास है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि सरकारी योजनाओं के तहत लिए गए ऋण का सही लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे। समय पर वसूली से भविष्य में अधिक लाभार्थियों को रोजगार और शिक्षा से जुड़ी योजनाओं का फायदा दिया जा सकेगा।

जगह-जगह श्रद्धालु शोभायात्रा के स्वागत में खड़े दिखे, पुष्प वर्षा कर झांकियों और श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया गया

गाजे-बाजे के साथ निकाली गई भगवान श्रीकृष्ण की शोभायात्रा

केटी न्यूज/डुमरांव

शुक्रवार को डुमरांव में भगवान श्रीकृष्ण के छठिआर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर पूरा नगर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। सुबह से ही श्रद्धालु उत्साह के साथ शोभायात्रा की तैयारी में जुटे थे। जैसे ही गाजे-बाजे और बैंड की धुन के बीच शोभायात्रा आरंभ हुई, लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। यह यात्रा गोवर्धन स्थान नावाडेरा से प्रारंभ हुई। शोभायात्रा पुराना भोजपुर, स्टेशन रोड, गोला रोड, राजगढ़ चौक और ठठेरी बाजार से होते हुए पुनः गोवर्धन स्थान स्थित टीचर ट्रेनिंग स्कूल पर जाकर संपन्न हुआ। जगह-जगह श्रद्धालु शोभायात्रा के स्वागत में खड़े दिखे। कई स्थानों पर पुष्प वर्षा कर झांकियों और श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया गया। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण भगवान श्रीकृष्ण और राधा की सुंदर झांकियां रहीं। बारीक कलाकारी और आकर्षक सजावट से सजी इन झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। वहीं, शोभायात्रा में शामिल ऊंट, घोड़े और सजे-धजे रथ ने इसे और भव्य बना दिया। डीजे और ब्रास बैंड की ताल पर नाचते श्रद्धालु तथा भांगड़ा नृत्य मंडली ने उत्सव को और भी रंगीन बना दिया। आतिशबाजी की चमक ने वातावरण को रोशन कर दिया। शोभायात्रा में हर वर्ग के लोग शामिल हुए। श्रद्धालु हाथों में भगवा ध्वज थामे 'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। इस बीच बच्चे भी रंग-बिरंगे परिधानों में नजर आए। महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया और घरों की छतों से शोभायात्रा का आनंद लिया। पूरे मार्ग में सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था की गई थी। पुलिस बल और स्वयंसेवक लगातार शोभायात्रा के साथ चल रहे थे ताकि भीड़ के बीच कोई व्यवधान न हो। यातायात को भी नियंत्रित किया गया, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। धार्मिक आयोजन के इस पावन अवसर पर लोगों ने आपसी एकता और भाईचारे का परिचय दिया। सभी ने इसे सामूहिक उत्सव के रूप में मनाया। इस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण के छठिआर पर निकली शोभायात्रा ने डुमरांव को पूरी तरह भक्ति और उल्लास से सराबोर कर दिया। श्रद्धालुओं की आस्था और उमंग से पूरा नगर गूंज उठा।

शामिल हुए कई भावी विधानसभा प्रत्याशी

शोभायात्रा में जहां हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वहीं कई भावी विधानसभा प्रत्याशी भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराने पहुंचे। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए कई संभावित प्रत्याशी जनसमर्थन जुटाने के उद्देश्य से श्रद्धालुओं के बीच नजर आए। वे लोगों का अभिवादन करते और भक्ति-भाव में सहभागी बनते दिखे। वहीं, प्रत्याशियों की मौजूदगी से यह स्पष्ट है कि जनआस्था से जुड़ा आयोजन राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

अवैध हथियार के साथ बर्थडे पार्टी मनाना पड़ा महंगा, बर्थडे ब्वाय समेत चार पकड़ाए

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में अवैध हथियार के साथ बर्थडे मनाना चार लड़कों को महंगा पड़ गया हैं। पुलिस ने गुप्त सूचना व वायरल तस्वीर के आधार पर कार्रवाई करते हुए बर्थडे ब्वाय को जहां गिरफ्तार कर लिया, वहीं तीन नाबालिगो को भी पकड़ न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। शुक्रवार को डुमरांव एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने डुमरांव थाने में प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली थी कि डुमरांव के तिवारी टोला मोहल्ला निवासी आशीष कुमार पिता प्रभुनाथ तिवारी अपने घर में दोस्तों के साथ अपना बर्थडे मना रहा है तथा वे लोग हथियार का प्रदर्शन भी कर रहे है। इसका एक वायरल फोटो भी पुलिस के हाथ लग गया।

एसडीपीओ ने बताया कि इसकी सूचना एसपी शुभम आर्य को दी गई। एसपी ने तत्काल एसडीपीओ के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन कर छापेमारी करने का निर्देश दिया। निर्देश मिलते ही पुलिस टीम तत्काल प्रभुनाथ तिवारी के घर छापेमारी कर आशीष को पकड़ लिया तथा हथियार के संबंध में जब पूछताछ की गई तो उसने बताया कि यह हथियार नंदन निवासी एक दोस्त लाया था। इसके बाद पुलिस ने नंदन निवासी उक्त किशोर को पकड़ा तो उसने उसी गांव निवासी दूसरे किशोर के घर हथियार होने की बात बताई जबकि दूसरे किशोर ने एक तीसरे का नाम लिया। बाद में उसी के निशानदेही पर तीसरे को भी निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेज के पास से पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक देशी पिस्टल बरामद हुआ। एसडीपीओ ने बताया कि इस मामले में अभी अनुसंधान जारी है। उन्होंने कहा कि युवक को जेल भेज दिया गया है, जबकि तीनों किशोरों को भी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। एसआईटी में डुमरांव एसडीपीओ पोलस्त के अलावे थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, एसआई मतेन्द्र कुमार, प्रियंका कुमारी, एएसआई राजकुमार साव तथा डुमरांव थाने की डीआईयू टीम शामिल थी।

बख्शे नहीं जाएंगे अपराधी

प्रेस वार्ता के दौरान एसडीपीओ ने स्पष्ट कहा कि डुमरांव इलाके में बढ़े अपराध पर पुलिस की पैनी नजर है। उन्होंने कहा कि अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा, बल्कि उन्हें पकड़ सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी थानाध्यक्षों को क्षेत्र में गश्त बढ़ाने तथा फरार व जेल से बाहर आए अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है। एसडीपीओ ने कहा कि पुलिस अपराध नियंत्रण में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

उक्त जनता दरबार में कुल 140 व्यक्ति उपस्थित हुये

जिला जनता दरबार डीआरडीए, रोहतास के सभा कक्ष में किया गया आयोजन

एजेंसी। रोहतास

सासाराम । जिला पदाधिकारी रोहतास द्वारा जिला जनता दरबार डीआरडीए, रोहतास के सभा कक्ष में आयोजन किया गया। जिसमें उप विकास आयुक्त रोहतास, जिला बंदोबस्ती पदाधिकारी, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी, जिला राजस्व प्रशाखा, निदेशक डीआरडीए, जिला विकास पदाधिकारी, निदेशक एनईपी, विशेष कार्य पदाधिकारी एवं प्रभारी पदाधिकारी लोक शिकायत अनुश्रवण कोषांग-सह-महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र एवं जिला मुख्यालय स्थित सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों के द्वारा भाग लिया गया। उक्त जनता दरबार में कुल 140 व्यक्ति उपस्थित हुये, जिन्हें विषयवार / विभागवार यथा - राजस्व, विकास एवं अन्य विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं / शिकायतों को अलग-अलग पंक्तियों में बैठाकर सभी आवेदकों से जिला पदाधिकारी, रोहतास के द्वारा जिला स्तरीय सभी पदाधिकारियों के साथ एक-एक करके सभी आवेदकों से साक्षात्कार करते हुये उनके फरिवादों/ समस्याओं को सुना गया तथा उनसे प्राप्त आवेदन पत्रों पर त्वरित निष्पादन करने हेतु संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक निदेशों के साथ तत्काल कार्रवाई करने हेतु हस्तगत करा दिया गया। लोक साक्षात्कार के समय ही शिकायत एवं समस्याओं के समीक्षोपरान्त ऐसे आवेदन पत्रों को जिसमें लोक शिकायत निवारण अधिनियम (ढत्र्क्ष्ड) के तहत सुनवाई के योग्य थे, वैसे आवेदको के शिकायतों एवं समस्याओं की सुनवाई करते हुये नियमानुसार त्वरित निष्पादन करने का निदेश के साथ संबधित लोक शिकायत निवारण पदाधिकारियों यथा-सासाराम, विक्रमगंज एवं डिहरी को जनता दरबार में ही हस्तगत करा दिया गया। सभी प्राप्त आवेदन पत्रों के निष्पादन कराये जाने हेतु ऑन लाईन कराया गया तथा संबंधित लोक शिकायत निवारण पदाधिकारियों के द्वारा पंजीयन की कार्रवाई भी प्रारम्भ करा दिया गया ताकि आवेदनकताओं के द्वारा अपने आवेदन पत्रों पर किये गये कार्रवाईयों के बारे में अद्यतन जानकारी प्राप्त किया जा सके।

इसके अतिरिक्त कुछ आवेदकों के आवेदन पत्रों यथा - समस्त ग्रामीण किसान, ग्राम- कुझी, पोस्ट- सियांवक, पंचायत पड़रिया, अंचल राजपुर का राजबाहा अतिक्रमण के संबंध में, नरेन्द्र पासवान, ग्राम+पोस्ट, थाना- राजपुर, अंचल राजपुर का भूमि बंदोबस्ती योजना के तहत भूमि मुहैया कराने के संबंध में, वर्मानन्द राम, प्रखंड अकोढ़ीगोला, सरकारी जमीन अतिक्रमण करने वो मारपीट करने के संबंध में, मोती यादव, पिता- स्वर्गीय तपेश्वर यादव, ग्राम- बाराडीह तिलौथू का चक खाता एवं बिहार सरकार की भूमि पर चहरदीवारी निर्माण होने से आवासीय भवन को अवरुद्ध होने तथा तत्काल रोकने के संबंध में श्री सरोज कुमार सिंह, ग्राम - रेडिया चेनारी के द्वारा द्वितीय अपील प्राधिकार सह जिला पदाधिकारी, रोहतास के आदेश का अभी तक अनुपालन नहीं होने के संबंध में जयगोविन्द सिंह पिता राजकेश्वर सिंह ग्राम- खोडेया, थाना- वो अंचल करगहर के द्वारा सरकारी करहा से अतिक्रमण हटाने के संबंध में प्रेमा देवी पति- स्वर्गीय विद्यासागर, ग्राम - बाराडी, धर्मपुरा के द्वारा रैयती भूमि पर जबरन कब्जा किये जाने के संबंध में एवं दिनारा प्रखंड के धरकन्धा ग्राम के ग्रामीणों का आवेदन पत्र जो पुल बनवाने के संबंध में है, को कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, रोहतास को भेजा गया। तथा अन्य सभी आवेदन पत्रों को संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अविलंब समुचित कार्रवाई करने के आदेशों के साथ पृष्टांकित करते हुये भेजा गया।

संदेहास्पद स्थिति में महिला की हुई मौत

- परिजन द्वारा दवाई खाने के कारण मौत होने की कहीं जा रही है बात
- घटना का कारण स्पष्ट नहीं, जांच में जुटी पुलिस
- सिकरहटा थाना क्षेत्र के मोपती गांव में शुक्रवार की सुबह घटी घटना

एजेंसी। आरा

जिले के सिकरहटा थाना क्षेत्र के मोपती गांव में संदेहास्पद स्थिति में एक महिला की मौत हो गई। वही परिजन द्वारा दवाई खाने से महिला की मौत होने की बात कही जा रही है। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार मृतका सिकरहटा थाना क्षेत्र के मोपती गांव वार्ड नंबर 10 निवासी मजनू उर्फ दीपक यादव की 30 वर्षीया पत्नी अंजली देवी उर्फ चंदा देवी है। इधर, मृतका के भैंसुर अनिल सिंह ने बताया कि गुरुवार की रात सभी लोग खाना खाकर अपने-अपने कमरे में सो गए थे। शुक्रवार की सुबह जब उठे तो देखा कि वह मृत अवस्था में अपने कमरे में पड़ी है। इसके उसकी मां ने बताया की दवाई खाने से उसकी मौत हो गई है। उसने बताया कि उसकी भावह ने ये कोई पहली बार दवाई नहीं खाई है। इससे पहले भी वह कई बार दवाई खा चुकी है और उसका कई बार इलाज करा कर जान बचाई गया है। उसने बताया कि उसके पति ने दूसरी महिला से शादी कर ली है। लेकिन उसने उसके दूसरी शादी करने से एवं अपने भाई की पहली पत्नी से झगड़ा होने की बातों से साफ इनकार किया है। उधर पुलिस द्वारा बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतका की मौत दवाई खाने के कारण होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। जबकि प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2012 के मई महीने में अंजली देवी उर्फ चंदा देवी एवं मजनू उर्फ दीपक यादव की लव स्टोरी शादी हुई थी। शादी के बाद उसे दो पुत्र विराट और सम्राट हुआ। मृतका का पति मजनू उर्फ दीपक यादव चौरी थाना क्षेत्र अंतर्गत अंधारी बालू घाट पर काम करता है। उसने बीते वर्ष 22 अगस्त को एक विवाहित महिला से को लेकर भाग गया और उसे शादी कर ली थी। उसके बाद से वह उसे नही खर्चा देता और ना ही उससे कोई रिश्ता रखता था। उसके ससुराल वाले भी उसे प्रताड़ित करते थे। इसे लेकर एक पहले स्थानीय थाना में अपने पति के खिलाफ लिखित आवेदन भी दिया गया था। बताया जाता है कि मृतका मायका सिकरहटा थाना क्षेत्र के खुटहा गांव है। लेकिन उसके मायके वाले वर्तमान में गुजरात के सूरत में रहते हैं। मृतका अपने चार बहन व एक भाई ने बड़ी थी। इस घटना के बाद मृतका की मां रीना देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घर से निकाली बृद्ध महिला का शव बरामद

- पीरो थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर वार्ड नंबर 25 स्थित दालान से गुरुवार की शाम बरामद हुआ शव

आरा। पीरो थाना क्षेत्र के नगर इब्राहिमपुर वार्ड नंबर 25 स्थित दालान से घर से निकली बृद्ध महिला का शव बरामद हुआ है। उनका शव गुरुवार की शाम बरामद किया गया। शव के मिलने से लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जिसके बाद स्थानीय ग्रामीण द्वारा इसकी सूचना पीरो थाना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा वृद्ध महिला के शव का अज्ञात के रूप में सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया। जानकारी के अनुसार मृतका सिकरहटा थाना क्षेत्र के बघरा टोला कुरमुरी निवासी कालो राम की 70 वर्षीया पत्नी कांति देवी हैं। इधर मृतक के भैंसुर श्री भगवान राम ने बताया कि उनकी दिमागी हालत ठीक नहीं थी। गुरुवार की सुबह जब सभी लोग खेत में काम करने के लिए खेत में गए हुए थे। इसी बीच गुरुवार की दोपहर वह घर से निकल गई और अचानक उनकी मौत हो गई। शुक्रवार की सुबह अखबार में खबर पढ़ने के बाद परिजन पीरो थाना पहुंचे और पुलिस के मोबाइल में फोटो देख उनकी पहचान की। जिसके बाद परिजन आरा सदर अस्पताल के पोस्टमार्टम गृह पहुंचे और शव को दाह-संस्कार के लिए वापस गांव ले गए। बताया जाता है कि मृतका को तीन पुत्र गुलाबचंद, ज्ञानचंद, लालचंद एवं एक पुत्री कंचनी कुमारी है। इस घटना के बाद मृतका के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम के 48 हजार उपभोक्ताओं का आया शून्य बिजली बिल

एजेंसी। रोहतास

मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना से अब तक सासाराम प्रमंडल के 48 हजार 15 उपभोक्ताओं का बिजली बिल शून्य आया है। जिन उपभोक्ताओं का बिजली बिल शून्य आया है उनमें शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ता शामिल हैं। इन उपभोक्ताओं ने 125 यूनिट से कम बिजली की खपत की है। हालांकि 125 यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम के सभी लगभग 2 लाख 54 हजार घरेलू उपभोक्ताओं को सरकार ने दिया है। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ब्रवीम से मिली जानकारी के अनुसार, शहरी क्षेत्र में 5.52 रुपया और ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए 2.45 रुपया प्रति यूनिट बिजली शुल्क निर्धारित है। सरकार की घोषणा के बाद से सभी तरह के घरेलू उपभोक्ताओं को जुलाई माह से 125 यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ देना शुरू कर दिया गया है। कार्यपालक अभियंता ने आगे बताया कि यदि किसी उपभोक्ता ने 200 यूनिट बिजली खपत की है तो पहले 125 यूनिट पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। बाकी बचे 75 यूनिट पर सामान्य दर से शुल्क लगेगा। सरकार की इस योजना का लाभ हर वर्ग के विद्युत उपभोक्ताओं को मिलना शुरू हो गया है। उपभोक्ता इसकी जांच अपने विद्युत मीटर से कर सकते हैं। जो लोग मुफ्त बिजली का लाभ लेना चाहते हैं उन्हें कानूनी रूप से अधिकृत और मीटरयुक्त कनेक्शन लेना होगा। चोरी से बिजली का उपयोग करने की कोई गुंजाइश नहीं होगी। बिजली चोरी करनेवालों को सब्सिडी के लाभ से वंचित होना पड़ेगा। उन्होंने आम उपभोक्ताओं से अपील की है की वह अधिकृत और मीटरयुक्त कनेक्शन लेकर सरकार द्वारा घोषित 125 यूनिट बिजली मुफ्त देने की घोषणा का लाभ लें। राज्य सरकार की इस योजना ने कमजोर तबका के उपभोक्ताओं को काफी राहत पहुंचाई हालांकि इसका लाभ हर वर्ग के घरेलू उपभोक्ताओं को सरकार दे रही है। इस योजना के लागू होने के बाद बिजली का कनेक्शन लेनेवाले लोगों की संख्या में वृद्धि होगी। जो लोग मीटर बाईपास कर, अलग से तार जोड़कर या अन्य विधि से बिजली का उपयोग करते थे, वह भी ऐसा करने से परहेज करेंगे। क्योंकि पकड़े जाने पर वह सब्सिडी के लाभ से वंचित हो जाएंगे और जुर्माना भी लगेगा।

डीएम रोहतास को मांग पत्र दिया नल जल आपरेटर अनुरक्षक संघ रोहतास

एजेंसी। रोहतास

जिला समांहालय में जिला पदाधिकारी रोहतास के नाम से माँग पत्र लिखित रूप से दिया गया,लेकर पहुंचे नल जल अनुरक्षक संघ रोहतास के जिला अध्यक्ष एम दुबे और रोहतास जिला के गाँव गांव के नल जल के ऑपरेटर लोग पहुंचे आशुतोष सिंह बिहार प्रदेश अध्यक्ष किसान एनसीपी के नेतृत्व में आवेदन दिए जिला पदाधिकारी रोहतास को,इस मौके पर एनसीपी किसान के बिहार प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष सिंह ने कहा कि नल जल योजना बिहार में मुख्यमंत्री का मुख्य योजना है जिसके जितने भी ऑपरेटर रोहतास जिला में गांव-गांव कार्य करते हैं उनको मंत्र ?2000 से लेकर ?3000 तक महीना के रूप में दिए जाते हैं और वह भी चार सालों से सभी नल चल योजना के आपरेटर बकाया महीना अभी तक नहीं मिला 4 साल हो चुके जबकि केंद्र सरकार का गाइडलाइन है कि 15000 पंद्रह हजार से कम महीना किसी को भी नहीं देने हैं कये ना इंसाफी है,नल जल अनुरक्षक संघ रोहतास जिला अध्यक्ष एम दुबे ने बोला कि हम लोगों के साथ सौतेलापन व्यवहार करना माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी बंद करें और हम लोगों का महीना कम से कम ?20000 बीस हजार रुपया करने का कृपा करें,ताकि हम अपने बच्चन परिवार को भरण पोषण कर सके,इस मौके पर मुख्य रूप से एनसीपी किसान के बिहार प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष सिंह,नल जल अनुरक्षक संघ रोहतास जिला अध्यक्ष एम दुबे,धनजी कुमार,पुनवासी राम,निरंजन यादव,विजय शंकर दुबे,सैयद अली,रणजीत सिंह,ओम प्रकाश सिंह,सुधीर सिंह,धनंजय सिंह,चंदन कुमार,संजीव कुमार,दूलार सिंह,मोतीलाल चौधरी सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

प्रखंड अवर निरीक्षक और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

एजेंसी। रोहतास

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, खेल विभाग,पटना भोजपुर जिला शिक्षा विभाग एवं जिला प्रशासन, भोजपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय जिला स्तरीय मशाल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता जो दिनांक 18/8/25 से 21/8/25 तक आयोजित प्रतियोगिता विभिन्न खेल स्थान पर खेला गया जिसमें आरा प्रखंड के सभी विजेता उपविजेता खिलाड़ियों को आरा प्रखंड अवर विधालय निरीक्षक सुधिर सागर, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी आरा उत्तरी हेमंत कुमार , लेखापाल आरा प्रखण्ड संसाधन केंद्र प्रमोद कुमार सिंह ने मशाल जिला स्तर खेल प्रतियोगिता मे पदक प्राप्त किये खिलाडियों पप्पू कुमार+2 उच्च विद्यालय कराड़ी, नीरज कुमार मध्य विद्यालय गंगहर,राजा पण्डित उत्क्रमित मध्य विद्यालय महकमपुर,संदिप कुमार, +2 उच्च विद्यालय बखरियां, जलेन्द्र पासवान उत्क्रमित मध्य विद्यालय बागिपाकड़,सुरज कुमार सिंह उत्क्रमित मध्य विद्यालय भकुरा, ज्योति कुमारी उत्क्रमित मध्य विद्यालय शुकुलपुरा, छोटी कुमारी बालिका मध्य विद्यालय माहुली,वर्षा कुमारी, एथलेटिक्स खिलाड़ी, एवं उपविजेता फुटबॉल खिलाड़ी को सम्मानित किया। इस मौके पर अटल बिहारी सिंह, उत्क्रमित मध्य विद्यालय अहिरपुरवा आरा, अंजू आनंद, पीएम श्री प्लस टू उच्च विद्यालय बखरिया ,पंकज कुमार शर्मा मध्य विद्यालय मीरगंज ,दीपशिखा राजकीय बुनियादी विद्यालय महुली ,अभिषेक कुमार, संतोष कुमार ,मनजीत पाठक, कमलेश कुमार, कृष्ण कुमार सिंह, कुमार विजय ,आनंद प्रकाश एवं बी आर सी आरा के सभी सदस्य उपस्थित थे।

एक नजर

नए थाना अध्यक्ष ने पदभार ग्रहण किया

अजय कुमार बने डालमियानगर के नए थाना अध्यक्ष

डेहरी । रोहतास पुलिस अधीक्षक रोशन कुमार के द्वारा डालमियानगर के थाना अध्यक्ष पु.अ.नि.अजय कुमार को बनाया गया। इसके पूर्व यह जिला आसूचना इकाई, पुलिस कार्यालय डेहरी में पदस्थापित थे। ये 2018 बेंच के पदाधिकारी रहे हैं। बताते चलें कि पूर्व थाना अध्यक्ष सुशांत कुमार मंडल के स्थानांतरण आरा में हो जाने के कारण महीनों से यह पद रिक्त था. गुरुवार को थाना में योगदान करने के बाद इन्होंने बताया कि उनकी प्रथम प्राथमिकता शहर में अपराध पर लगाम लगाना है वहीं अवैध शराब कारोबारीयों पर नकेल कसने के साथ ही छापेमारी अभियान में तेजी लाई जाएगी।थाना अध्यक्ष ने बताया की स्थानीय नागरिकों के सहयोग से थाना क्षेत्र में विधि व्यवस्था एवं कानून का राज स्थापित किया जाएगा। उन्होंने आम लोगों से अपील किया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर मुझसे संपर्क करें.

काराकाट पुलिस ने आरा से लापता युवती को सकुशल किया बरामद

काराकाट । काराकाट पुलिस ने सराहनीय कार्रवाई करते हुए एक माह पूर्व लापता हुई युवती को आरा से सकुशल बरामद कर लिया है ।थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र से लापता हुई युवती के मामले में उसके पिता द्वारा एक माह पूर्व थाना में केस नंबर 337/25 के आलोक में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया गया था । उन्होंने कहा कि पुलिस टीम ने आरा से युवती को सकुशल बरामद कर लिया है । बरामद युवती को बयान के लिए कोर्ट भेज दिया गया है ।

जिलास्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक हुई

सासाराम । आज दिनांक- 22.08.2025 को जिला पदाधिकारी, रोहतास की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 समय-समय पर यथा संशोधित नियम-1995 अंतर्गत जिलास्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। जिसमें पुलिस अधीक्षक, रोहतास एवं उप विकास आयुक्त, रोहतास उपस्थित रहे। बैठक में कुल 138 पीड़ित / आश्रितों को 86 लाख 50 हजार 150 रुपए भुगतान किया गया है, जिसकी जानकारी सभी माननीय सदस्यगण को दी गई। उक्त अधिनियम के तहत हत्या के मामलों में कुल 57 पेंशनधारियों को 5000 रुपए मूल पेंशन, अनुज्ञेय महंगाई भात्ता के साथ माह- मई 2025, जून-2025 एवं जुलाई-2025 तक मो0- 9 लाख 84 हजार 150 रुपए पेंशन का भुगतान किया गया है।

डीएवी सेमरा बिक्रमगंज के बच्चों ने खेल प्रतियोगिता में लिया भाग

बिक्रमगंज । डीएवी क्लस्टरमीट के अंतर्गत गयाजी में आयोजित किया गया । 21 अगस्त को डीएवी पब्लिक स्कूल सेमरा बिक्रमगंज के बच्चों ने कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लिया था । जिसमें डीएवी दाउदनगर की टीम को फाइनल में हराकर विजेता टीम बनी । खेल शिक्षक नीरज के कुशल नेतृत्व में सेमरा के बच्चों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया । विद्यालय की प्राचार्या प्रमिला सिंह ने बच्चों के इस प्रदर्शन से काफी प्रसन्न थी । प्राचार्या ने बच्चों के इस उत्साहवर्धन हेतु उन्हें आगे भी विजयी होने का गुरु मंत्र दिया ।

आरा में ट्रेन से गिरकर अधेड़ की मौत

आरा स्टेशन के पश्चिम साइड स्थित अप लाइन पर शुक्रवार की सुबह घटी घटना

आरा। दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर आरा रेलवे स्टेशन के पश्चिम साइड स्थित अप लाइन पर शुक्रवार की सुबह ट्रेन से गिरकर एक अधेड़ की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक पीरो थाना क्षेत्र के बरांव गांव वार्ड नंबर 11 निवासी जिनेश्वर पांडेय का 45 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार पांडेय है एवं वह गांव पर रहकर खेती करते थे। इधर, मृतक के छोटे भाई चंदन कुमार पांडेय ने बताया कि वह पटना में रहते है और वह उनके पास बराबर आते रहते है। गुरुवार को वह गांव से उसके पास पटना गए थे। शुक्रवार की सुबह वह उन्हें पटना स्टेशन से ट्रेन चढ़ा वापस लौट गए थे। इसी बीच यह घटना घट गई। इसके बाद आरा रेल पुलिस द्वारा इसकी सूचना उन्हें दी गई। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे। जिसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई व दो बहन में बड़े थे। उनके परिवार में मां वृदा देवी व दो बहन रिंकी देवी,नीरज देवी एवं एक भाई चंदन कुमार पांडेय है। घटना के बाद में तक की मां वृदा देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस की वर्दी में ट्रक वालों से कर रहा था रंगदारी, गिरफ्तार

कोईलवर। थाना क्षेत्र के कोईलवर-चांदी रोड से ट्रक चालकों से अवैध वसूली कर रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. इस बाबत थानाध्यक्ष कोईलवर नरोतमचंद्र ने बताया कि गुरुवार की देर रात कोईलवर पुलिस क्षेत्र में गश्ती पर थी. इसी दौरान कोईलवर-चांदी पथ पर धनडीहा के समीप एक युवक पुलिस की वर्दी पहन टॉर्च दिखाकर ट्रकों को रोक रहा था. शक होने पर जब गश्ती कर रही टीम नजदीक पहुंची, तो देखा कि उक्त युवक टॉर्च दिखाकर ट्रकों को रोक रहा है और ट्रक चालकों से जबरन रंगदारी पूर्वक पैसे ले रहा है. जिसके बाद ट्रक चालकों से जबरन वसूली कर रहे युवक को पुलिस ने धर दबोचा. पकड़े गये युवक की पहचान थाना क्षेत्र के धनडीहा निवासी मोहम्मद शाहिद के पुत्र मोहम्मद गयासुद्दीन उर्फ सिकंदर के रूप में की गयी. थानाध्यक्ष ने बताया कि इसके बारे में पूर्व में भी सूचना मिली थी. इसी बीच वह गुरुवार की मध्य रात्रि अवैध वसूली करता पकड़ा गया. पकड़े गये युवक के पास से अवैध वसूली के लिए रखा गया एक टॉर्च, एक चितकबरा फूल टीशर्ट और 2400 रुपये भी बरामद किया गया है. आरोपित युवक को शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पटना डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने स्पष्ट किया है कि तय समय सीमा में सत्यापन नहीं कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी

बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर लाइसेंसी हथियारों का सत्यापन, थानावार तिथि घोषित

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पटना जिले में लाइसेंसी हथियारों और कारतूसों का थानावार सत्यापन 25 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। पटना डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने स्पष्ट किया है कि तय समय सीमा में सत्यापन नहीं कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उनका लाइसेंस रद्द या निलंबित किया जाएगा। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा लाइसेंसी हथियारों और कारतूसों का थानावार सत्यापन निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस.एम. ने बताया कि

निर्धारित अवधि में सत्यापन नहीं कराने की स्थिति में संबंधित व्यक्तियों के शस्त्र लाइसेंस निलंबित या रद्द किए जा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सत्यापन प्रक्रिया 25 अगस्त से शुरू होकर 30 अगस्त 2025 तक चलेगी। इस दौरान, संबंधित थाना क्षेत्र के लाइसेंसधारी किसी भी दिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक अपने हथियारों का भौतिक सत्यापन

सदर अनुमंडल 25 से 30 अगस्त

फुलवारीशरीफ, जानीपुर, बेऊर, परसा बाजार, गांधी मैदान, पीरबहोर, कदमकुआं, सचिवालय, गर्दनीबाग, हवाई अड्डा, शास्त्रीनगर, श्री कृष्णापुरी, बुद्ध कॉलोनी, कोतवाली, राजीवनगर, पाटलिपुत्रा, दीघा, कंकड़बाग, पत्रकार नगर, जक्कनपुर, रामकृष्णा नगर, गौरीचक और गोपालपुर।

पटना सिटी अनुमंडल 25 से 27 अगस्त

आलमगंज, सुल्तानगंज, अगमकुंआ, मेहंदीगंज, खाजेकलां, बायपास, चौक, मालसलामी, दीदारगंज, फतुहा, दनियावां, खुशरुपुर, शाहजहांपुर, बहादुरपुर और नदी थाना।

बाढ़ अनुमंडल (25 से 27 अगस्त):

बाढ़, सालिमपुर, बेलछी, भदौर, अथमलगोला, मरांची, सकसोहरा, हाथीदह, पंडारक, घोसवरी, पंचमहला, समयागढ़, बख्तियारपुर, मोकामा और एनटीपीसी थाना।

दानापुर अनुमंडल 25 से 27 अगस्त

दानापुर, रूपसपुर, खगौल, शाहपुर, मनेर, बिहटा, नौबतपुर, अकिलपुर और पीपलावां।

पालीगंज अनुमंडल 25 से 27 अगस्त

पालीगंज, दुल्हिनबाजार, खीरीमोर, रानीतालाब, बिक्रम और सिगोरी।

पटना में दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, चार युवकों की मौत

एजेंसी। पटना

पटना में दो बाइक सवार की आमने सामने हुई सीधी टक्कर में बाइक पर सवार तीनो लोगो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। आननफानन में स्थानीय लोग चौथे शख्स को घायल अवस्था में अस्पताल ले गये, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। घटना गौरीचक थाना क्षेत्र के बेलदारी चक पुल पर हुई है। मृतकों की पहचान दुखन कुमार (22) , रवि कुमार (25), सूरज कुमार (18) और विकास कुमार (30) के रूप में की गई है। घटना होते ही आसपास के लोग घटनास्थल पर जुट गये।

स्थानीय लोगों ने नजदीकी थाना गौरीचक को सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों गाड़ियों को जप्त कर लिया। पुलिस का कहना है कि सभी मृतक गौरीचक के ही रहने वाले थे।

विधानसभा चुनाव से पहले सीएम नीतीश का बड़ा एलान,कहा

जल्द ही 50 हजार से अधिक लोगों को मिलेगी रोजगार और नौकरी

- सीसीटीवी और डॉग स्क्वायड की मदद से निगरानी

एजेंसी। पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाला है। ऐसे में पीएम मोदी का आज बिहार आगमन हुआ है तो उनके स्वागत के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज मंच पर मौजूद नजर आए। इस दौरान उन्होंने मंच से बिहार के युवाओं को संबोधित करते हुए बड़ा एलान किया है। इस दौरान उन्होंने यह कहा है कि चुनाव से पहले सरकार बड़े पैमाने पर नौकरी और रोजगार देने वाली है। सीएम नीतीश ने गया जी से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम तो हमेशा से ही बिहार के लिए बहुत कुछ किए हैं वो लोग (राजद) कुछ किया है जी , देखिए हमलोग रोजगार और नौकरी को लेकर कितना कुछ किए हैं। जब हम यह फैसला किए हैं कि चुनाव से पहले और पचास हजार लोगों को नौकरी और रोजगार देंगे। हम तो हमेशा रोजगार पर बात करते हैं। इतना ही नहीं पांच साल में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार करवाया जाएगा। इसके अलावा सीएम नीतीश ने कहा कि पहले बिहार में बहुत बुरा हाल था। पहले कोई कपड़ा ठीक से नहीं पहन पाता था। महिलाओं के लिए किसी ने काम नहीं किया था। मुसलमानों के लिए भी कुछ नहीं हुआ था। हमने सबके लिए काम किया। हमलोग बिहार में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली सभी क्षेत्रों में काम हो रहे हैं। हाल ही में कुछ नए काम भी करवाए गए हैं। कुछ नए फैसले लिए गए जिसमें सामाजिक सुरक्षा पेंशन में 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये प्रति महीना किया गया। इधर, सीएम ने कहा कि हमारी सरकार सभी को फायदा देने का काम कर रही है। 2018 में हर घर बिजली पहुंचा दी गई। पहले से कम पैसे में लोगों को बिजली दी जा रही थी। मगर अब यह तय कर ली गई कि 125 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। केंद्र सरकार की ओर से बिहार को पूरा सहयोग मिल रहा है। इस साल के बजट में राज्य को स्पेशल पैकेज मिला। खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी दी गई।

बिहार सरकार ने खेल विभाग में निकाली बंपर बहाली, प्रशिक्षक से लेकर अधिकारी और लिपिक तक को मिलेगी नौकरी

खेल में नौकरी के इंतजार में बैठे युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी आ गई है। राज्य सरकार ने खेल विभाग में बंपर बहाली का रास्ता खोल दिया है। ऐसा पहली बार हो रहा है, जब नवगठित खेल विभाग में 824 पदों पर बहाली होने जा रही है। खेल प्रशिक्षक से लेकर क्रीड़ा सेवा संवर्ग में अधिकारी, खेल लिपिक और अन्य पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। खेल विभाग ने इन नियुक्तियों के लिए बिहार लोक सेवा आयोग, बिहार कर्मचारी चयन आयोग और बिहार तकनीकी सेवा आयोग को सफरिश भेज दी है। वह युवा जो खेल विभाग में नौकरी की आस लगाए लंबे समय से बैठे थे और खेल के प्रशिक्षक बनना हैं, अब उनकी लॉटरी लगने वाली है। खेल विभाग की ओर से बिहार खेल अधीनस्थ सेवा संवर्ग में 380 पद स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से 379 पद अभी खाली हैं। इन सभी पदों पर बहाली के लिए खेल विभाग ने बीएसएससी को प्रस्ताव भेज दिया है। जल्द ही इन पर सीधी बहाली की जाएगी। बिहार खेल सेवा संवर्ग में भी 33 अधिकारियों के लिए 44 नए पदों का सृजन किया गया है। इनमें से 11 पद प्रोन्नति के लिए हैं, जबकि 33 पदों पर सीधी भर्ती होगी है। इन पदों पर नियुक्ति के लिए इढरउ को अधियाचन भेज दिया गया है। खेल विभाग में लिपिकीय सेवा संवर्ग का भी गठन कर दिया गया है। इसके लिए 80 पदों की स्वीकृति भी मिल गई है।

सासाराम रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत एक्सप्रेस का भव्य स्वागत

- ड्राइवर और गार्ड को लोगों ने खिलाई मिठाई, माला पहनाकर किया स्वागत

एजेंसी। पटना

सासाराम रेलवे स्टेशन पर आज का दिन ऐतिहासिक रहा, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन की गई अमृत भारत एक्सप्रेस पहली बार स्टेशन पर पहुंची। गयाजी से नई दिल्ली के बीच चलने वाली इस ट्रेन का सासाराम में जोरदार स्वागत किया गया। स्थानीय लोगों ने मिठाइयाँ खिलाकर और फूलों की माला पहनाकर ट्रेन के ड्राइवर और गार्ड का अभिनंदन किया। बता दें कि आज शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गयाजी से नई दिल्ली के बीच चलने वाले अमृत भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन किया। जैसे ही है ट्रेन सासाराम रेलवे स्टेशन पर पहुंची, स्थानीय लोगों ने ट्रेन का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान ट्रेन के ड्राइवर और गार्ड को लोगों ने मिठाइयां खिलाई और फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया। बता दें कि इस ट्रेन के आगमन की तैयारी को लेकर सासाराम के रेलवे स्टेशन पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आगंतुकों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। सासाराम रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पहुंचते ही लोगों ने भारत मां की जय के नारे लगाने लगे।

बिहार के कई फर्जी शिक्षकों पर एफआईआर दर्ज, गिरफ्तारी के लिए पुलिस कर रही छापेमारी

एजेंसी। पटना

बिहार के बांका जिले में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने फर्जी प्रमाण-पत्रों के आधार पर नौकरी कर रहे तीन शिक्षकों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है। शंभूगंज और रजौन प्रखंडों में कार्यरत इन शिक्षकों के शैक्षणिक दस्तावेज जांच में जाली पाए गए, जिसके बाद संबंधित थानों में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मृतक शिक्षकों की पहचान रजौन के प्राथमिक विद्यालय कोलहड्डा की दीपा कुमारी, शंभूगंज के प्राथमिक विद्यालय जगतापुर की पल्लवी कुमारी और प्राथमिक विद्यालय मेहरपुर के निरंजन कुमार के रूप में हुई है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और पुलिस ने तीनों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। पटना हाईकोर्ट के आदेश पर शुरू हुई इस जांच में बिहार के नियोजित शिक्षकों के शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की गहन पड़ताल की जा रही है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने अब तक 6 लाख से अधिक प्रमाण-पत्रों की जांच की है, जिसमें बड़ी संख्या में फर्जी दस्तावेज सामने आए हैं। रजौन की शिक्षिका दीपा कुमारी का मैट्रिक अंक पत्र कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय से फर्जी पाया गया। वहीं, शंभूगंज की पल्लवी कुमारी और निरंजन कुमार के प्रमाण-पत्र उड़ीसा बोर्ड, कटक से जाली निकले। हाईकोर्ट द्वारा दी गई समयसीमा में इन शिक्षकों ने स्वेच्छा से त्यागपत्र नहीं दिया, जिसके बाद निगरानी ने अब कानूनी कार्रवाई का निर्देश दिया है।

मुंगेर में राहुल और तेजस्वी का भारी विरोध, आंबेडकर की प्रतिमा का करना था अनावरण,लेकिन नहीं रुका काफिला

एजेंसी। मुंगेर

बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव पिछले छह दिनों से वोटर अधिकार यात्रा पर निकले हुए हैं। ऐसे में वह बिहार के अलग-अलग जिलों में जाकर लागों से बातचीत कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज जब राहुल गांधी मुंगेर पहुंचें तो वहां अजीब वाकया देखने को मिला। यहां राहुल गांधी कुछ ऐसा काम कर दिया जिसके बाद उनका जमकर विरोध शुरू हो गया है। दरअसल,कांग्रेस नेता राहुल गांधी वोटर अधिकार यात्रा के छठे दिन मुंगेर में यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान मुंगेर के घोरघट में स्थानीय लागों ने राहुल और तेजस्वी का जमकर विरोध किया है। इसके पीछे की वजह यह बताई जा रही है कि यहां 20 फीट उंची भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण होना है।

इसकी तैयारी भी की गई थी। इसके बाद भी राहुल और तेजस्वी का काफिला यहां नहीं रूका। इसके बाद लागों में काफी नाराजगी देखने को मिली। इसके बाद एक बार फिर पप्पू यादव ने डमेज कंट्रोल किया। इससे पहले शेखपुरा में यात्रा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। राजद नेता तेजस्वी यादव की गाड़ी के नीचे झारखंड सशस्त्र पुलिस का जवान शंभू सिंह आ गया। इससे सिपाही के पैर की हड्डी तीन जगह से टूट गई। गंभीर हालत में उसे पटना रेफर किया गया है। आपको बताते चलें कि, बिहार में साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट रिवीजन कराया। इसको लेकर विपक्ष लगातार ईसी पर आरोप लगा रहा है। वोटर लिस्ट रिवीजन का मामला सुप्रीम कोर्ट में भी चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने वोटर लिस्ट से हटाए गए लोगों के नाम जारी करने का आदेश दिया था।

डबल मर्डर से दहला बिहार, 2 अपराधियों की गोली मारकर हत्या

मोतिहारी। बिहार के मोतिहारी जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार की देर रात दो गैंगों के बीच हुए भीषण गैंगवार ने पूरे इलाके को दहला दिया। दरियापुर मठ के पास हुई अंधाधुंध गोलीबारी में दो कुख्यात अपराधियों धनंजय गिरी और गुड्डू यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, यह वारदात आपसी रंजिश और गैंगों के बीच वर्चस्व की लड़ाई का नतीजा है। आरोपी सनोवर खान जो इस डबल मर्डर का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है, घटना के बाद फरार है। पुलिस ने उसकी तलाश में विशेष टीम गठित की है और लगातार छापेमारी कर रही है। घटना के अनुसार सनोवर खान ने किसी बहाने से धनंजय गिरी और गुड्डू यादव को दरियापुर मठ बुलाया था। दोनों काले रंग की पल्सर बाइक पर सवार होकर पहुंचे थे।

पटना सहित 15 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है

बिहार में अगले 3-4 दिन भारी बारिश की संभावना, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

एजेंसी। पटना

बिहार में जल्द ही मॉनसून के फिर से सक्रिय होने की संभावना है और मौसम विज्ञान केंद्र, पटना ने 22 से 26 अगस्त तक भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इस दौरान राजधानी पटना सहित 15 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें तेज हवाएं और वज्रपात का खतरा भी शामिल है। गुरुवार (21 अगस्त) को कटिहार, सिवान और बक्सर जैसे कई जिलों में मूसलाधार बारिश ने मौसम को सुहावना बनाया, लेकिन कई जगहों पर उमस वाली गर्मी ने लोगों को परेशान भी रखा। मौसम विभाग के अनुसार आज पटना, गोपालगंज, सिवान, सारण, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, नालंदा, मुंगेर, बेगूसराय और खगड़िया में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश (64.5-115.5 मिमी) की संभावना है। वहीं, गया, नवादा, वैशाली, समस्तीपुर, और पश्चिमी चंपारण में कुछ स्थानों पर अति भारी बारिश (115.5-204.4 मिमी) का अनुमान है। इन क्षेत्रों में 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, साथ ही मेघ गर्जन और वज्रपात की चेतावनी भी दी गई है। लोगों को खुले स्थानों, पेड़ों, और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी गई है। पिछले 24 घंटों में बिहार के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। मधुबनी के राजनगर में सबसे ज्यादा 75 मिमी बारिश हुई, जबकि सुपौल के बीरपुर में 61 मिमी और फारबिसगंज में 55.4 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। पटना जिले में फुलवारीशरीफ में 44.6 मिमी, फतुहा में 37.2 मिमी, संपतचक में 40.2 मिमी और दानापुर में 27.6 मिमी बारिश हुई। जहानाबाद में 52.2 मिमी, कटिहार के मनीहारी में 51 मिमी और अररिया के नरपतगंज में 50.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। अन्य क्षेत्रों जैसे दरभंगा (36.4 मिमी), सुपौल के राघोपुर (28 मिमी) और मधुबनी के पंडौल (28.4 मिमी) में भी मध्यम बारिश हुई।

सुभाषितम्

हमें ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जो हम अपने बच्चों को करते देखने के इच्छुक नहीं है। -विद्रम यंग

ऑनलाइन गेम्स पर पाबंदी को लेकर फड़वाजों में हड़कंप

लोकसभा में बुधवार को ऑनलाइन गेमिंग बिल पास हो गया है। इस बिल के पास हो जाने के बाद ऑनलाइन गेमिंग के फडवाजों में हड़कंप मच गया है। ऑनलाइन गेमिंग के शिकार करोड़ों लोग थे, बच्चों से लेकर बड़े तक ऑनलाइन गेमिंग में 80000 करोड रुपए से ज्यादा की राशि हर साल गंवा रहे थे। कई युवा और बच्चों ने आत्महत्या कर ली। हजारों लोगों की नौकरी छूट गई, हजारों लोग गबन और चोरी के आरोप में जेल चले गए। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का लगातार दबाव सरकार पर पड़ रहा था। अंतोगत्वा सरकार को जनमत के दबाव में निर्णय लेना पड़ा। इस बिल के पास हो जाने के बाद भी ऑनलाइन गेमिंग को सरकार ईमानदारी के साथ बंद करेगी जो बिल केंद्र सरकार ने पास किया है उसके अनुसार अब ऑनलाइन मनी ट्रांसफर नहीं हो सकेगी! जो कंपनियां इस तरह का कारोबार करेंगी] उनके लिये बिल में गैर जमानती अपराध का प्रावधान किया गया है। विज्ञापनों पर रोक लगा दी गई है, क्रिकेटर, फिल्मी सितारे और सेलिब्रिटीज जो विज्ञापन करते थे, अब वह नहीं कर पाएंगे। सरकार ने जो बिल पास किया है, उसमें ऑनलाइन मनी ट्रांसफर ऑनलाइन गेम्स के प्लेटफार्म से नहीं होगी। ऑनलाइन गेम को सरकार ने दो श्रेणियां में बांटा है। एक ई स्पोर्ट्स के रूप में है, इसमें किसी तरह से पैसे का लेनदेन नहीं होता है। दूसरी मनी गेम्स के रूप में है, मनी गेम्स को पूरी तरह से सरकार ने इस बिल में प्रतिबंधित कर दिया है। नियमों का उल्लंघन करने पर गेम खिलाने वाले प्लेटफार्म पर 3 साल की सजा या एक करोड रुपए तक के जुमार्ना से दंडित किए जाने का प्रावधान रखा गया है। विज्ञापन देने पर 2 साल की कैद और 50 लाख का जुमार्ना तथा मनी ट्रांसफर की सुविधा देने वाले बैंक या कंपनी के ऊपर एक करोड़ का जुमार्ना और 3 साल कैद की सजा का प्रावधान किया गया है। किसी भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से रियल मनी ट्रान्सफर गेमिंग प्लेटफार्म नहीं चलाये जा सकेंगे। यदि कोई व्यक्ति गेम खेलते हुए पकड़ा जाता है, पहले उसे अपराधी माना जाता था। अब उसे पीड़ित मानते हुए दोषी कंपनी पर कार्रवाई की जाएगी। अभी जो बिल पास हुआ है, इसके नियम और उप नियम बनने बाकी हैं। इस बिल को लागू होने में कुछ समय लगेगा। इसके पहले ही ऑनलाइन कंपनी के प्लेटफार्म चलाने वाले फड़बाज तेजी के साथ सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने कहना शुरू कर दिया है, 400 से ज्यादा कंपनियां ऑनलाइन गेमिंग के कारोबार में लगी थी। इसमें 2 लाख से ज्यादा लोग काम कर रहे थे। सरकार के इस निर्णय से लगभग 2 लाख लोगों की नौकरी चली जाएगी। 25000 करोड़ का निवेश खतरे में पड़ जाएगा। सरकार को 20000 करोड रुपए का जीएसटी में नुकसान होगा। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों द्वारा इस बिल प्रावधान में जो नियम बनेंगे उसमें दखलंदाजी के लिए बड़े स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं। बिल तो पास हो गया है लेकिन नियम और कानून इस तरह से बनाए जाएं, ताकि यह धंधा चोरी छुपे चलता रहे।, इसकी कोशिशें भी शुरू हो गई हैं। ऑनलाइन स्पोर्ट्स गेम को लेकर बड़े स्तर पर कारोबार हो रहा था। इस कारोबार में बड़े-बड़े राजनेता, सेलिब्रिटी, खिलाड़ी, फिल्मी अभिनेता, मीडिया, पुलिस भी शामिल थी। गेम बंद होने के कारण इन्हें भारी नुकसान होगा। यह सभी अपने प्रभाव का उपयोग सरकार के ऊपर कर नियम किस तरह के बने उसको लेकर दबाव बनाने का प्रयास शुरू कर दिया है। ताकि उनका कारोबार चोरी छुपे चलता रहे। जुए के इस खेल में फड़बाज ही पैसे कमाता है। खिलाड़ी हमेशा हारता है। भले ही खिलाड़ी जीत जाये, लेकिन उस जीत पर फड़बाज अपना हिस्सा काट लेता है। ऑनलाइन गेम में भी जो प्लेटफार्म हैं, वह इस तरीके की व्यवस्था करते हैं कि खिलाड़ी हमेशा खेल में जीतने के बाद भी नुकसान में हारता रहता है। सरकार ने हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट और जनता के दबाव में ऑनलाइन गेम्स को बंद करने के लिए बिल पास कर लिया है। आशंका है, नियम और उप नियम बनाने के दौरान इसमें बड़े पैमाने पर सरकार और अधिकारियों की मिलीभगत से कोई बड़ा खेल हो सकता है।

चिंतन-मनन

चैन से सोना है तो सोने को कहें ना

सोने की चमक सभी को आकर्षित करती है। इसी आकर्षण के कारण लोग अधिक से अधिक सोना खरीदने चाहते हैं। यह चाहत तब और भी बढ़ जाती है जब सोने की कीमत में अचानक थोड़ी गिरावट आती है। लोग इस मौका का लाभ उठाना चाहते हैं। आज कल बाजार में यही स्थिति है क्योंकि सोने की कीमत कमी आयी है। आइए जानें सोने के बारे में हमारे शास्त्रों क्या कहा गया है। ज्यादातर पौराणिक ग्रंथों में इस बात को कई तरह से कहा गया है कि सोने की खरीदारी से जितनी खुशी नहीं होती है उससे अधिक चिंता बढ़ जाती है। हमेशा यह चिंता सताती है कि सोना चोरी न हो जाए। इसे कैसा संभालकर रखें। पड़ोसी की नजर सोने के गहनों पर नहीं जाए, क्योंकि नजर लग जाएगी।यह भी कहा जाता है कि किसी अवसर पर सोने के गहने पहन लें तो हमेशा इसी पर ध्यान रहता है कि कहीं गिर न जाए, कोई खींच न ले। इस चिंता के कारण उत्सव का पूरा आनंद भी नहीं उठा पाते हैं। सोना सिर्फ आपको चिंतित ही नहीं करता है बल्कि आपकी सोच और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। इससे अभिमान भी जन्म लेता है। यही कारण है कि रहीम ने लिखा है कनक कनक ते सौगुनी, मादकता अधिकाय। वा खाये बौराय नर, वा पाये बौराय।। इस दोहे में रहीम ने दो बार कनक शब्द का प्रयोग किया है। एक कनक धतूरे के लिए और दूसरा सोना के लिए। रहीम ने कहा है कि सोने का नशा धतूरे भी ज्यादा होता है। धतूरा खाने के बाद आदमी बौरा जाता है लेकिन सोने का नशा इतना तेज होता है कि इसे प्राप्त कर लेने मात्र से इंसान बौरा जाता है। पुराणों में कथा है कि कलियुग का प्रवेश भी सोने के माध्यम से हुआ था। कलियुग सोने में निवास करता है इसलिए सोने के कारण विवाद और रिश्तों में दूरियां तक आ जाती है। साधु पुरूष कहते हैं कि सोना चिंता का बड़ा कारण है। जब आप इसे पाने की सोचने लगते हैं तभी से चिंता आपके ऊपर हावी होने लगती है।

आशा भारती उर्फ आशा चौधरी विरासत में मिली देशप्रेम और वीरता ने दी अटूट हिम्मत

- सर्वजीत झा

बीते 12 अगस्त की रात्रि 11 बजकर 5 मिनट पर आजाद हिन्द फौज के रानी झांसी रेजीमेंट की सेकंड लेफ्टिनेंट और मेरी श्रद्धेय दीदी आशा सेन उर्फ आशा भारती उर्फ आशा चौधरी का देहांत पटना के कृष्णापुरी मुहल्ला अंतर्गत संतुष्टि लेन स्थित इनके पुत्र संजय कुमार चौधरी के आवास पर हुआ। ये अपने पीछे पुत्र संजय कुमार चौधरी, बहु रत्ना चौधरी, पौत्र द्वय तनुज एवं हर्ष को छोड़ गई। इनसे मेरा सान्निध्य इनके पिता स्व. आनंद मोहन सहाय जो नेताजी के निजी सचिव थे, के पैतृक आवास लाल गुलाब आने - जाने के क्रम में प्राप्त हुआ। भागलपुर के टीएनबी कॉलेज से इंटर, पीजी और लॉ की पढ़ाई के क्रम में इनके परिवार से स्थापित बेतकल्लुफ रिश्ते की वजह से मेरा नियमित आना - जाना होता रहा था। याद नहीं कि आशा दी के हाथों की बनी चाय मैंने कितनी बार पी होगी।

इनका मुस्कुराता सौम्य चेहरा इनके सम्पूर्ण व्यक्तित्व की गाथा कह जाता। इनकी मां सती सेन देशबंधु चितरंजन दास की भांजी और बंगाल की प्रसिद्ध नेत्री उर्मिला सेन की पुत्री थीं। पटना आना - जाना तो मेरा आज भी लगा रहता है। इनकी भाभी शीला भाभी पटना के 14 ए/एस इंडस्ट्रीज इस्टेट पाटलिपुत्र में रहती थीं और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की बहन श्री मति सरला डे (बोस) से मिलने में मुझे इनकी मदद मिली थी। पटना की रनबीन कोठी सुप्रसिद्ध खुदाबख्श लाइब्रेरी के ठीक सामने स्थित है, नेताजी के मंझले बहनोई स्व. विश्वेश्वर डे और उनकी बहन सरला डे इसी कोठी में रहते थे। नेताजी की भगिनी अरुणा डे भी इसी मकान में रहती थीं। मैंने छात्र जीवन में इनके परिवार के इच्छानुसार श्री एस. एस. यादव के नेतृत्व में ‘आजाद हिन्द फज यूथ विंग’ भी बनाया था। आशा दी का जन्म 2 फरवरी 1928 को जापान में हुआ था। अपने सतरहवें वर्ष में ये स्कूल यूनिफॉर्म त्यागकर और फौजी यूनिफॉर्म में रानी झांसी रेजीमेंट में शामिल होने की इजाजत लेने नेताजी के पास पहुंची थी। इन्हें रेजीमेंट का सेकंड लेफ्टिनेंट बनाया गया था। विरासत में मिली और खून में शामिल देशप्रेम की भावना से ओत - प्रोत आशा दी का जीवन - लक्ष्य गुलाम बने रह जीना नहीं बल्कि आजादी के लिए मर - मिट जाना था। मां से विदा ली। गले लग कर नहीं, सैल्यूट मार कर। वहां ममता भी रोई नहीं...बेटी की जांबाजी देख खुशी से झूम उठी। आगे इनके ही एवं इनके परिवार के सदस्यों के मुंह से ‘लाल गुलाब’ भवन में हुए चर्चों में सुना और जाना कि कैसे दिल्ली चलो के क्रम में ये घायल फौजियों तक राशन, गोली वगैरह जान जोखिम में डाल पहुंचाती थीं। इसके अलावा 23 जुलाई 1945 की रात नेताजी द्वारा हौसला बंधाते हुए यह कहना कि ‘पूरी तैयारी के साथ शीघ्र ही फिर मिलेंगे’ जैसी अनेक संस्मरण.... आज भी जब याद करता हूं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं और देशप्रेम की भावना से शरीर का खून गर्म होने लगता है। आजादी के बाद आशा दीदी ने भारत लौटकर हिंदी सीखा, क्योंकि इनका जन्म जापान में और पढ़ाई - लिखाई जापानी भाषा में हुआ था। भारत आने के बाद इनकी शादी हजारीबाग जिलांतर्गत घाटो टांड़ नामक कस्बे के डॉ. एल. पी. चौधरी से हुई जो वेस्ट बोकारो लिमिटेड में कार्य करते थे। आशा भारती दी ने भी लम्बे समय तक बोध गया में जापानी पर्यटकों और भिक्षुओं के लिए दुभाषिए का काम किया। ये जब 1993 में जापान गईं तो सर्वप्रथम रैंकोजी के उस बौद्ध मठ गईं जहां नेताजी की अस्थि - कलश रखी गई है। कलश को सर झुका कर प्रणाम किया। इनसे मेरी अंतिम मुलाकात नेताजी भवन कोलकाता में 23 जनवरी 1995 को हुई जहां मुझे ‘नेताजी राष्ट्रीय सम्मान’ मिला था। वहीं मेरी मुलाकात नेताजी की सुपुत्री अनिता बोस फाफ, भतीजा शिशिर चंद्र बोस एवं भतीजी प्रो. चित्रा घोष से हुई थी। आशा दी की छोटी बहन रंजिया सहाय उर्फ टुलू का विवाह मॉरीशस में एक भारतीय डॉक्टर वी तिलक से हुआ जो दारुसलम तंजानिया में डब्ल्यू.एच.ओ. के प्रतिनिधि थे। सबसे छोटे भाई अशोक मोहन सहाय ने सेंट स्टीफंस कॉलेज से अंग्रेजी में एम.ए. पास कर पत्रकारिता को अपनाया तथा हिन्दुस्तान टाइम्स नई दिल्ली के संपादक थे। इनकी शादी शीला सहाय जी से हुई है। वीरांगना आशा दी की वर्दी आज भी लालकिला के संग्रहालय में सुरक्षित है। इनकी मृत्यु पर सुभाष बाबू की बेटी अनिता बोस फाफ ने गहरी वेदना व्यक्त करते उनके परिजन को भेजे शोकाभिव्यक्ति में कहा कि ‘इस अपूर्णनीय क्षति पर हमारी हार्दिक संवेदना स्वीकार करें। स्वाभाविक शोक के बीच हमें विश्वास है कि आप इस बात के लिए आभारी होंगे कि वे इतने लंबे समय तक आपके साथ रहीं। उन्होंने एक अद्भुत जीवन जिया और आप अंत तक उन्हें अपने प्रेम और देखभाल से सींचते रहे। भारत मां के ऐसे शानदार व संस्कारवान परिवार की बहादुर सदस्या आशा भारती उर्फ आशा चौधरी दी के लिए समस्त राष्ट्र की तरफ से हृदय से आभार एवं कोटिशः नमन!

महामहिम की जबावदेही से आदिवासी क्षेत्रों को नई ताकत

- सुधीर पाल

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार इस बात को लेकर मोर्चा खोले हुए है कि जब संविधान राष्ट्रपति और राज्यपाल को निर्णय लेने की समय सीमा में नहीं बांधे हुए है तो कोर्ट क्यों निर्णय ले। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों और राष्ट्रपति के पास लंबित पड़े विधेयकों पर समय-सीमा तय करने का ऐतिहासिक फैसला दिया है, तो सवाल केवल विधेयक मंजूरी की देरी का नहीं है।

प्रश्न यह है कि पाँचवीं और छठी अनुसूची जैसे विशेष संवैधानिक प्रावधानों के बावजूद पिछले सात दशकों में राज्यपालों और राष्ट्रपति–दोनों ने ही इन संवैधानिक दायित्वों का पालन शायद ही कभी गंभीरता से किया। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला केवल सामान्य केंद्र-राज्य विवादों तक सीमित नहीं है, बल्कि पंचम और षष्ठम अनुसूची के क्षेत्रों की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं और अधिकारों से भी गहराई से जुड़ा है। बहस इस पर नहीं है कि लोकतंत्र के संरक्षक के तौर पर राज्यपाल और राष्ट्रपति ने अपनी भूमिका नहीं निभाई है और इन्हें कैसे जवाबदह बनाया जाए। संविधान सभा में जब पाँचवीं और छठी अनुसूची पर चर्चा हो रही थी, तब आदिवासी नेता जयपाल सिंह मुंडा ने साफ कहा था: ‘आदिवासी समाज हजारों वर्षों से अपनी ग्रामसभाओं और पारंपरिक शासन व्यवस्था से चलता आया है। यह केवल प्रशासनिक संरचना नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है। यदि संविधान इन परंपराओं को मान्यता नहीं देगा, तो आदिवासी समाज अपने को ठगा हुआ महसूस करेगा’ इसी बहस के दौरान डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी स्पष्ट किया था कि अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन में राज्यपाल की भूमिका केवल औपचारिक नहीं होगी, बल्कि वह संरक्षक की तरह कार्य करेंगे। लेकिन दुख की बात है कि संविधान की यह दृष्टि कभी व्यवहार में नहीं उतरी। राज्यपाल राजनीतिक संतुलन साधने में उलझे रहे और राष्ट्रपति ने भी स्वतंत्र

रिपोर्टों को नजरअंदाज कर दिया।

आदिवासी इलाकों में राज्यपालों की निष्क्रियता पंचम अनुसूची विशेष रूप से अनुसूचित क्षेत्रों और जनजातीय समुदायों के प्रशासन से संबंधित है। इसके अंतर्गत, अनुच्छेद 244(1) स्पष्ट करता है कि अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजातियों का शासन विशेष प्रावधानों के अधीन होगा। राज्यपाल को यह शक्ति दी गई है कि वह इन क्षेत्रों में लागू होने वाले किसी भी राज्य विधान को, चाहे पारित हो चुका हो, अस्वीकार, संशोधित या निलंबित कर सकता है। राज्यपाल पर यह संवैधानिक दायित्व डाला गया है कि वह समय-समय पर राष्ट्रपति को अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन पर स्वतंत्र और निष्पक्ष रिपोर्ट भेजें। परंतु वास्तविकता यह है कि संविधान लागू होने के बाद से बार-बार रिपोर्टें समय पर और निष्पक्ष रूप में राष्ट्रपति को भेजे जाने का एक भी ठोस उदाहरण सामने नहीं आता। राज्यपालों ने इस शक्ति का उपयोग आदिवासियों के पक्ष में नीति-निर्माण को प्रभावित करने के लिए लगभग कभी नहीं किया। राज्यपाल के वार्षिक प्रतिवेदन का मकसद राष्ट्रपति को उस वर्ष अनुसूचित क्षेत्र के प्रशासन, विकास, कल्याण कार्यों की स्थिति के बारे में सूचित करना होता है। झारखंड जैसे राज्यों के इन प्रतिवेदनों में चल रही कल्याणकारी योजनाओं का विवरण, लाभार्थियों की संख्या, खर्च का ब्यौरा और बजटीय आवंटन शामिल होता है। लेकिन बहुतायत में ऐसे प्रतिवेदनों में इन क्षेत्रों में आदिवासियों के भूमि अधिकारों की रक्षा, भूमि हस्तांतरण पर रोक, जनजातीय परामर्शदात्री परिषद के कार्य या प्रदर्शन का कोई जिक्र नहीं होता। इसके अलावा भूमि अधिग्रहण, वन अधिकार, खनन जैसे महत्वपूर्ण कानूनों के जनजातीय समुदायों पर पड़ने वाले प्रभावों को भी प्रतिवेदन में नहीं दशार्या जाता। संविधान की अपेक्षाओं और व्यवहार में भारी अंतर रहा है। 2016 में जब झारखंड की राज्य सरकार ने भूमि अधिग्रहण और टेनेंसी कानूनों में संशोधन का प्रयास किया, तब राज्यपाल को संविधान की रोशनी में आदिवासी हितों की रक्षा करनी थी। लेकिन राज्यपाल की भूमिका केवल औपचारिक रही। झारखंड में खनन और जमीन अधिग्रहण के खिलाफ दर्जनों आंदोलन हो रहे हैं लेकिन राज्यपाल मौन हैं। पेसा कानून राज्य में लागू नहीं है, राज्यपाल बेफिक्र हैं। छत्तीसगढ़ में सलवा जुडूम और नक्सल हिंसा में हजारों निर्दोष आदिवासी मारे गए, गाँव के गाँव जला दिए गए, राज्यपाल के कान पर जूं नहीं रेंगा। हँसदेव की जमीन लूट ली गयी, जंगल साफ हो गए, वनाधिकार को ठेंगा दिखाया जाता रहा लेकिन राजपाल ने अपनी भूमिका नहीं निभाई। राज्य में पेसा कानून का क्रियान्वयन राज्यपाल के संरक्षण में होना था, परंतु ग्राम सभाओं को अधिकार देने की प्रक्रिया लगातार अधूरी पड़ी रही। ढेबर आयोग सहित अनेक आयोगों ने जनजातीय परामर्शदात्री परिषद को निष्क्रिय, कमजोर और अप्रभावी बताया है तथा इसे सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया है। साथ ही राज्यपालों की भूमिका की भी आलोचना हुई है कि वे संवैधानिक जिम्मेदारी के बावजूद प्रशासन की वास्तविक चुनौतियों पर पर्याप्त रिपोर्टिंग नहीं करते। 2015 में केरल ने पांच जिलों में 2,133 बस्तियों, पांच ग्राम पंचायतों और दो वार्डों को अनुसूचित क्षेत्रों के रूप में अधिसूचित करने का प्रस्ताव पारित किया था और इसे अब भी केंद्र सरकार और राष्ट्रपति के मंजूरी का इंतजार है। छठी अनुसूची पूर्वोत्तर भारत के राज्यों–असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा के लिए एक विशेष व्यवस्था करती है। इसमें स्वायत्त जिला परिषदों की स्थापना की गई है, जिनके पास भूमि, संस्कृति, न्याय, वन, संसाधन और शिक्षा से जुड़े व्यापक अधिकार निहित हैं। लेकिन इन परिषदों के निर्णयों के निरीक्षण और क्रियान्वयन की जिम्मेदारी भी अंततः राज्यपाल पर डाल दी गई है। राज्यपाल वहां भी अंतिम निर्णायक बनते हैं कि कोई प्रस्ताव लागू होगा या नहीं। पूर्वोत्तर में जातीय संघर्ष और संसाधनों पर विवाद स्थायी समस्या बना हुआ है। छठी अनुसूची की परिषदों में बार-बार विवाद हुए, लेकिन गवर्नरों ने निर्णायक और संरक्षक की भूमिका शायद ही निभाई। व्यवहार में देखा गया है कि राज्यपाल अक्सर इन परिषदों को न तो पर्याप्त अधिकारों के साथ कार्य करने देते हैं और न ही रिपोर्टिंग व निष्पक्ष निरीक्षण की अपनी भूमिका गंभीरता से निभाते हैं। परिणामस्वरूप, आदिवासी समाजों की वास्तविक आकांक्षाएं शासन व्यवस्था में पूर्णतः परिलक्षित नहीं हो पातीं। सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 142 (जो कोर्ट को पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए कोई भी आदेश पारित करने की शक्ति देता है) का उपयोग करते हुए निम्नलिखित समय-सीमाएं तय कीं है। राज्यपाल को बिल पर सहमति देना या असहमति जताना है तो यह 1 महीने के अंदर करना होगा। अगर बिल मनी बिल (वित्तीय विधेयक) नहीं है, तो उसे वापस करने के लिए 3 महीने का समय है। अगर बिल को राष्ट्रपति के विचार के लिए भेजा गया है, तो उस पर फैसला 3 महीने के अंदर होना चाहिए।

शिबू सोरेन: आदिवासी अस्मिता और भारत रत्न की बहस

-देवेन्द्र कुमार नयन

भारत रत्न केवल एक अलंकरण या सम्मान नहीं है, यह उस व्यक्तित्व की स्वीकृति है जिसने अपने जीवन से राष्ट्र की दिशा और दशा को बदलने का प्रयास किया हो। जब झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और आदिवासी समाज के जननायक शिबू सोरेन के नाम पर भारत रत्न देने की चर्चा होती है, तो यह बहस एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहती। यह बहस उन करोड़ों आदिवासियों की भी है जिनकी पहचान, जिनकी अस्मिता और जिनकी लड़ाई सदियों से चली आ रही है। शिबू सोरेन का जीवन इसी संघर्ष और इसी जद्दोजहद का प्रतीक है। दिशोम गुरु के नाम से विख्यात शिबू सोरेन का जीवन असाधारण संघर्ष और सामाजिक चेतना का प्रतीक है। 11 जनवरी 1944 को हजारीबाग जिले (वर्तमान रामगढ़) के नेमरा गाँव में जन्मे शिबू सोरेन का बचपन बेहद कठिन परिस्थितियों में बीता। उनके पिता की हत्या जमींदारों और माफियाओं ने कर दी थी। उस घटना ने एक बालक के मन में अन्याय के खिलाफ आग जलाई और वही आगे चलकर उन्हें समाज का नेता बना गई। जल, जंगल और जमीन पर आदिवासियों का अधिकार हो, यह उनका पहला और अंतिम सपना रहा। इसी सपने ने उन्हें आंदोलनकारी बनाया जिनसे लोग उन्हें गुरुजी और दिशोम गुरु कहने लगे। दिशोम एक संथाली शब्द है, जिसका अर्थ होता है, ‘देश या समाज’ और गुरु का अर्थ होता है, ‘मार्गदर्शक’। यानी दिशोम गुरु का अर्थ होता है, देश या समाज का मार्गदर्शक। सचमुच वे आदिवासी समाज के मार्गदर्शक ही नहीं, बल्कि उनकी चेतना के प्रतीक भी बन गए। उनका संघर्ष केवल चुनाव जीतने या हारने तक सीमित नहीं था। उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की और आदिवासी समाज को संगठित किया। उन दिनों आदिवासी आवाजें अक्सर दबा दी जाती थीं, लेकिन गुरुजी ने उन्हें संसद से लेकर सड़क तक गूंजाया। उन्होंने जल, जंगल और जमीन की लड़ाई को जनांदोलन का रूप दिया। जब 15 नवंबर 2000 को झारखंड राज्य का गठन हुआ, तो यह केवल भौगोलिक नक्शे का बदलाव नहीं था, बल्कि यह आदिवासी अस्मिता का ऐतिहासिक क्षण था। उस क्षण के सूत्रधारों में सबसे बड़ा नाम शिबू सोरेन का था। झारखंड बनने के बाद भी उनका संघर्ष रुका नहीं। वे चाहते थे कि राज्य के प्राकृतिक संसाधनों का लाभ यहां के लोगों को मिले। उन्होंने बार-बार यह बात कही कि अगर झारखंड की मिट्टी, कोयला और खनिज देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकते हैं, तो यहां का युवा बेरोजगार क्यों रहे और यहां का किसान बदहाल क्यों हो। उनकी इसी सोच में हमेशा एक आम आदमी की पीड़ा झलकती थी। यही कारण है कि मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री जैसे ऊँचे पदों पर पहुँचने के बाद भी उनका आचरण बेहद सादा और सरल रहा। गांव-देहात के लोग आज भी उन्हें अपने जैसा मानते हैं। अगर भारत रत्न की मांग की बात करें तो, भारत रत्न उन व्यक्तित्वों को दिया जाता है जिन्होंने राजनीति, समाज, साहित्य या विज्ञान के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी हो। अगर इसी कसौटी पर शिबू सोरेन को देखें, तो उनका योगदान किसी भी मायने में कम नहीं है। उन्होंने आदिवासी समाज को मुख्यधारा की राजनीति में पहचान दिलाई। उन्होंने उस समुदाय को यह भरोसा दिया कि उनकी आवाज दिल्ली तक पहुँच सकती है और वे भी भारत के भविष्य को दिशा दे सकते हैं। यह योगदान किसी एक राज्य या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय स्तर पर लोकतंत्र को और समावेशी बनाने का प्रयास है। यह सही है कि शिबू सोरेन का राजनीतिक जीवन विवादों से अछूता नहीं रहा है। उन पर आरोप लगे, मुकदमे चले और उन्हें कठिन समय का सामना करना पड़ा था। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि उनकी विरासत इन विवादों से कहीं बड़ी है।

आज का राशिफल

राशि	फल
मेष	आज व्यापार के सिलसिले में यात्रा करने से सामान्य लाभ मिलने की संभावना है।
तुला	मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी। सांसारिक सुख के साधनों में बढ़ोतरी होने के भी योग हैं।
वृषभ	अधिकारी से अनबन होने की संभावना है। व्यापार के क्षेत्र में भी किसी व्यापारी से बहस हो सकती है।
वृश्चिक	समय दूसरों की सहायता करने में बीत सकता है, जिससे आपको संतुष्टि भी प्राप्त होगी।
मिथुन	समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर होगा।
धनु	दिन ज्यादा अच्छा नहीं रहेगा। आपके आसपास विपरीत वातावरण उत्पन्न हो सकता है।
कर्क	आज भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और व्यापार में सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा।
मकर	आज व्यापार में आपको किसी नई डील से अचानक धन लाभ प्राप्त हो सकता है।
सिंह	आज दिन मिलाजुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको कामकाज को लेकर सावधान रहना होगा।
कुंभ	आज आपको कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है, जिससे मन बेहद खुश रहेगा।
कन्या	आज आपका दिन बेहद शुभ रहने वाला है और उत्तम संपत्ति प्राप्त होने के योग भी बन रहे हैं।
मीन	करियर की शुरुआत की है तो कार्यस्थल पर आपको अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

विशेष

जीएसटी में राज्यों को आर्थिक नुकसान होगा मोदी जी श्रेय लेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से ऐलान किया है। वह जीएसटी की दरों को कम करेंगे। इसमें केंद्र को कम और राज्यों को राजस्व का ज्यादा नुकसान होगा। मोदी जी को श्रेय लेने की आदत है। जीएसटी काउंसिल में भाजपा का बहुमत है। भाजपा के मुख्यमंत्री तो विरोध कर नहीं सकते हैं। इसकी गाज विपक्षी दलों की सरकारों पर गिरेगी। राज्यों को आर्थिक नुकसान होगा। लेकिन श्रेय मोदी जी के नाम रहेगा। ऑटोमोबाइल और आवश्यक चीजों के दाम कम होंगे। फायदा भाजपा का होगा। विपक्षी दलों की सरकारों के राज्यों की आर्थिक हालत खराब होगी। फायदा भाजपा को होगा।

संसद सत्र को लेकर अटकलें

संसद के मानसून सत्र को लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा को छोड़ दें, तो इस बार संसद के दोनों सदनों में कोई काम नहीं हुआ। 21 अगस्त तक संसद की कार्रवाई चलनी है। जिस तरह से बिहार की एसआईआर और वोट चोरी के मुद्दे पर विपक्ष ने सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। ऐसी स्थिति में नहीं लगता है, संसद 21 अगस्त तक चलेगी। इस बार विपक्ष एकजुट है। लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति विपक्ष की एकता के आगे कुछ कर नहीं पा रहे हैं। रही सही कसर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफा ने पूरी कर दी है। सरकार को समझ में नहीं आ रहा है। वह करे तो क्या करे। विपक्ष भी इस बार सरकार से आर पार की लड़ाई लड़ने पर आमादा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1320: नसीरुद्दन खुसरो को गाजी मलिक ने हराया था. 1642: इंग्लैंड में गृहयुद्ध भड़का था जब शासक चार्ल्स प्रथम ने संसद और सैनिकों को देशद्रोही करार दिया. 1788: ब्रिटेन ने सियरालियोन में दासों के लिए बस्ती बसाई थी. 1910: जापान ने कोरिया पर विधिवत अधिकार कर लिया. 1911: लियोनार्दो दी विंची की कलाकृति मोनालिसा पेरिस के संग्रहालय से चोरी चली गई. 1921: महात्मा गांधी ने विदेशी सामानों की होली जलाई. 1971: सैन डोमिंगो के फ्रांसीसी कब्जे वाले क्षेत्र में अश्वेतों ने विद्रोह कर दिया. 1972: रोडेशिया को रंगभेदी नीति के कारण ओलंपिक खेलों से हटना पड़ा. 1979: राष्ट्रपति संजीव रेड्डी ने लोकसभा भंग कर नए चुनाव कराने का आदेश जारी किया. 1991: यूगोस्लाव अधिकारियों ने क्रोएशिया में युद्ध विराम के उल्लंघन और लड़ाई में 70 लोगों के मारे जाने की बात स्वीकार की.

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	सिंह	05.16 बजे से
चंद्र	कर्क में	कन्या	07.32 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	09.43 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	11.58 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	14.14 बजे से
शुक्र	कर्क में	मकर	16.19 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.05 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	19.38 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.09 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		वृष	22.49 बजे से
		मिथुन	00.47 बजे से
		कर्क	03.00 बजे से

2025 वर्ष का 234 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 11.57 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 00.17 बजे को रात्र समाप्त।
योग वरीयान 14.35 बजे को समाप्त।
करण शकुनि 11.57 बजे तदनन्तर चतुष्पद 23.43 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 11° 46'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872444
जूलियन दिन 2460909.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446 **महीना** सफर
तारीख 27 **विशेष** पिठोरी अमावस्या, दर्श अमावस्या।

दिन का चौघड़िया			
चर	05.55	से 07.23	बजे तक
लाभ	07.23	से 08.51	बजे तक
अमृत	08.51	से 10.19	बजे तक
काल	10.19	से 11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से 01.15	बजे तक
रोग	01.15	से 02.43	बजे तक
उद्वेग	02.43	से 04.10	बजे तक
चर	04.10	से 05.38	बजे तक

रात का चौघड़िया			
रोग	05.38	से 07.1	बजे तक
काल	07.11	से 08.43	बजे तक
लाभ	08.43	से 10.15	बजे तक
उद्वेग	10.15	से 11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से 01.19	बजे तक
अमृत	01.19	से 02.51	बजे तक
चर	02.51	से 04.23	बजे तक
रोग	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

गाजियाबाद से महिला को अगवा कर ट्रक में बनाया बंधक

पलामू, एजेंसी। गाजियाबाद में साफ-सफाई का काम करने वाली एक महिला के साथ दो लोगों ने दुष्कर्म किया। आरोपियों ने महिला को नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर ट्रक में बंधक बना लिया। पलामू पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना 7 अगस्त की है। आरोपी सतपाल सिंह गाजियाबाद में कारपेंटर का काम करता था। उसने अपने साथी ओमवीर के साथ मिलकर महिला को नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाई। इसके बाद दोनों ने बेहोश महिला को ट्रक में बंधक बना लिया। आरोपी दो हफ्ते तक महिला को ट्रक में घुमाते रहे और उसके साथ कई बार रेप किया। गाजियाबाद से महिला को लेकर दोनों दोस्त पलामू पहुंच गए थे। बुधवार की सुबह 5 बजे पड़वा थाना की पुलिस ने ट्रक को खड़ा देखकर जांच किया। इस दौरान पुलिस को ट्रक में एक महिला मिली। ट्रक में दो पुरुष भी थे। पूछताछ में पता चला कि एक आरोपी सतपाल सिंह (28) रामपुर का रहने वाला है। दूसरा आरोपी ओमवीर (35) मुरादाबाद का रहने वाला है। पूछताछ में महिला ने बताया कि नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर ट्रक में बंधक बनाने के बाद दोनों ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

रांची के दुबलिया में बस टर्मिनल के साथ बनेगा झारखंड का सबसे बड़ा मॉल

रांची, एजेंसी। रांची के दुबलिया में रिंग रोड के पास इंटर स्टेट बस टर्मिनल (आईएसबीटी) के साथ मॉल बनेगा। यह झारखंड का सबसे बड़ा बस टर्मिनल और मॉल होगा, जो 7.36 लाख वर्गफीट में फैला होगा। छह तल्ले के बस टर्मिनल व मॉल में अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी जो लोगों को शहर से बाहर मेट्रो सिटी का आभास कराएगी। बस टर्मिनल और मॉल के डिजाइन का प्रेजेंटेशन गुरुवार को नगर विकास सचिव सुनील कुमार के समक्ष दिया गया। सचिव ने डिजाइन को बेहतर बताते हुए उसमें कुछ संशोधन करने का निर्देश दिया। संशोधित डिजाइन एक सप्ताह में तैयार करने के लिए कहा गया है, ताकि उस पर विभागीय मंत्री की स्वीकृति लेने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की जा सके। सचिव ने कहा कि रांची में ऐसा मॉल बनाने की परिकल्पना थी जो जाम और भीड़ से दूर शांत प्राकृतिक वातावरण में खरीदारी करते हुए समय बिता सकें। उन्होंने मॉल के चारों ओर हरियाली का ध्यान रखने का निर्देश दिया, ताकि पर्यावरण संरक्षण हो सके। उन्होंने बताया कि मॉल बनने से पतरातू, रामगढ़, कुडू, खूंटी, गुमला और लोहरदगा के लोगों को ब्रांडेड सामग्री उपलब्ध होगी। सचिव ने जुडको को बस टर्मिनल और मॉल का डिजाइन तैयार कराकर उस पर काम शुरू करने का निर्देश दिया है। लैंड स्केपिंग होगी। यात्रियों के लिए आरामदायक शेड, शुद्ध हवा, चारों ओर हरियाली, बांस की कलाकृतियां, झारखंड की संस्कृति पर आधारित संरचना, एलईडी स्क्रीन, वर्कशॉप, डोरमेट्री, हॉस्पिटल, सिक्युरिटी रूम, पेट्रोल-डीजल, सीएनजी व ईवी चार्जिंग प्वाइंट सहित कार-बाइक की पार्किंग की व्यवस्था होगी।

विधायक ने पैसा मांगने पर दी खौफनाक सजा, रक्षाबंधन पर भाई को बहन के लिए खरीदना था गिफ्ट

पलामू, एजेंसी। रक्षाबंधन पर एक भाई ने अपनी बहन को गिफ्ट देने के लिए पैसा मांगा था। पैसा मांगने की कीमत भाई को जान देकर चुकानी पड़ी। भाई की हत्या कर दी गई और बाद में शव को जला दिया गया। पुलिस ने शव के अवशेष को बरामद किया है और हत्या के आरोप में बाप-बेटे को गिरफ्तार किया है। पलामू के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के घुटुआ गांव से करीब सात किलोमीटर दूर जंगल से पुलिस ने मनु भुईयां उर्फ मनोज भुईयां नामक युवक के शव का अवशेष बरामद किया है। पुलिस ने मनोज भुईयां हत्याकांड का खुलासा करते हुए कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। हत्या के आरोप में पुलिस ने मनोज के गांव के ही राजेश्वर सिंह उर्फ विधायक और उसके बेटे जनेश्वर सिंह को गिरफ्तार किया है। दरअसल, मनोज भुईयां के माता और पिता ने 10 वर्ष पहले अलग-अलग शादी कर ली थी। शादी के बाद मनोज राजेश्वर सिंह उर्फ विधायक के घर रहता था और वहीं उसका लालन पालन हुआ था। बड़े होने के बाद मनोज मजदूरी के लिए चेन्नई गया था और अपनी कमाई का सारा पैसा राजेश्वर सिंह उर्फ विधायक को देता था। रक्षाबंधन के दौरान मनोज अपने गांव लौटा। मनोज की एक बहन भी गांव से कुछ दूरी पर रहती है। रक्षाबंधन पर मनोज अपनी बहन को पैसे और गिफ्ट देना चाहता था। मनोज ने अपनी कमाई के पैसे राजेश्वर सिंह उर्फ विधायक से मांगी, जिसके बाद मनोज की गला दबाकर हत्या कर दी गई और उसके शव को जंगल में जला दिया गया। लेस्लीगंज के थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने बताया कि मनोज की हत्या राजेश्वर सिंह उर्फ विधायक और उसके बेटे ने मिलकर की है। हत्या के बाद दोनों ने 16 अगस्त को शव जला दिया था। पुलिस को पूरे मामले में गोपनीय जानकारी मिली थी। जिसके बाद कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार किया गया है और शव के अवशेष को बरामद किया है।

रामगढ़ में सीसीएल कर्मी का शव गाड़ी सहित बरामद, पांच दिनों से थे लापता

रामगढ़, एजेंसी। जिले के कुज्जू ओपी क्षेत्र से छह दिनों से लापता सीसीएल कर्मी मंसू साव का शव बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने सड़क के किनारे तालाब से गाड़ी सहित शव को हाइड्रा की मदद से बाहर निकाला। इस बात की जानकारी मिलते ही सैकड़ों लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई।

जानकारी के अनुसार मंसू साव शनिवार 16 अगस्त को सीसीएल कुज्जु में बिजली संबंधित कार्य करने वाले सेकेंड शिफ्ट ड्यूटी कर के अपने घर बड़गांव (चैनपुर) के लिए निकले थे और बीच रास्ते से ही लापता हो गए थे। मामले में 17 अगस्त को मंसू के पुत्र ने अपने पिता के लापता होने कि सूचना कुज्जू ओपी में दी थी। जिसके बाद पुलिस और परिवार के सदस्य पिछले पांच दिनों से लगातार उनकी खोजबीन कर रहे थे, लेकिन कुछ पता नहीं चल रहा था।

पुलिस लगातार मोबाइल लोकेशन और पूरे क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरे को खंगालती रही। पूछताछ के दौरान यह मालूम चला कि जन्माष्टमी के दिन पूजा का समान लाने के लिए परिजन लगातार मंसू को फोन कर रहे थे। लेकिन अचानक बात करने के दौरान 16 अगस्त की रात लगभग 11:20 पर मोबाइल बंद हो गया और तब से ही मंसू साव का कुछ अता-पता नहीं चल रहा था।

गुरुवार को सरना पेट्रोल पंप के समीप तालाब के पास जांच के दौरान जब पेड़ और झाड़ियां टूटी मिली तो पुलिस को शक हुआ। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से जब तालाब को खंगाला तो एक गाड़ी पानी के अंदर डूबी पाई गई। पुलिस ने हाइड्रा मंगवाकर तालाब में गिरी गाड़ी को निकाला, तब गाड़ी के अंदर सीसीएल कर्मी मंसू साव का शव पाया गया।

पुलिस ने मंसू साव का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल रामगढ़ भेज दिया है।

इस संबंध में कुज्जू थाना प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि 17 तारीख को मंसू साव के पुत्र ने पिता की गुमशुदगी का सनहा दर्ज कराया था। जिसके बाद तकनीकी स्तर पर पूरे मामले की जांच की गई और फिर कुज्जू कोलयरी से लेकर पूरे रास्ते के सीसीटीवी कैमरे को 16 तारीख की रात के 10:00 बजे से लेकर 18 तारीख तक की फुटेज को खंगाल गया। कई स्पॉट पर मंसू साव की गाड़ी चलती हुई दिखी, लेकिन आराकाटा के बाद कही भी वे दिखाई नहीं दिए। जबकि कुज्जू से फैक्ट्री तक लगे सीसीटीवी कैमरे में वह गाड़ी पर दिख रहे थे, लेकिन वह गाड़ी आराकाटा तक नहीं पहुंची।

पुलिस ने सभी बिंदुओं पर जांच शुरू की एक-एक कर कार्यालय से लेकर उनके रिश्तेदारों से पूछताछ की। जंगलों और आसपास के पूरे इलाकों की गहनता पूर्वक जांच कराई। साथ ही साथ गांव वाले और पुलिस वालों ने मिलकर 10 बाइक दस्ता बनाया और बाइक दस्ता लगातार चारों ओर घूम-घूम कर पूरे इलाके उन्हें ढूंढने में जुटे रहे।

इसी दौरान सड़क के किनारे सरना स्थल के पास एक तालाब दिखा। वहां पेड़ और झाड़ी टूटी दिखाई दी। शक होने पर तालाब में गोताखोरों को उतारा गया। 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद तालाब से गाड़ी सहित मंसू साव के शव को निकाला गया।

अधिक पानी से फसल को हो सकता है नुकसान, कृषि पशुपालन और सहकारिता विभाग ने कार्यशाला का किया आयोजन

गिरिडीह, एजेंसी। अनुमंडल कृषि प्रक्षेत्र पचंबा सभागार में बुधवार को जिला स्तरीय खरीफ कार्यशाला हुई। इसमें कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग के पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, तकनीकी प्रबंधक और जिले के 50 से अधिक प्रगतिशील किसान शामिल हुए। अध्यक्षता जिला कृषि पदाधिकारी आशुतोष कुमार तिवारी ने की। मंच संचालन सदर प्रखंड तकनीकी पदाधिकारी रमेश कुमार ने किया। डीएओ आशुतोष कुमार ने कहा कि खरीफ फसल 2025 के लिए वितरित बीजों की खेत में स्थिति को देखना जरूरी है। खेतों में पानी जमा हो तो तुरंत निकासी करें। अधिक पानी से फसल को नुकसान हो सकता है। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य कार्ड, सूक्ष्म सिंचाई और किसान क्रेडिट कार्ड योजना का प्रचार-प्रसार तेज करने को कहा। किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जागरूक करने की बात कही। सरकार ने वर्ष 2025 में 17,905 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड देने का लक्ष्य तय किया है। कार्यशाला में जिला मत्स्य पदाधिकारी, उद्यान पदाधिकारी, पौधा संरक्षण, भूमि संरक्षण और सहायक मिट्टी रसायन पदाधिकारी ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। पशुपालन विभाग ने बताया कि जिले में 2, 5 और 10 गाय की योजना अनुदान पर दी जा रही है। लाभ के लिए प्रखंड कार्यालय से संपर्क करें। जोड़ा बैल योजना बीपीएल परिवारों के लिए है। बकरी पालन के लिए चार बकरी और एक बकरा, सुअर पालन के लिए चार सुकरी और एक सुकर, कुक्कुटपालन, बत्तख पालन और अंडा उत्पादन के लिए लेयर फार्मिंग योजना के तहत 400 मुर्गी वितरण की जा रही है। सरकार ने शुरू की प्राकृतिक खेती योजना : वरुण जिला उद्यान पदाधिकारी वरुण कुमार ने कहा कि उद्यान विकास योजना और राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत किसान उद्यान मित्र से संपर्क कर आवेदन दें। इस साल सरकार ने प्राकृतिक खेती योजना शुरू की है।

कोडरमा स्टेशन पर यात्री हादसे का शिकार: धनबाद इंटरसिटी में चढ़ते समय गिरा, दाहिने पैर में आई चोट, हजारीबाग रेफर

कोडरमा, एजेंसी। गया-धनबाद रेलखंड के कोडरमा रेलवे स्टेशन पर एक यात्री ट्रेन में चढ़ते समय गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान जयनगर थाना क्षेत्र के खेशकरी गांव निवासी फ़ैयाज़ खान (35) के रूप में हुई है। घटना गुरुवार की देर शाम की है। फ़ैयाज झुमरीतिलैया से बाजार करके लौट रहा था।

वह गया-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस (13306) से कोडरमा स्टेशन से अपने गांव जा रहा था। ट्रेन में चढ़ते समय उसका संतुलन बिगड़ गया। हादसे में उसका दाहिना पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और पेट में भी चोट लगी।

आरपीएफ ने परिजनों को भी सूचित किया : कठाडीह के पंचायत सचिव बाबू खान ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ जवान मौके पर पहुंचे। घायल को 108 एम्बुलेंस से सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया। आरपीएफ ने परिजनों को भी सूचित किया। सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद फ़ैयाज की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे हजारीबाग रेफर कर दिया गया।

हॉस्टल के बाहर स्टूडेंट्स ने किया प्रदर्शन, बीआईटी मेसरा में छात्रा से छेड़छाड़ के खिलाफ प्रदर्शन

रांची, एजेंसी। बीआईटी मेसरा में हॉस्टल के बाहर एमबीए छात्रा से छेड़छाड़ और ब्लेड से हमला करने के विरोध में गुरुवार को स्टूडेंट्स ने प्रदर्शन किया। कक्षा का बहिष्कार कर स्टूडेंट्स प्रशासनिक भवन के पास इकट्ठा हुए और प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि परिसर में कोई भी व्यक्ति कभी भी घुस जाता है। छेड़छाड़ कर फरार हो जाता है। उसे रोकने वाला कोई नहीं है। इससे छात्राएं खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं।

प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स आरोपी को तत्काल गिरफ्तार करने और परिसर में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि जब तक बाहरी लोगों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध नहीं लगता, तब तक छात्राएं सुरक्षित नहीं हैं। गौरतलब है कि बुधवार देर शाम रिसर्च स्कॉलर

(आरएस) हॉस्टल के बाहर एमबीए छात्रा से कुछ युवकों ने छेड़छाड़ किया था। विरोध करने पर ब्लेड मारकर घायल कर दिया था। इसके खिलाफ स्टूडेंट्स रात से ही प्रदर्शन कर रहे थे। प्रबंधन के हस्तक्षेप के बाद गुरुवार शाम 4:30 बजे प्रदर्शन खत्म हुआ।

सेफ्टी बैरियर : हॉस्टल के सामने से गुजरने वाली सड़क के दोनों ओर सेफ्टी बैरियर लगा दिए गए हैं। ताकि इस सड़क पर सिर्फ अधिकृत लोग ही प्रवेश कर सके।

बस सेवा : हॉस्टल से संस्थान तक जाने के लिए सुबह 7:40, 8.40, 1.30, 2.15 और शाम 4.15 बजे तक बस सेवा उपलब्ध रहेगी। वहीं हॉस्टल लौटने के लिए दोपहर 1.05 बजे, दोपहर 2 बजे, शाम 5.30 बजे, शाम 6.30 बजे और रात 8.30 बजे बस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी।

वीकेंड बस सेवा: हॉस्टल से संस्थान तक सुबह 9 बजे, दोपहर 2 बजे, शाम 5 बजे और संस्थान से हॉस्टल के लिए दोपहर 1 बजे, शाम 4 बजे और रात 8.30 बजे बस सेवा उपलब्ध रहेगी। स्ट्रीट लाइटिंग: हॉस्टल और आसपास के क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइटिंग को व्यवस्था की जाएगी। देर रात परिवहन: जिन छात्रों को रात 8:30 बजे के बाद काम करना है, वे केवल उचित कारण होने पर ही कार ड्रॉप सेवा का अनुरोध कर सकते हैं। रात 10 बजे से 11 बजे के बीच हर रात अधिकतम दो ऐसी यात्रा सुविधाएं दी जाएंगी।

हाई पावर लाइटिंग: हॉस्टल के आसपास दो-तीन संवेदनशील स्थानों पर फ्लड लाइट लगाई जाएंगी। सीसी स्टोर्स और नाइट कैंटीन: हॉस्टल में दैनिक आवश्यकता की वस्तुओं के लिए एक कैंटीन और नाइट कैंटीन चालू की जाएगी। बीआईटी परिसर में मुख्य द्वार और अन्य स्थानों से प्रवेश और निकास पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

रामदास के बड़े बेटे सोमेश बन सकते हैं मंत्री, घाटशिला से लड़ सकते हैं उपचुनाव

रांची, एजेंसी। दिवंगत शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के बड़े पुत्र सोमेश सोरेन को मंत्री पद मिल सकता है। जानकारों का कहना है कि दो मंत्रियों के निधन के बाद झामुमो ने जो फॉर्मूला अपनाया था, उसे फिर से लागू किया जा सकता है। अक्टूबर 2022 में मंत्री हाजी हुसैन अंसारी के निधन के बाद उनके बेटे हफीजुल हसन को मंत्री बनाया था। फिर अप्रैल 2023 में मंत्री जगन्नाथ महतो के निधन के बाद उनकी प7ी बेबी देवी को मंत्री बनाया गया। दोनों मंत्री बनने के बाद चुनाव लड़े और जीत गए। रामदास के निधन से खाली हुई सीट पर यही फॉर्मूला लागू हो सकता है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन प7ी विधायक कल्पना सोरेन के साथ बुधवार को रामदास सोरेन के घोड़ाबांधा स्थित आवास पर पहुंचे। रामदास सोरेन को श्रद्धांजलि दी। उनकी प7ी, बेटे और अन्य परिजनों को सांत्वना दी। करीब एक घंटे तक उन्होंने परिजनों से बात की। मुलाकात के दौरान किसी को भी वहां प्रवेश की अनुमति नहीं थी। बातचीत के दौरान सोमेश सोरेन को मंत्री बनाने और घाटशिला उपचुनाव में उन्हें झामुमो टिकट पर चुनाव लड़ाने को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री हेमंत व कल्पना दोपहर 2:15 बजे घोड़ाबांधा पहुंचे। उन्हें देखते ही रामदास की प7ी सूरजमनी सोरेन रो पड़ीं। कल्पना ने उन्हें ढांढ़स बंधाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के एक पखवाड़े के अंदर ही रामदास दा का यूं चले जाना मेरे लिए असहनीय है। यह मेरे व्यक्तिगत जीवन और पूरे झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। रामदास दा ने शिबू सोरेन के नेतृत्व में लंबे समय तक झारखंड आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई थी। उनका जीवन बेहद सरल, सहज और जनसरोकारों से जुड़ा हुआ था। रामदास दा के निधन से जो शून्यता आई है, उसकी भरपाई नहीं हो सकती है।

अनियंत्रित कार तालाब में घुसी, युवती की मौत, तेज रफ्तार की वजह से हुआ हादसा; चालक भाग निकला

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह में तेज रफ्तार एक कार अनियंत्रित होकर पानी से भरे तालाब में जा घुसी। हादसे में कार सवार एक युवती की मौत हो गई। घटना बेंगाबाद थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम कर्णपुरा एसआर पेट्रोल पंप के पास हुई। शुक्रवार की सुबह हादसे का सीसीटीवी सामने आया है। मृतका की पहचान कोमल सिन्हा (22) के रूप में की गई। वहीं, कार चालक मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार बेंगाबाद से गिरिडीह की ओर जा रही थी। सामने से आ रहे वाहन की तेज रोशनी से चालक चौंक गया। कार सीधे तालाब में जा गिरी।

थाना प्रभारी ने युवती को कार से बाहर निकाला : सूचना मिलते ही थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे।

वे वर्दी में ही तालाब में उतर गए। युवती को कार से बाहर निकाला। उसे तुरंत गिरिडीह सदर अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया, कोमल सिन्हा गिरिडीह शहर के बोडो टीवी सेंटर निवासी संजय सिन्हा की पुत्री थी। एक कंट्रक्शन कंपनी में काम करने वाले लंबू नामक युवक के साथ बेंगाबाद के धावाटांड़ गई थी। इसी दौरान हादसे का शिकार हो गई।

जेसीबी की मदद से कार को तालाब से बाहर निकाल लिया गया है। चालक की तलाश जारी है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

रांची में बढ़ रहा गार्डनिंग का ट्रेंड.

मौसमी फूल, कलमी फल और ऑक्सीजन बढ़ाने वाले पौधों से लोग सजा रहे बगीचे और बालकनी

रांची, एजेंसी। रांची में गार्डनिंग का ट्रेंड बढ़ता जा रहा है। पौधों के शौकीन अपने आसपास की जगह को हराभरा रखने के लिए अपने आंगन को मौसमी फूल, कलमी फल और ऑक्सीजन बढ़ाने वाले पौधे लगा रहे हैं। अपार्टमेंट में रहनेवाले लोग बालकनी में कुछ गमले लगाकर इसका शौक पूरा कर रहे हैं। कंटेनर, वर्टिकल और बालकनी गार्डनिंग से घर का कोना हरियाली से भर दे रहे हैं।

यही कारण है कि राजधानी में मौसमी फूलों, शो प्लांट और ऑक्सीजन बढ़ाने वाले पौधों की मांग बढ़ती जा रही है। जिन्हें कलम द्वारा उगाए गए पौधों में दिलचस्पी है, वे कलमी फल के पौधे लगा रहे हैं। पौधों के ऐसे ही एक शौकीन हैं, सुदीप पाल। सुदीप पिछले 30 वर्षों से राजधानी में पौधों की देखभाल कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी नर्सरी में मौसमी फूलों के नन्हे पौधे तैयार हैं।

सितंबर में इन पौधों में फूल भर जाएंगे, तो इसकी सुंदरता देखते ही बनेगी। इनका कहना है कि हरियाली से भरा घर का एक कोना भी आपको तनावमुक्त कर सकता है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। सुदीप ने बताया कि बड़े पौधों की जगह लोग आजकल छोटे पौधे

लगाना पसंद कर रहे हैं। सिमटती जगह में गार्डनिंग का शौक रखनेवाले लोग कलमी पौधे अधिक पसंद कर रहे हैं।

150-200 रुपए में कलमी फलदार पौधे

आम, कटहल, लीची, पपीता, चीकू, संतरा, अनार, अमरूद, शरीफा, नासपाती और बैर के कलमी फलदार पौधे 150 से 250 रुपये में बिक रहे हैं। आम और पपीते के पौधे की मांग सबसे अधिक है।

यहां मिलेंगे आपके मनपसंद पौधे

कचहरी, हरमू, बरियातू, बूटी मोड़, डोरंडा, पुंदाग स्थित नर्सरी में गुलाब, गेंदा, सूरजमुखी, चमेली, चांदनी, बेला, डहेलिया, पिटुनिया और बालसम उपलब्ध हैं। इनके अलावा, लिली, गुलदाउदी, और वर्बेना जैसे पौधे भी मिल रहे हैं। 20-25 रुपए के हिसाब से ये पौधे उपलब्ध हैं।

ऑक्सीजन प्लांट भी लोगों की पहली पसंद बनी हुई है। इस तरह के पौधे घर में लगाने से वातावरण अच्छा रहता है। बैंबू प्लांट, एलोवेरा, पोथोस प्लांट, स्पाइडर प्लांट, एरिका पाम और स्नेक प्लांट ऑक्सीजन के बेहतर प्राकृतिक विकल्प हैं। पहले एक कहावत मशहूर थी कि तुलसी व नीम, दूर रखें हकीम। लोग अपने घरों में नीम का पेड़ जरूर लगाते थे। अब लोग घरों में इसके लिए बोनसाई का इस्तेमाल कर रहे हैं। कोलकाता, बेंगलूरु, मुंबई, दिल्ली से ये पौधे रांची पहुंच रहे हैं।बड़े-बड़े फलदार पौधों को लगाने की जगह लोग आजकल कलमी फलदार पौधे अधिक पसंद कर रहे हैं। कलम किए गए पौधों में मूल पौधे की तुलना में जल्दी फल लगते हैं क्योंकि उनकी जड़ें और शाखाएं परिपक्व होती हैं। इन्हें कम जगह में या गमले में भी लगाया जा सकता है। ऐसे पौधे सालभर में तैयार हो कर फल देने लगते हैं।गिफ्ट के रूप में पौधे भेंट करने का बढ़ा चलन : शहरों में लोग आजकल किसी एनिवर्सरी या समारोह में गिफ्ट के रूप में नीम, तुलसी या ऑक्सीजन प्लांट गिफ्ट कर रहे हैं। घर की सकारात्मकता बढ़ाकर हर कोना खूबसूरत बनाने वाले लकी प्लांट भी डिमांड में हैं। लोगा इन्हें अपने घर के आंगन से लेकर छत, बालकनी या फिर खुले हॉल में शौक से लगा रहे हैं।

सूर्य और वास्तु के बीच अनोखा संबंध

दिशाओं से जुड़े वास्तु के नियम सूर्य के भ्रमण और उसकी गति को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं, ताकि सूर्य की ऊर्जा आपके घर में अधिक मात्रा में प्रवेश कर सके, ताकि आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़े और सुख शांति में वृद्धि हो। आप जानिए कि घर में वास्तु के अनुसार किस कक्ष का स्थान कहां होना चाहिए।

वास्तु और सूर्य के बीच में अनोखा संबंध बताया गया है। दिशाओं से जुड़े वास्तु के नियम सूर्य के भ्रमण और उसकी गति को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं, ताकि सूर्य की ऊर्जा आपके घर में अधिक मात्रा में प्रवेश कर सके, ताकि आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़े और सुख शांति में वृद्धि हो। इसलिए यदि आप अपने घर का वास्तु सूर्य के भ्रमण की दिशाओं के आधार पर तैयार करेंगे तो आपको सर्वाधिक लाीा होगा। आइए जानते हैं वास्तु के ये नियम। सूर्योदय से पहले रात्रि 3 से सुबह 6 बजे का समय ब्रह्म मुहूर्त होता है। इस समय सूर्य घर के उत्तर-पूर्वी भाग में होता है। यह समय चिंतन-मनन और पूजापाठ के लिए सर्वोत्तम माना गया है। इसलिए आपको अपना पूजाघर ईशान कोण में बनाना चाहिए।

सुबह 6 से 9 बजे तक सूर्य घर के पूर्वी हिस्से में रहता है इसलिए घर ऐसा बनाएं कि सूर्य की पर्याप्त रोशनी घर में आ सके। माना जाता है कि सुबह का सूर्य का प्रकाश जिन घरों में प्रवेश करता है, वहां लोग बीमारियों से दूर रहते हैं। यही वजह है कि सुबह के वक्त घर के सभी खिड़की और दरवाजे खोलने के बारे में वास्तु में कहा गया है।

प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक सूर्य घर के दक्षिण-पूर्व में होता है। यह समय नहाने और भोजन पकाने के लिए उत्तम है। इस वजह से रसोई घर व स्नानघर गीले होते हैं। इनका स्थान दक्षिण-पूर्व में होना चाहिए ताकि यहां सूर्य की रोशनी मिले, तभी वे सूखे और स्वास्थ्यकर हो सकते हैं।

दोपहर 12 से 3 बजे तक विश्रांति काल यानी कि आराम का समय होता है। सूर्य अब दक्षिण में होता है, अतः शयन कक्ष इसी दिशा में बनाना चाहिए और शयन कक्ष में पर्दे गहरे रंग के होने चाहिए। कहते हैं इस वक्त सूर्य से खतरनाक पराबैंगनी किरणें निकलती हैं, तो डार्क रंग के पर्दे होने से यह आपके स्वास्थ्य को नुकसान नहीं पहुंचा सकेंगी।

दोपहर 3 से सायं 6 बजे तक अध्ययन और कार्य का समय होता है और सूर्य दक्षिण-पश्चिम भाग में होता है। अतः यह स्थान अध्ययन कक्ष या पुस्तकालय के लिए उत्तम है।

शाम 6 से रात 9 तक का समय खाने, बैठने और पढने् का होता है इसलिए घर का पश्चिमी कोना भोजन या बैठक कक्ष के लिए उत्तम होता है। इस वक्त सूर्य भी पश्चिम में होता है।

सायं 9 से मध्य रात्रि के समय सूर्य घर के उत्तर-पश्चिम में होता है। यह स्थान शयन कक्ष के लिए सबसे उपयोगी है।

मध्य रात्रि से तड़के 3 बजे तक सूर्य घर के उत्तरी भाग में होता है। यह समय अत्यंत गोपनीय होता है यह दिशा व समय कीमती वस्तुओं या जेवरात आदि को रखने के लिए उत्तम है।

धार्मिक उत्सवों में सबसे पहले क्यों की जाती है गणेशजी की पूजा

भगवान गणेश, मनुष्यों के कष्ट हर लेते हैं और उनकी पूजा करने से घर में सुख समृद्धि आती है। परंपरा के अनुसार, हर धार्मिक उत्सव और समारोह की शुरुआत भगवान गणेश की पूजा से ही शुरू होती है। गणेश भगवान का रूप, मनुष्य और जानवर के अंग से मिलकर बना हुआ है। जो कि गहरे आध्यात्मिक महत्व को दर्शाता है।

गणपति उत्सव की तैयारियां देश भर में चल रही हैं और इस बीच हम आपको बताने जा रहे हैं कि सभी धार्मिक उत्सवों में क्यों सबसे पहले गणपति पूजा की जाती है।

भगवान गणेश को समृद्धि, बुद्धि और अच्छे भाग्य का देवता माना जाता है और उनकी कृपा से हम सभी के जीवन में शुभ लाभ और समृद्धि की प्राप्ति होती है। भगवान गणेश, सर्वशक्तिमान देवता माने जाते हैं। भगवान गणेश, मनुष्यों के कष्ट हर लेते हैं और उनकी पूजा करने से घर में सुख समृद्धि आती है। परंपरा के अनुसार, हर धार्मिक उत्सव और समारोह की शुरुआत भगवान गणेश की पूजा से ही शुरू होती है। गणेश भगवान का रूप, मनुष्य और जानवर के अंग से मिलकर बना हुआ है। जो कि गहरे आध्यात्मिक महत्व को दर्शाता है।

भगवान गणेश को सभी अच्छे गुणों और सफलताओं का देवता माना जाता है इसीलिए लोग हर अच्छे काम को करने से पहले गणेशजी की पूजा करना शुभ मानते हैं। भगवान गणेश के जन्मदिन को गणेश चतुर्थी के रूप में मनाया जाता है। हिंदू धर्म के लोग, आध्यात्मिक शक्ति के लिए, कार्य सिद्धि के लिए और लाभ प्राप्ति के लिए भगवान गणेश का पूजन धूमधाम से करते हैं। भगवान गणेश को सभी दुखों का हर्ता, संकट दूर करने वाला, सदबुद्धि देने वाला माना जाता है।

आज हम आपको कुछ महत्वपूर्ण और रोचक तथ्य बता रहे हैं कि किसी भी समारोह, उत्सव या अनुष्ठान में भगवान गणेश की पूजा सबसे पहले क्यों की जाती है। हिंदू धर्म के सभी अनुयायियों का मानना है कि किसी भी नए काम को शुरू करते समय भगवान गणेश का पूजन करने से उसमें कोई बाधा नहीं आती है। ऐसा माना जाता है कि अगर आपकी सफलता के रास्ते में कोई बाधा आती है तो भगवान गणेश की पूजा करने से दूर हो जाती है। इसलिए किसी भी शुभ कार्य को आरंभ करने से पहले गणपति जी की पूजा की जाती है।

गणेशजी की पत्नियां

भगवान गणेशजी की एक पत्नी सिद्धि हैं। सिद्धि, आध्यात्मिक शक्ति को दर्शाती हैं। इसलिए भगवान गणेश की पूजा, आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का सबसे अच्छा तरीका मानी जाती है। पारंपरिक रूप से, भगवान गणेश की सूंड सीधी तरफ घुमी हुई है इसी कारण उन्हें सिद्धि विनायक भी कहा जाता है। गणेश जी की एक पत्नी का नाम बुद्धि है। इसीलिए, भगवान गणेश को बुद्धि और ज्ञान का प्रदाता माना जाता है। हाथी के मस्तिष्क को बुद्धि के प्रतीक के रूप में जाना जाता है।

गणेशजी के बाएं हाथ में कुल्हाड़ी

भगवान गणेश, ऊपरी बांए हाथ में एक कुल्हाड़ी धारण करते हैं जो उनके न्याय के रूप में और मोह माया से मुक्त होना दर्शाती है और उनके ऊपरी दाएं हाथ में कमल है जो उनके अंदर हर भावना को दर्शाता है। अतः स्पष्ट है भगवान गणेश, भावनाओं पर विजय प्राप्त कर चुके हैं और मानव जाति का उद्धार करते हैं।

गणेशजी की सवारी चूहा

भगवान गणेश की पूजा करने से मनुष्य में मन में भरा अंहकार मिट जाता है। भगवान गणेश की सवारी जो उनके पास ही बैठता है, हमेशा दर्शाता है कि कोई भी व्यक्ति अंहकार को छोड़कर सही बन सकता है। चूहा भले ही छोटा है लेकिन तब भी गणेशजी की सवारी बनने में सक्षम है।

गणेशजी का बैठने का तरीका

भगवान गणेश सदैव बांए पैर को दाएं पैर रखकर बैठते हैं, जो उनके ज्ञान को दर्शाता है कि वह हर बात को अलग नजरिए से देखते है। यह दर्शाता है कि एक सफल जीवन जीने के लिए ज्ञान और भावनाओं का सही उपयोग करना चाहिए।

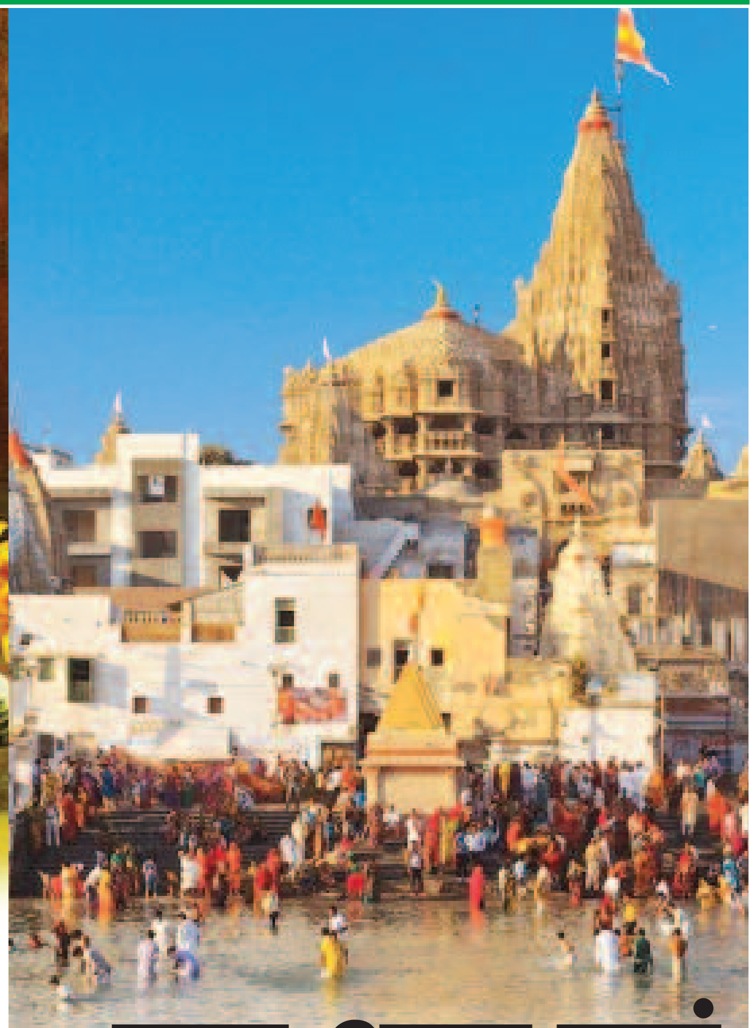

चार धाम एवं सप्तपुरियों में एक द्वारिका

चार धामों में से एक द्वारिका धाम का मंदिर लगभग 2 हजार से भी अधिक वर्ष पुराना है। इससे पहले भगवान श्रीकृष्ण ने जो द्वारिका नगर बनाया था वह किसी कारणवश समुद्र में समा गया था।

द्वारिका पहले था कुशस्थली

गुजरात राज्य के पश्चिमी सिरे पर समुद्र के किनारे स्थित 4 धामों में से 1 धाम और 7 पवित्र पुरियों में से एक पुरी है द्वारिका। द्वारिका 2 हैं- गोमती द्वारिका, बेट द्वारिका। गोमती द्वारिका धाम है, बेट द्वारिका पुरी है। बेट द्वारिका के लिए समुद्र मार्ग से जाना पड़ता है। द्वारिका का प्राचीन नाम कुशस्थली है। पौराणिक कथाओं के अनुसार महाराजा रैवतक के समुद्र में कुश बिछाकर यज्ञ करने के कारण ही इस नगरी का नाम कुशस्थली हुआ था। यहां द्वारिकाधीश का प्रसिद्ध मंदिर होने के साथ ही अनेक मंदिर और सुंदर, मनोरम और रमणीय स्थान हैं। मुस्लिम आक्रमणकारियों ने यहां के बहुत से प्राचीन मंदिर तोड़ दिए। यहां से समुद्र को निहारना अति सुखद है।

सप्तपुरियों में एक द्वारिका

कई द्वारों का शहर होने के कारण द्वारिका इसका नाम पड़ा। इस शहर के चारों ओर बहुत ही लंबी दीवार थी जिसमें कई द्वार थे। वह दीवार आज भी समुद्र के तल में स्थित है। भारत के सबसे प्राचीन नगरों में से एक है द्वारिका। ये 7 नगर हैं- द्वारिका, मथुरा, काशी, हरिद्वार, अवंतिका, कांची और अयोध्या। द्वारिका को द्वारावती, कुशस्थली, आनर्तक, ओखा-मंडल, गोमती द्वारिका, चक्रतीर्थ, अंतरद्वीप, वारिदुर्ग, उदधिमध्यस्थान भी कहा जाता है।

द्वारिका में बदलते हैं वस्त्र

कहते हैं कि प्रभु श्रीकृष्ण प्रतिदिन उत्तराखंड में चमोली में स्थित बद्रीनाथ धाम में सरोवर में स्नान करते हैं। स्नान करने के बाद श्रीकृष्ण गुजरात के समुद्र तट पर स्थित द्वारिका धाम में अपने वस्त्र बदलते हैं। द्वारिका में वस्त्र बदलने के बाद प्रभु श्रीकृष्ण ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ धाम में भोजन करते हैं। जगन्नाथ में भोजन करने के बाद प्रभु श्रीकृष्ण तमिलनाडु के रामेश्वरम धाम में विश्राम करते हैं। विश्राम करने के बाद भगवान पुरी में निवास करते हैं। इस दौरान प्रभु श्रीकृष्ण अपने भक्तों की सेवा भी करते हैं। जो भी भक्त उन्हें पुकारता है वे वहां तुरंत ही उपस्थित हो जाते हैं। प्रभु अपने सभी प्रमुख धाम की आरती भी ग्रहण करते हैं। समय-समय पर प्रभु वृंदावन के निधिवन और मथुवन में रास भी करते हैं। वहां के मंदिरों में भ्रमण भी करते हैं।

कृष्ण क्यों गए थे द्वारिका

कृष्ण ने राजा कंस का वध कर दिया तो कंस के श्वसुर मगधपति जरासंध ने कृष्ण और यदुओं का नामोनिशान मिटा देने की ठान रखी थी। वह मथुरा और यादवों पर बारंबार आक्रमण करता था। उसके कई मलेच्छ और यवनी मित्र राजा थे। अंततः यादवों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कृष्ण ने मथुरा को छोड़ने का निर्णय लिया। विनता के पुत्र गरूड़ की सलाह एवं ककुद्मी के आमंत्रण पर कृष्ण कुशस्थली आ गए। वर्तमान द्वारिका नगर कुशस्थली के रूप में पहले से ही विद्यमान थी, कृष्ण ने इसी उजाड़ हो चुकी नगरी को पुनः बसाया। कृष्ण अपने 18 नए कुल-बंधुओं के साथ द्वारिका आ गए। यहीं 36 वर्ष राज्य करने के बाद उनका देहावसान हुआ। द्वारिका के समुद्र में डूब जाने और यादव कुलों के नष्ट हो जाने के बाद कृष्ण के प्रपौत्र वज्र अथवा वज्रनाभ द्वारिका के यदुवंश के अंतिम शासक थे, जो यदुओं की आपसी लड़ाई में जीवित बच गए थे। द्वारिका के समुद्र में डूबने पर अर्जुन द्वारिका गए और वज्र तथा शेष बची यादव महिलाओं को हस्तिनापुर ले गए। कृष्ण के प्रपौत्र वज्र को हस्तिनापुर में मथुरा का राजा घोषित किया। वज्रनाभ के नाम से ही मथुरा क्षेत्र को ब्रजमंडल कहा जाता है।

भगवान विष्णु के अवतार हयग्रीव की क्या है कहानी?

भगवान विष्णु जी के 24 अवतारों में से ही 16वां अवतार है हयग्रीव। हयग्रीव अवतार की पूजा का प्रचलन दक्षिण भारत में अधिक है। ऐसा माना जाता है कि भगवान हयग्रीव ने सभी वेदों को ब्रह्मा को पुनः प्रदान किया था।

पहली कथा

पहली यह कि एक बार मधु और कैटभ नाम के दो शक्तिशाली राक्षस ब्रह्माजी से वेदों का हरण कर रसातल में पहुंच गए। वेदों का हरण हो जाने से ब्रह्माजी बहुत दुःखी हुए और भगवान विष्णु के पास पहुंचे। तब भगवान ने हयग्रीव अवतार लिया। इस अवतार में भगवान विष्णु की गर्दन और मुख घोड़े के समान थी। तब भगवान हयग्रीव रसातल में पहुंचे और मधु-कैटभ का वध कर वेद पुनः भगवान ब्रह्मा को दे दिए।

दूसरी कथा

दूसरी कथा के अनुसार एक समय की बात है कि एक बार भगवान विष्णु देवी लक्ष्मी के सुंदर रूप को देखकर मुस्कुराने लगे। देवी लक्ष्मी को लगा कि वे हंसी उड़ा रहे हैं तो बिना सोचे समझे उन्होंने शाप दे दिया कि आपका सिर धड़ से अलग हो जाए। इसमें भी प्रभु की माया थी। फिर एक बार विष्णुजी युद्ध करते हुए थक गए तो उन्होंने अपने धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाकर उसे धरती पर टिकाया और बाण की नोक पर अपना सिर रखकर योग निंद्रा में सो गए। फिर हुआ यह कि दूसरी ओर हयग्रीव नाम का एक असुर महामाया का भयंकर तप कर रहा था। भगवती ने उसे तामसी शक्ति के रूप में दर्शन दिया और कहा कि वर मांगो। उसने अमरदा का वरदान मांगा तो माता ने कहा कि संसार में जिसका जन्म हुआ उसे तो मरना ही होगा। यह तो विधि का विधान है। तुम कोई दूसरा वर मांगो। तब उसने कहा कि अच्छा तो मेरी अभिलाषा यह है कि मेरी मृत्यु हयग्रीव के हाथों हो। माता ने कहा कि ऐसा ही होगा। यह कह कर भगवती अंतर्ध्यान हो गईं। हयग्रीव को लगा की अब मेरी मृत्यु तो मेरे ही हाथों होगी, अतः मैं अजर अमर हो गया, परंतु वह कुछ समझ नहीं पाया था।

फिर हयग्रीव ने ब्रह्माजी से वेदों को छीन लिया और देवताओं तथा मुनियों को सताने लगा। यज्ञादि कर्म बंद हो गए और सभी त्राहिमाम त्राहिमाम करने लगे। यह देखकर सभी देवता ब्रह्मादि सहित भगवान विष्णु के पास गए परंतु वे योगनिद्रा में निमग्न थे और उनके धनुष की प्रत्यंचा चढ़ी हुई थी। ब्रह्माजी ने उनको जगाने के लिए वम्री नामक एक कीड़ा उत्पन्न किया, जिसने वह प्रत्यंचा काट दी। इससे भयंकर टंकार हुआ और भगवान विष्णु का मस्तक कटकर अदृश्य हो गया। यह देखकर सभी देवता दुःखी हो गए और उन्होंने इस संकट के काल में माता भगवती महामाया की स्तुति की। भगवती प्रकट हुई अर उन्होंने कहा कि चिंता मत करो। ब्रह्माजी एक घोड़े का मस्तक काटकर भगवान के धड़ से जोड़ दें। इससे भगवान का हयग्रीवावतार होगा। वे उसी रूप में दुष्ट हयग्रीव दैत्य का वध करेंगे। ऐसा कह कर भगवती अंतर्ध्यान हो गई। भगवती के कथनानुसार उसी क्षण ब्रह्मा जी ने एक घोड़े का मस्तक उतारकर भगवान के धड़ से जोड़ दिया। भगवती की माया से उसी क्षण भगवान विष्णु का हयग्रीवावतार हो गया। फिर भगवान विष्णु अपने इसी अवतार में हयग्रीव नामक दैत्य से युद्ध करने पहुंच गए। अंत में भगवान के हाथों हयग्रीव की मृत्यु हुई। हयग्रीव को मारकर भगवान ने वेदों को ब्रह्माजी को पुनः समर्पित कर दिया और देवताओं तथा मुनियों को संकट से मुक्ति मिली।

पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 7 प्रतिशत के करीब, आरबीआई की रिपोर्ट से अनुमान से तेजी से बढ़ी रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 6.8 से 7 फीसदी की रफ्तार से बढ़ सकती है। यह आरबीआई के 6.5 फीसदी के अनुमान से ज्यादा है। पहली तिमाही के जीडीपी के आंकड़े 29 अगस्त को जारी होंगे। एसबीआई ने एक रिपोर्ट में कहा, पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 6.9 फीसदी के आसपास रह सकती है। सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 6.5 फीसदी अनुमानित है। यह पूर्वानुमान सांख्यिकीय रूप से पिछली तिमाहियों के आधार पर है। हालांकि, पूरे वित्त वर्ष के लिए जीडीपी की वृद्धि दर 6.3 फीसदी रहने का अनुमान है और यह आरबीआई के पूरे वित्त वर्ष के 6.5 फीसदी के लक्ष्य से कम है। रिपोर्ट में वास्तविक और नॉमिनल जीडीपी वृद्धि के बीच कम होते अंतर पर भी चर्चा की गई। 2022-23 की पहली तिमाही में यह अंतर 12 फीसदी अंक था, जो 2024-25 की चौथी तिमाही में 3.4 फीसदी अंक रह गया। परिणामस्वरूप पहली तिमाही में नॉमिनल जीडीपी 8 फीसदी तक गिर सकती है।

डीआरडीओ और सरकारी रक्षा कंपनियों से मिले ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयरों में शुक्रवार को तूफानी तेजी आई है। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयर शुक्रवार को 14 पर्सेंट से ज्यादा उछलकर 236.45 रुपये पर पहुंच गए हैं। डिफेंस कंपनी के शेयरों ने 52 हफ्ते का अपना नया हाई भी बनाया है। कंपनी ने अनाउंस किया है कि उसे 25.1 करोड़ रुपये के ऑर्डर के लिए सबसे कम बोली लगाने वाला (लोएस्ट बिडर) घोषित किया गया है। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स को यह ऑर्डर डीआरडीओ और रक्षा क्षेत्र की सरकारी कंपनियों से मिले हैं। 6 महीने में 100 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं डिफेंस कंपनी के शेयर अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयर पिछले 6 महीने में 100 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी इस कंपनी के शेयर 24 फरवरी 2025 को 115.65 रुपये पर थे। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयर 22 अगस्त को 236.45 रुपये पर जा पहुंचे हैं। इस साल अब तक कंपनी के शेयरों में 93 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले एक साल में अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयर 120 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 88.10 रुपये है।

दोगुना से ज्यादा बढ़ा है कंपनी का मुनाफा: अपोलो माइक्रो सिस्टम्स का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में दोगुना से ज्यादा बढ़ गया है। डिफेंस कंपनी को पहली तिमाही में 17.6 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में अपोलो माइक्रो सिस्टम्स को 8.4 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। अप्रैल-जून 2025 तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 46 पर्सेंट बढ़कर 133.5 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 91.2 करोड़ रुपये था। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स अपने शेयर का बंटवारा कर चुकी है। डिफेंस कंपनी ने अपने शेयर को 10 टुकड़ों में बांटा है। कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बांटा है। कंपनी ने मई 2023 में स्टॉक स्प्लिट किया है।

महंगी गाड़ियां भी होंगी सस्ती

40 प्रतिशत जीएसटी के ऊपर उपकर लगाने की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। छोटी कारों और दोपहिया गाड़ियों के साथ-साथ बड़ी सेडान और एसयूवी गाड़ियों की कीमतों में भी भारी कमी आने की संभावना है। इसकी वजह यह है कि इन पर जीएसटी रेट 50 प्रतिशत से घटाकर 40 प्रतिशत किया जा सकता है। यह रेट लग्जरी और सिन वस्तुओं के लिए तय की गई है। लेकिन एक आशंका यह भी है कि जीएसटी काउंसिल महंगी गाड़ियों पर नया सेस लगा सकती है। कुछ राज्यों ने गुरुवार को मंत्रिस्तरीय पैनल की बैठक में 40 प्रतिशत जीएसटी के ऊपर उपकर लगाने की मांग की। अभी चार मीटर से अधिक लंबाई और एक निश्चित स्तर से ऊपर इंजन क्षमता वाली एसयूवी और सेडान पर 28 प्रतिशत जीएसटी और 22 प्रतिशत सेस लगता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अगुवाई वाली जीएसटी काउंसिल की अगले महीने बैठक होगी जिसमें रेट्स के बारे में अंतिम फैसला लिया जाएगा। केंद्र सरकार कुछ सिन और लग्जरी

वस्तुओं पर बिना किसी उपकर के एक समान 40 प्रतिशत जीएसटी लगाना चाहती है।

ईवी वर्सेज पुरानी गाड़ियां

सरकारी सूत्रों ने कहा था कि सेस को हटा दिया जाएगा। इसे जीएसटी लागू होने के कारण राज्यों को होने वाले राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए पांच साल के लिए लगाया जाना था, लेकिन कोविड के कारण हुए नुकसान को कवर करने के लिए इसे तीन साल के लिए बढ़ा दिया गया था। छोटी कारों और दोपहिया वाहनों पर टैक्स का बोझ 29 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत होने की उम्मीद है। एसयूवी खरीदने वालों के लिए यह कमी और भी ज्यादा हो सकती है। डीजल और पेट्रोल से चलने वाली गाड़ियों के लिए टैक्स में कमी से इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ अंतर कम हो जाएगा। इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगता है। कई लोगों का मानना है कि यह कदम इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए ठीक नहीं है। खासकर दोपहिया सेगमेंट कीमत के प्रति संवेदनशील है। यहां जीएसटी में अंतर 13 प्रतिशत अंक रह जाएगा जबकि वर्तमान में यह 23 प्रतिशत है। इलेक्ट्रिक गाड़ियों की कैपिटल कॉस्ट अधिक होती है लेकिन ऑपरेटिंग कॉस्ट कम होती है। प्राइस अक्सर एंट्री-लेवल बैरियर के रूप में कार्य करता है।

ग्राहकों की चिंता

हालांकि उपभोक्ताओं और सरकारी हलकों में एक चिंता यह है कि ऑटो इंडस्ट्री टैक्स में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए कितनी इच्छुक है क्योंकि यहां एंटी-प्रॉफिटियरिंग नियम लागू नहीं होता है। ऑटो इंडस्ट्री पर अक्सर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया जाता है। लेकिन सरकारी सूत्रों ने कहा कि कंपनियों पर टैक्स कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का दबाव होगा। खासकर बिक्री में सुस्ती को देखते हुए मांग को बढ़ावा देने की जरूरत है।

रैपिडो पर सीसीपीए ने लगाया 10 लाख जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले विज्ञापन देने के लिए सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने रैपिडो पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सीसीपीए ने रैपिडो को यह निर्देश भी दिया है कि वह उन उपभोक्ताओं को पैसे लौटाए, जिन्होंने उसके 5 मिनट में ऑटो नहीं मिलने पर 50 रुपये दिए जाने वाले ऑफर का उपयोग किया, लेकिन उन्हें वादे के मुताबिक कंपनसेट नहीं किया गया। रैपिडो को यह विज्ञापन तुरंत बंद करने का निर्देश भी दिया गया।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि चीफ कमिश्नर निधि खरे की अगुआई में सीसीपीए ने रैपिडो के विज्ञापनों की जांच की, जिनमें 5 मिनट में ऑटो नहीं मिलने पर 50 रुपये दिए जाने और गारंटीड ऑटो जैसे वादे थे। सीसीपीए ने पाया कि ये वादे झूठे और उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले थे। सीसीपीएकी जांच में पता चला कि रैपिडो के विज्ञापनों में जो डिसक्लेमर दिए गए थे, वे बहुत ही छोटे फॉन्ट्स में थे, जिन्हें पढ़ा नहीं जा सकता था। इनके मुताबिक, 50 रुपये देने का जो वादा किया गया था, वह असल में रुपये नहीं, बल्कि 50 रुपये तक के 'रैपिडो कॉइन' देने की बात थी। इन रैपिडो कॉइन का उपयोग केवल बाइक राइड्स के लिए किया जा सकता था और ये 7 दिनों में एक्सपायर हो गए। सीसीपीए ने पाया कि गारंटी की बात विज्ञापनों में प्रमुखता से दी गई, लेकिन टर्म्स एंड कंडिशंस में कहा गया कि यह वादा इंडिविजुअल ड्राइवरों की ओर से है, न कि रैपिडो की तरफ से। मंत्रालय की नैशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन पर जून 2024 से जुलाई 2025 के बीच रैपिडो के खिलाफ 1224 शिकायतें आई थीं।

आंकड़ों के अनुसार, वाहनों पर लगाई गई उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेटों की कुल संख्या 20,16,32,06 है

सरकार ने एफवाय2025 तक असेट मोनेटाइजेशन के जरिए 1.42 लाख करोड़ जुटाए

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने वित्त वर्ष 2025 तक राजमार्ग परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के अलग-अलग तरीकों से 1,42,758 करोड़ रुपये जुटाए हैं। गुरुवार को संसद में यह जानकारी दी गई। केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि चालू वित्त वर्ष में परिसंपत्ति मुद्रीकरण से अनुमानित रूप से 30,000 करोड़ रुपये आए है। सरकार राजमार्ग परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण तीन तरीकों से करती है- टोल ऑपरेट एंड ट्रांसफर (टीओटी), इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट) और सिक्योरिटाइजेशन (एसपीवी के माध्यम से परियोजना आधारित वित्तपोषण)। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में गडकरी ने कहा कि सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार

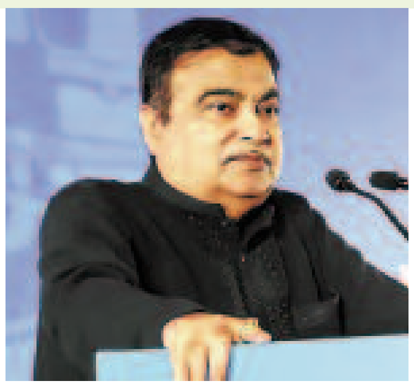

योजना, 2025 (योजना) पायलट कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस दौरान छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मार्च 2024 से होने के बाद से 31 जुलाई, 2025 तक 4,971 सड़क दुर्घटना पीड़ितों का इलाज किया गया है। सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना, 2025 (योजना) को अखिल भारतीय स्तर पर अधिसूचित किया गया है। इस योजना के तहत, मोटर वाहन के उपयोग के कारण हुई सड़क दुर्घटना का शिकार होने वाले किसी भी व्यक्ति को देश भर में किसी भी निर्दिष्ट अस्पताल में दुर्घटना की तारीख से अधिकतम 7 दिनों की सीमा के अधीन, प्रति पीड़ित 1.5 लाख रुपये तक के उपचार का कवर मिलेगा। इसके अलावा, एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि 12 अगस्त 2025 तक वाहन पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वाहनों पर लगाई गई उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेटों की कुल संख्या 20,16,32,06 है। मंत्री ने यह भी कहा कि 12 अगस्त, 2025 तक पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधाओं (आरवीएसएफ) में कुल 2,76,990 वाहनों को स्क्रैप किया जा चुका है। टीओटी मोड के तहत, खुले बाजार से बोलियां आमंत्रित की जाती हैं। सड़क खंड रियायत अवधि (15-30 वर्ष) के लिए सबसे ऊंची बोली लगाने वाले को दिए जाते हैं, जो आरक्षित मूल्य से अधिक होनी चाहिए। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना ट्रस्ट (एनएचआईटी) का गठन किया है। एनएचएआई, एनएचआईटी को उच्चतम मूल्यांकन प्राप्त करने के लिए 15-30 वर्षों की रियायत अवधि देता है। एनएचआईटी के प्रस्तावित मूल्य की तुलना आरक्षित मूल्य से की जाती है। इसके बाद एनएचआईटी बॉन्ड के जरिए धन जुटाता है और सेबी के प्लेटफॉर्म पर यूनिट बेचकर सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त करता है।

103 करोड़ के ऑर्डर से रॉकेट बना रेलवे स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में कमजोरी के बीच मिड-कैप रेलवे स्टॉक टेक्समैको रेल एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर में 4 प्रतिशत से अधिक की बढ़त देखने को मिली। कंपनी को लीप ग्रेन रेल लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड से 103.16 करोड़ रुपये का नया ऑर्डर मिला है। कंपनी ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि यह ऑर्डर ब्रुक्कत वैगनों और ब्रुक्कब्रेक वैन की सप्लाई के लिए है। इस ऑर्डर को पाने के बाद कंपनी के शेयर में तेजी आई। कंपनी ने 75 प्रतिशत डिविडेंड (0.75 रुपये प्रति शेयर) देने की सिफारिश की है। कंपनी की अगली 22 सितंबर, 2025 को होगी।

ड्रीम11 ने कारोबार बंद करने की तैयारी की!

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑनलाइन गेमिंग बिल पास होने के बाद फैंटेसी गेमिंग कंपनी ड्रीम11 अपने रियल मनी गेमिंग कारोबार को बंद करने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, कंपनी ने कर्मचारियों को यह जानकारी दी है। रियल-मनी गेम्स कारोबार से ड्रीम स्पोर्ट्स की सालाना आय का करीब 67 प्रतिशत हिस्सा आता था। हालांकि, कंपनी ने स्पष्ट किया है कि जिन ग्राहकों का पैसा ड्रीम11 के वॉलेट में हैं, वह उसे निकाल सकेंगे। ऑनलाइन गेमिंग विधेयक-2025 संसद से पारित होने के बाद देशभर में संचालित रियल-मनी गेम्स पर पूरी तरह प्रतिबंध लग गया है। इनमें फैंटेसी स्पोर्ट्स, पोकर, रमी और सट्टेबाजी-शैली वाले ऐप शामिल हैं। इसी के साथ इन ऐप्स के वॉलेट में गेम खेलने वालों की रकम अटकने का खतरा भी बढ़ गया है। वहीं, ऑनलाइन गेमिंग मंच जूपी ने अपने भुगतान आधारित गेम बंद करने का फैसला लिया है। कंपनी ने साफ किया कि उसके मुफ्त वाले गेम पहले की तरह उपलब्ध रहेंगे। खासकर इन ऑनलाइन गेमिंग ऐप्स में, जो विदेशों से संचालित हो रहे हैं। वर्तमान में 700 से अधिक विदेशी ऑनलाइन मनी गेमिंग कंपनियां सक्रिय हैं, जिन्होंने यूपीआई को भुगतान विकल्प के रूप में जोड़ रखा है। इन कंपनियों में लेनदेन में काफी उछाल आया है, लेकिन नए विधेयक में किए गए कड़े प्रावधान के बाद इन पर पूरी तरह रोक लगेगी और भुगतान रोक दिया जाएगा। माना जा रहा है कि इससे इन ऐप्स का उपयोग करने वाले लोगों की रकम अटक सकती है। नया विधेयक आने के बाद ऑनलाइन मनी गेमिंग पोर्टल और ऐप्स से गेमर्स द्वारा अपने वॉलेट से रकम निकालने की अफरा-तफरी मच गई है।

टैरिफ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर असर नहीं, खपत-विदेशी मुद्रा भंडार बने ताकत

रेटिंग एजेंसियों का आकलन

नई दिल्ली, एजेंसी। मूडीज, एसएंडपी और फिच जैसी प्रमुख रेटिंग एजेंसियां ट्रंप टैरिफ को भारत के लिए अल्पकालिक चुनौती मानती हैं।हालांकि, अर्थव्यवस्था का दीर्घकालिक परिदृश्य स्थिर और सकारात्मक बना रहेगा। एजेंसियों का आकलन है कि मजबूत घरेलू

खपत, 650 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार और निर्यात विविधीकरण की क्षमता भारत को इन झटकों से बचा लेगी। एजेंसियों का मानना है कि अमेरिकी टैरिफ का सर्वाधिक असर एल्युमिनियम, स्टील, टेक्सटाइल्स और वाहन उपकरणक्षेत्रों पर पड़ेगा, जिनकी अमेरिकी बाजार पर निर्भरता अपेक्षाकृत अधिक है। फार्मा उद्योग फिलहाल सुरक्षित है। आईटी क्षेत्र भी प्रत्यक्ष टैरिफ से बाहर है, लेकिन अमेरिकी वीजा पॉलिसी और आउटसोर्सिंग नियमों में सख्ती को विशेषज्ञ गैर-टैरिफ बाधा मान रहे हैं।इससे भारतीय आईटी कंपनियों की अमेरिकी बाजार में हिस्सेदारी प्रभावित हो सकती है। भारत की मध्यम अवधि में विकास दर 6.5-7 फीसदी बनी रहेगी। आधार : मजबूत खपत। जीडीपी का 55 फीसदी से अधिक हिस्सा। पीएलआई जैसी विनिर्माण प्रोत्साहन योजनाएं। फार्मा-आईटी जैसे उच्च मार्जिन क्षेत्रों पर टैरिफ नहीं। एजेंसियों का कहना है कि भारत और चीन दोनों ही अमेरिका के लिए बड़े व्यापारिक साझेदार हैं, लेकिन स्थिति भिन्न है। 2024-25 में भारत-अमेरिका के बीच 191 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। निर्यात में अमेरिकी हिस्सेदारी 17 फीसदी रही। अमेरिका-चीन व्यापार 575 अरब डॉलर से अधिक और निर्यात में अमेरिकी हिस्सेदारी 14 फीसदी।चीन पहले से व्यापक अमेरिकी टैरिफ और प्रतिबंधों के दबाव में है, जबकि भारत को फार्मा एवं आईटी सेक्टर में छूट मिली है। इसलिए, क्रेडिट एजेंसियों का मानना है कि भारत का व्यापारिक परिदृश्य चीन की तुलना में अधिक संतुलित है। आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर उर्जित पटेल ने कहा, टैरिफ को एशिया-अफ्रीका में नए निर्यात बाजार तलाशने के अवसर के रूप में देखना चाहिए।

सोने के भाव में तेजी, चांदी 1441 उछली

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजारों में आज भी सोने-चांदी के भाव में तेजी है। जीएसटी के साथ सर्राफा मार्केट में 24 कैरेट गोल्ड 102219 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से बिक रहा है। आज 24 कैरेट सोने का भाव महज 95 रुपये चढ़कर 99242 रुपये पर खुला है। वहीं, चांदी में 1441 रुपये प्रति किलो की उछाल आई है। जीएसटी समेत चांदी की कीमत 117348 रुपये किलो हो गई है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक सोना सस्ता होने की उम्मीद कम है हालांकि, भाव में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। मुद्रास्फीति के दबाव, अमेरिका डॉलर में नरमी और अमेरिका में नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद को देखते हुये साल 2025 के अंत तक सोने में तेजी रहेगी। आइबीजेए के मुताबिक गुरुवार को चांदी बिना जीएसटी 112490 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। जबकि, सोना 99147 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अब 24 कैरेट गोल्ड 8 अगस्त के ऑल टाइम हाई 101406 रुपये से 2124 रुपये ही सस्ता रह गया है।

आज 23 कैरेट गोल्ड भी 95 रुपये चढ़कर 98845 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 101810 रुपये हो गई है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 87 रुपये तेज होकर 90906 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। जीएसटी संग यह 93633 रुपये है। आज 18 कैरेट गोल्ड की कीमत 72 रुपये बढ़कर 74432 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुली और जीएसटी के साथ यह 76664 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। वहीं 14 कैरेट गोल्ड अब जीएसटी समेत 59898 रुपये पर पहुंच गया है। सोने-चांदी के हाजिर भाव इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास।

भारत टैरिफ का महाराजा; व्हाइट हाउस के सलाहकार नवारो बोले- दोनों के रिश्ते में बढ़ रही खटास

नई दिल्ली, एजेंसी। व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने भारत पर फिर तीखा हमला किया और नई दिल्ली को टैरिफ का महाराजा करार दिया। उन्होंने कहा कि भारत सस्ते रूसी तेल सौदे के जरिये लाभ कमाने की योजना चला रहा है। नवारो का यह बयान ऐसे समय आया है, जब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी आलोचनाओं का जवाब देते हुए कहा कि अमेरिका ने ही भारत से रूस से तेल खरीदने और वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर करने में मदद करने का आग्रह किया था। नवारो ने यह भी आरोप लगाया कि भारत चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नजदीक जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के रिश्तों में खटास बढ़ रही है, खासकर तब से जब राष्ट्रपति

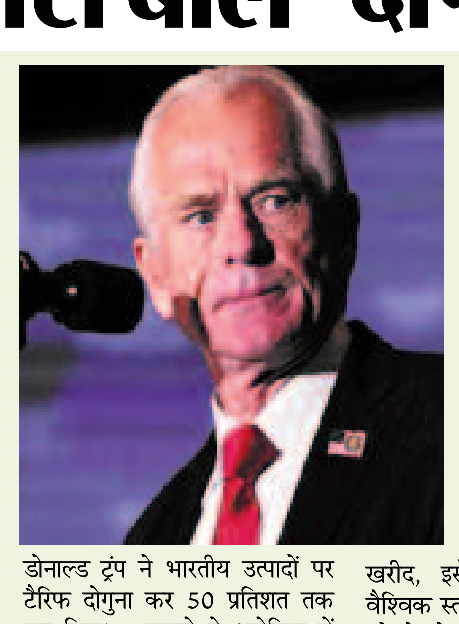

डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर टैरिफ दोगुना कर 50 प्रतिशत तक कर दिया। नवारो ने अमेरिका में संवाददाताओं से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले भारत ने लगभग कोई रूसी तेल नहीं खरीदा था। यह उनकी कुल जरूरत का लगभग 1 प्रतिशत था, लेकिन अब यह बढ़कर 35 प्रतिशत तक पहुंच गया है। उन्होंने दावा किया कि भारत चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपनी घनिष्ठता बढ़ा रहा है। नवारो ने कहा कि रूस के रियायती कच्चे तेल की खरीद, इसे परिष्कृत करने और वैश्विक स्तर पर प्रीमियम पर उत्पादों को बेचने में संलिप्त भारत क्रेमलिन के लिए लॉन्ड्रोमैट के रूप में काम कर रहा है। रूसी तेल खरीदने के लिए तीखी आलोचना के बावजूद नवारो ने गुरुवार (स्थानीय समय) को भारत के नेतृत्व की प्रशंसा भी की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महान नेता बताते हुए कहा, शांति का मार्ग नई दिल्ली से होकर गुजरता है। नवारो ने तर्क दिया कि भारत को रूसी तेल की जरूरत नहीं है, और बताया कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण से पहले, भारत रूस से अपने तेल का 1 प्रतिशत से भी कम आयात करता था। हालांकि, अब यह लगभग 35-40 प्रतिशत आयात करता है।

नवारो ने तीन दिन पहले भी रूस से तल खरीद पर उठाए थे सवाल: यह नवारो का भारत पर कुछ दिनों में दूसरा बड़ा हमला है। तीन दिन पहले भी उन्होंने फाइनेंशियल टाइम्स में एक लेख लिखकर भी भारत की रूस से तेल खरीद पर सवाल उठाए थे। उनका कहना है कि भारत का यह तर्क गलत है कि उसे अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए रूसी तेल चाहिए। नवारो ने कहा कि भारत रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदता है, उसे अपनी रिफाइनरियों में प्रोसेस करता है और फिर पेट्रोल-डीजल जैसे परिष्कृत उत्पाद यूरोप, अफ्रीका और एशिया को महंगे दामों पर बेचता है। यह पूरा तरह से भारतीय रिफाइनिंग उद्योग द्वारा मुनाफाखोरी है। नवारो ने आगे कहा, भारत के साथ हमारे व्यापार का अमेरिकियों पर कुल मिलाकर क्या असर पड़ता है टैरिफ के मामले में भारत महाराजा है। भारत की ओर से ऊंचे टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाएं हैं। अमेरिका का भारत के साथ भारी व्यापार घाटा है। इसका अमेरिकी कामगारों और कंपनियों पर बुरा असर पड़ता है।

नवारो ने भारत पर ये भी आरोप लगाया

नवारो का आरोप है कि भारत जो पैसा कमाता है, उसी से रूस से और तेल खरीदता है। फिर रूस उस पैसे से हथियार बनाता है और यूक्रेन पर हमला करता है। इसके बाद अमेरिकी करदाताओं को अपनी सरकार के जरिये यूक्रेन की मदद के लिए और अधिक पैसे और हथियार देने पड़ते हैं। उन्होंने इसे पागलपन करार दिया। उन्होंने कहा कि भारत इस युद्ध में अपनी भूमिका मानना नहीं चाहता और इस पूरे कामकाज को उन्होंने

ईपीएफओ ने दी बड़ी राहत, मृत्यु पर मिलेंगे 15 लाख

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने एक बहुत ही अच्छी खबर सुनाई है। संगठन ने अपने केंद्रीय बोर्ड के कर्मचारियों के लिए मृत्यु राहत कोष में मिलने वाली एकमुश्त राशि बढ़ा दी है। अब यह राशि 8.8 लाख रुपये से बढ़कर 15 लाख रुपये कर दी गई है। यह नया नियम 1 अप्रैल, 2025 से लागू होगा। यह राशि उस कर्मचारी के नॉमिनी या कानूनी वारिसों को दी जाएगी, जिसकी सेवा के दौरान ही मृत्यु हो जाती है। इस भुगतान को स्टाफ वेलफेयर फंड से किया जाएगा। ईपीएफओ ने यह जानकारी 19 अगस्त, 2025 के एक सर्कुलर में दी है। इसके साथ ही एक और राहत की खबर यह है कि इस राशि में हर साल 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। यह बढ़ोतरी 1 अप्रैल, 2026 से शुरू होगी। इसका मकसद है महंगाई और बढ़ती लागत के साथ कदम मिलाकर चलना। साल 2025 में ईपीएफओओने अपने सदस्यों के लिए कई सुधार किए हैं ताकि प्रक्रियाएं आसान बन सकें। मसलन, मृत्यु के बाद दावे की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। अब नाबालिग बच्चों के बैंक खाते में भुगतान के लिए अभिभावकत्व प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं होगी।

टीम से बाहर बैठना खलने लगा था...

रविचंद्रन अश्विन ने अब बताई अचानक रिटायरमेंट की असली वजह, राहुल द्रविड़ के सामने हुए भावुक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्पिन दिग्गज रविचंद्रन अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बीच रिटायरमेंट लेने पर खुलकर बात की. अश्विन ने पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के साथ अपने यूट्यूब चैनल पर बातचीत में ये बात बताई. अश्विन ने कहा- विदेश दौरों पर टेस्ट मैचों से बाहर बैठना मुझे बहुत खलने लगा और यही मेरी अचानक इंटरनेशनल रिटायरमेंट की वजह रही. अनिल कुंबले के बाद 500 से ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज अश्विन ने सभी को चौंकाते हुए पिछले दिसंबर ब्रिस्बेन में तीसरे टेस्ट के बाद संन्यास की घोषणा कर दी थी.

अपने यूट्यब चैनल पर बात करते हुए अश्विन ने राहुल द्रविड़ से कहा- मैं काफी उम्रदराज हो चुका था, ये मानता हूं, लेकिन बार-बार टूर पर जाना और ज्यादातर बाहर बैठना, मुझे बहुत खलने लगा था.

ऐसा नहीं था कि मैं टीम में कंट्रीब्यूट नहीं करना चाहता था, लेकिन फिर आप सोचने लगते हैं कि क्या घर पर बच्चों के साथ समय बिताना बेहतर है. वो भी बड़े हो रहे हैं और मैं यहां बैठा क्या कर रहा हूं? तो मैंने महसूस किया कि बस अबज मेरे मन में हमेशा था कि 34-35 की उम्र में रिटायर हो जाऊंगा. लेकिन बीच में लगातार न खेल पाने की वजह से फैसला कर लिया.

श्रीलंका के पास शानदार टीम, जो विपक्षी टीम को मजबूत चुनौती दे सकती है: परेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से होगी, जिसमें श्रीलंकाई टीम को ग्रुप-बी में रखा गया है। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर थिसारा परेरा के मुताबिक इस टूर्नामेंट में श्रीलंकाई खेमा विपक्षियों को मजबूत चुनौती दे सकता है। थिसारा परेरा ने कहा, मुझे लगता है कि इस वक्त श्रीलंकाई टीम सही दिशा में है। उम्मीद करता हूं कि वह भविष्य में बेहतर करेंगे। मैं उनको शुभकामनाएं देता हूं कि वह अपने देश के लिए शत प्रतिशत दें। मुझे लगता है कि हमारे पास शानदार टीम है, जो विपक्षी टीम को शानदार चुनौती दे सकती है। एशिया कप में श्रीलंका को ग्रुप-बी में रखा गया है। इस ग्रुप में श्रीलंका के साथ बांग्लादेश, हांगकांग और अफगानिस्तान की टीमें भी हैं। श्रीलंकाई टीम 13 सितंबर से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टीम अबू धाबी में अपना पहला मैच बांग्लादेश के विरुद्ध खेलेगी। इसके बाद 15 सितंबर को श्रीलंका और हांगकांग के बीच दुबई में मुकाबला खेला जाना है। श्रीलंकाई टीम ग्रुप चरण का अपना तीसरा मुकाबला अबू धाबी में अफगानिस्तान के विरुद्ध खेलेगी। एशिया कप से पहले श्रीलंकाई टीम जिम्बाब्वे दौरे पर दो वनडे और तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेगी। वनडे सीरीज के लिए 16 सदस्यीय श्रीलंकाई टीम का ऐलान हो चुका है। चरिथ असलंका को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि ईशान मलिंगा को स्थान नहीं मिल सका। वानिंदु हसरंगा चोट के कारण टीम से बाहर हैं। 25 वर्षीय टॉप ऑर्डर बल्लेबाज नुवानिदु फर्नांडो की टीम में वापसी हुई है। दोनों टीमें 29 सितंबर को पहला वनडे खेलेंगी, जबकि दूसरा मुकाबला 31 अगस्त को आयोजित होगा। दोनों मुकाबले हरारे में खेले जाएंगे। इसके बाद 3-7 सितंबर के बीच टी20 सीरीज आयोजित होगी। जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए श्रीलंकाई **टीम :** चरिथ असलंका (कप्तान), पथुम निसंका, निशान मदुष्का, पवन रथनायके, डुनिथ वेललेज, मिलन रथनायके, महीश तीक्षणा, जेफरी वेंडरसे, असिथा फर्नांडो, कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानाज, दिलशान मदुशंका और दुष्मंथा चमीरा।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप: श्रुति-सारिका की नजर कांस्य पर

अंडर-20 कुश्ती चैंपियनशिप में काजल स्वर्ण के लिए खेलेंगी

समोकोव (बुल्गारिया), एजेंसी। स्वप्निल शशांक युवा भारतीय पहलवान काजल ने दो बड़े स्कोर वाली जीत दर्ज करते हुए बृहस्पतिवार को अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के महिलाओं के 72 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि श्रुति और सारिका सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक के लिए भिड़ेंगी। मौजूदा अंडर-20 एशियाई चैंपियन और 2024 कैडेट विश्व चैंपियन काजल ने अपने तीन मुकाबलों में दो बार दोहरे अंक हासिल किए।

उन्होंने एमिली मिहाइलोवा अपोस्टोलोवा को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 15-4 से हराकर शानदार जीत हासिल की। इसके बाद किर्गिस्तान की कैयरकुल शारशेबायेवा को क्वार्टर फाइनल में 7-0 से हराकर एक और प्रभावशाली प्रदर्शन किया। अमेरिका की जैस्मीन डोलोरेस रॉबिन्सन के खिलाफ काजल ने 13-6 से जीत दर्ज की। श्रुति ने महिलाओं के 50 किग्रा भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में वायलेटा बिरियुकोवा पर 5-4 की जीत से शुरुआत की और फिर पोलैंड की अन्ना यात्स्केविच पर 4-0 की शानदार जीत दर्ज की, लेकिन वह जापान की रिना ओगावा की बराबरी नहीं कर सकीं और सेमीफाइनल तकनीकी श्रेष्ठता से हार गईं। सारिका ने 53 किग्रा भार वर्ग में दबदबा बनाया। उन्होंने सेवल केयर को तकनीकी श्रेष्ठता (12-2) से हराया। इसके बाद सारिका ने चीन की तियानयु सुन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में एक भी अंक नहीं गंवाया और 8-0 से जीत हासिल की, पर सेमीफाइनल में वह यूक्रेन की अनास्तासिया पोल्स्का से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गईं। ग्रीको रोमन पहलवान सूरज ने 60 किग्रा वर्ग में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी लेकिन वह अर्मेनिया के युरिक मखितार्यन से तकनीकी श्रेष्ठता से हार गए जिससे अब वह कांस्य पदक के लिए खेलेंगे। प्रिंस (82 किग्रा) क्वार्टर फाइनल में हार गए लेकिन रेपेशेज के जरिये कांस्य पदक की दौड़ में बने हुए हैं। रीना (55 किग्रा) और प्रिया (76 किग्रा) फाइनल में पहुंच चुकी हैं। दोनों दिन के अंत में स्वर्ण पदक मुकाबलों में प्रतिस्पर्धा करेंगी। तपस्या (57 किग्रा) पहले ही स्वर्ण और सृष्टि (68 किग्रा) रजत पदक जीत चुकी हैं।

28 बॉल में 102 रन... दो बल्लेबाजों ने रचा इतिहास, मारे 10 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। नीता अंबानी की टीम इस समय इंग्लैंड में धमाल मचा रही है. उसने द हंड्रेड लीग में जीत का पंजा लगा लिया है और पॉइंट्स टेबल के टॉप पर बनी हुई है. इस लीग के 23वें मुकाबले में नीता अंबानी की टीम ओवल इनविंसिबल्स एक समय काफी मुश्किल में फंसी हुई थी. टीम को जीत के लिए 40 गेंदों में 102 रन बनाने थे, लेकिन इंग्लैंड के दो बल्लेबाजों ने केवल 28 गेंदों में ही मैच को खत्म करके इतिहास रच दिया. इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर 10 छक्के जड़े. इससे 11 गेंद शेष रहते नीता अंबानी की टीम ने शानदार जीत दर्ज कर ली. द हंड्रेड लीग के 23वें मुकाबले में ट्रेंट रॉकेट्स ने 100 गेंद में सात विकेट पर 171 रन बनाए. 172 रनों का लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीता अंबानी की टीम ओवल इनविंसिबल्स की ने धीमी शुरुआत की, लेकिन जॉर्डन कॉक्स और सैम करन के मैदान पर आते ही रनों की बारिश होने लगी. इन दोनों बल्लेबाजों ने 42 गेंदों 96 रन जोड़कर टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया. अंत में कॉक्स और डोनोवन फरेरा (14) ने तेजी से रन बनाते हुए 11 गेंद शेष रहते टीम को 6 विकेट से जीत दिला दी. 24 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स ने 32 गेंदों में 4 छक्के और 5 चौकों की मदद से नाबाद 58 रन बनाए.

ट्रेंट रॉकेट्स ने की तेज शुरुआत

ओवल इनविंसिबल्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए ट्रेंट रॉकेट्स ने तेज शुरुआत की. टॉम बैंटन (9) और जो रूट ने पहले विकेट के लिए केवल 28 गेंदों में 55 रन जोड़ दिए. टॉम बैंटन के आउट होने के बाद रूट ने रेहान अहमद (28) के साथ पारी को आगे बढ़ाया और टीम का स्कोर 100 रन के पार कर दिया. इसके बाद टीम की पारी लड़खड़ा गई, लेकिन एक छोर से जो रूट तेजी से रन बनाते रहे. उन्होंने 41 गेंदों में 11 चौके और 1 छक्का की मदद से 76 रनों की पारी खेली. अंत में जॉर्ज लिंडे ने 8 गेंदों में 1 चौका और 3 छक्के की मदद से तेजी से 25 रन बनाए, जिसकी मदद से ट्रेंट रॉकेट्स ने 100 गेंद में 7 विकेट पर 171 रनों का स्कोर खड़ा किया. ओवल इनविंसिबल्स की ओर से राशिद खान और टॉम करन ने दो-दो विकेट लिए.

15 चौके-छक्के... रिंकू सिंह ने 45 गेंदों में ठोका शतक, 7 गेंद पहले ही टीम को दिला दी जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज रिंकू सिंह का तूफान देखने को मिला. उन्होंने केवल 45 गेंदों में 225 की स्ट्राइक रेट से रन बनाते हुए तूफानी शतक ठोककर अपनी टीम को शानदार जीत दिला दी. इस दौरान उन्होंने 8 छक्के और 7 चौके लगाए. एक समय 38 रनों पर चार विकेट गंवा चुकी मेरठ माविरक्स को कप्तान रिंकू सिंह ने मुश्किल से निकाला और सात गेंद शेष रहते टीम को 6 विकेट से जीत दिलाई. रिंकू सिंह ने इस दौरान मैदान के चारों ओर शानदार शॉट लगाकर एशिया कप से पहले अपनी जोरदार उपस्थिति दर्ज करा दी है. लखनऊ के इकाना स्टेडियम में क्कटी20 लीग का नौवां मैच गोरखपुर लायंस और मेरठ माविरक्स के बीच खेला गया. पहले बल्लेबाजी करते हुए गोरखपुर लायंस ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 167 रन बनाए. 168 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेरठ माविरक्स की शुरुआत काफी खराब रही और उसके चार बल्लेबाज केवल 38 रन पर आउट हो गए.

एलावेनिल वालारिवन का जलवा, स्वर्ण पदक किया अपने नाम

शिमकेंट (कजाकिस्तान), एजेंसी। भारतीय निशानेबाज एलावेनिल वालारिवान ने शुक्रवार को यहां 16वीं एशियाई चैंपियनशिप की महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। तमिलनाडु की इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने फाइनल में 253.6 का स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने विश्व कप में कई स्वर्ण पदक जीते हैं और इसके अलावा विश्व चैंपियनशिप में भी शीर्ष स्थान हासिल किया है। चीन की शिनलू पेंग ने 253 अंक के साथ रजत पदक जबकि कोरिया की यूंजी क्वोन (231.2) ने कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में भाग ले रही एक अन्य भारतीय खिलाड़ी मेहुली घोष आठ निशानेबाजों के फाइनल में 208.9 अंक हासिल करके चौथे स्थान पर रहीं।

एशिया कप से बाहर, अब बीबीएल के जरिए टी20 क्रिकेट में वापसी करना चाहेंगे बाबर आजम

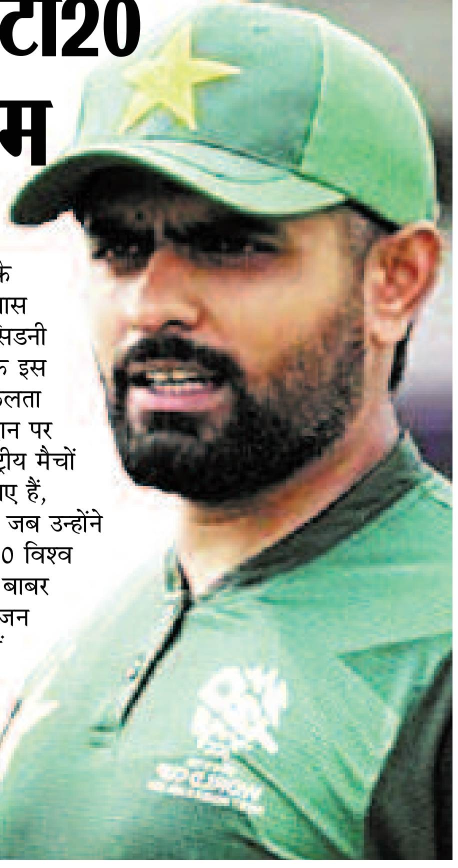

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के सुपरस्टार और सिडनी सिक्सर्स के लिए खेल चुके बाबर आजम को अगर इस प्रारूप में एक और अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना है तो बिग बैश लीग का इस्तेमाल अपनी टी20 बल्लेबाजी सुधारने के लिए करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान ने दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद से कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। इस प्रारूप में देश के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी होने के बावजूद बाबर को अगले महीने यूएई में होने वाले टी20 एशिया कप के लिए नहीं चुना गया।

पाकिस्तान के कोच माइक हेसन ने कहा कि बीबीएल सिक्सर्स के इस बहुमूल्य खिलाड़ी के लिए अपनी स्ट्राइक रेट बढ़ाने और स्पिन के खिलाफ अपनी बल्लेबाजी को निखारने का एक मौका था। हेसन ने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि बाबर को स्पिन का सामना करने और अपने स्ट्राइक रेट के मामले में कुछ क्षेत्रों में सुधार करने के लिए कहा गया है। बाबर जैसे खिलाड़ी के पास क्क्र में खेलने और टी20 में यह दिखाने का मौका है कि वह इन क्षेत्रों में सुधार कर रहा है। ये वो चीजें हैं जिन पर वह वाकई कड़ी मेहनत कर रहा है। वह इतना अच्छा खिलाड़ी है कि उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बाबर ने 128 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 129.22 के स्ट्राइक रेट से 4223 रन बनाए हैं। उनके रिकॉर्ड में 39 इनिंग्स में पाकिस्तान के लिए 50 प्लस का स्कोर बनाया है। 2023 में सिर्फ 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर बाबर ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ 146.06 का स्ट्राइक रेट हासिल किया।

हालांकि पिछले साल इनमें से 24 मैच खेलने के बाद 2024 के लिए बाबर का स्ट्राइक रेट घटकर 133.21 रह गया। हेसन ने बाबर की वापसी की संभावना से पूरी तरह इनकार नहीं किया है, लेकिन पाकिस्तानी कोच ने स्वीकार किया कि टीम प्रबंधन ने उन खिलाड़ियों को चुनने पर ध्यान केंद्रित किया है जिन्होंने देश की हालिया टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, साहिबजादा फरहान ने छह मैच खेले हैं और तीन बार प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता है। इस समय हमारे पास जो खिलाड़ी हैं, उन्होंने असाधारण प्रदर्शन किया है। ऑस्ट्रेलिया में बाबर ने 13 टी20आई मैच खेले हैं और 114.85 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 286 रन बनाए हैं। हालांकि सिडनी सिक्सर्स के सभी प्रशंसकों का आत्मविश्वास बढ़ाने वाली बात यह है कि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में पाकिस्तान के इस दिग्गज खिलाड़ी को कुछ सफलता मिली है। अपने नए घरेलू मैदान पर खेले गए चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बाबर ने दो अर्धशतक बनाए हैं, जिसमें वह रात भी शामिल है जब उन्होंने 2022 में पाकिस्तान को टी20 विश्व कप फाइनल में पहुंचाया था। बाबर 14 दिसंबर को क्क्र 15 सीजन के पहले मैच में बिग बैश में पदार्पण करेंगे, जब सिडनी सिक्सर्स पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में ऑप्टस स्टेडियम में पर्थ स्कॉर्चर्स से भिड़ने के लिए रवाना होंगे।

चिन्नास्वामी स्टेडियम से छीनी गई वर्ल्ड कप मैचों की मेजबानी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के लिए संशोधित कार्यक्रम की घोषणा की है. अब इस वर्ल्ड कप के दौरान बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में मुकाबले नहीं खेले जाएंगे. एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले मैचों को अब नवी मुंबई में शिफ्ट कर दिया गया है. नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम में अधिकतम पांच मैच खेले जाएंगे. इनमें तीन लीग मैच, एक सेमीफाइनल और संभवत: 2 नवंबर को महिला क्रिकेट विश्व कप के 13वें संस्करण का खिताबी मुकाबला भी शामिल है. अगर फाइनल में पाकिस्तानी टीम पहुंचती है तो ही मुकाबला कोलंबो के आर.प्रेमदास स्टेडियम में होगा. बता दें कि बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम को अनसेफ घोषित किया गया था. आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप का आयोजन 30 सितंर से 2 नवंबर तक भारत और श्रीलंका में किया जाना है. डीवाई पाटिल स्टेडियम के अलावा एसीए स्टेडियम (गुवाहाटी), होल्कर स्टेडियम (इंदौर), एसीए-वीडीसीए स्टेडियम (विशाखापत्तनम) और आर. प्रेमदासा स्टेडियम (कोलंबो) में मुकाबले खेले जाएंगे. आईसीसी

आरसीबी की विक्ट्री परेड के दौरान मची थी भगदड़
इंडियन प्रीमियर लीग2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की खिताबी जीत के बाद एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में विक्ट्री परेड हुई थी. इस विक्ट्री परेड के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोग मारे गए थे. साथ ही 50 से ज्यादा लोग इंजर्ड हुए थे. इस वाकये के बाद जस्टिस जॉन माइकल डीकुन्हा की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन हुआ, जिसने अपनी जांच में एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम को बड़े आयोजनों के लिए असुरक्षित माना.

वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल का रंगारंग आगाज

पहले दिन जम्मू-कश्मीर ने जीता सोना; यूपी-ओडिशा भी चमके

श्रीनगर, एजेंसी। डल में तीन दिन चलने वाले इस खेल महाकुंभ के पहले दिन जम्मू-कश्मीर के मोहसिन अली ने कयाकिंग के-1, 1000 मीटर (पुरुष) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स का वीरवार को रंगारंग आगाज हो गया। डल में तीन दिन चलने वाले इस खेल महाकुंभ के पहले दिन जम्मू-कश्मीर के मोहसिन अली ने कयाकिंग के-1, 1000 मीटर (पुरुष) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। उत्तर प्रदेश के विशाल कुमार ने कैनोइंग सी-1, 1000 मीटर (पुरुष) और ओडिशा की रश्मिका साहू ने कैनोइंग सी-1, 200 मीटर (महिला) स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर के बैक लॉन में खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल का वीरवार को रंगारंग शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्यमंत्री रक्षा निखिल खडसे, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला शामिल हुए। वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल में देशभर से 409 एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। इनमें 202 महिला खिलाड़ी हैं। मध्य प्रदेश के सबसे अधिक 44, हरियाणा के 37, ओडिशा के 34, और केरल के 33 खिलाड़ी इस आयोजन में हिस्सा ले रहे हैं।

यूट्यूब फैनफेस्ट 2025 की फराह खान ने की घोषणा

यूट्यूब फैनफेस्ट 2025 की धमाकेदार वापसी हो रही है, जिसमें भारत के लोकप्रिय और उभरते कलाकार अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरेंगे। यह शो 11 सितंबर को मुंबई में आयोजित होगा। इसमें शानदार प्रदर्शन और क्रिएटर्स व उनके प्रशंसकों के बीच गहरा रिश्ता देखने को मिलेगा। बॉलीवुड की मशहूर

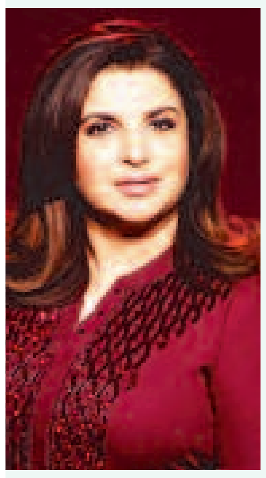

कोरियोग्राफर और फिल्ममेकर फराह खान ने अपने कुक दिलीप के साथ एक मजेदार इंस्टाग्राम वीडियो में इस आयोजन की घोषणा की। यह वीडियो इतना मनोरंजक है कि दर्शकों का ध्यान तुरंत खींच लिया है। 2014 में शुरू हुआ यूट्यूब फैनफेस्ट क्रिएटर्स और उनके प्रशंसकों को जोड़ने, विविधता का उत्सव मनाने और लाखों नए क्रिएटर्स को प्रेरित करने का मंच रहा है। इस बार यूट्यूब फैनफेस्ट में भारत के पसंदीदा क्रिएटर्स नए कंटेंट और ट्रेंड्स को प्रदर्शित करेंगे। यह आयोजन कॉमेडी, म्यूजिक, डांस, गेमिंग, ब्यूटी, फैशन और नए फॉर्मेट्स को कवर करेगा। 20 से ज्यादा क्रिएटर्स और कलाकार इसमें शिरकत करेंगे, जिनमें कुशा कपिला, शक्ति मोहन (नृत्य शक्ति), लिसा मिश्रा, संजू राठौड़, मयूर जुमानी, तन्मय सिंह (स्काउट), महेश केशवाला (ठगेश), अभिषेक कुमार, निर्मल पिल्लई, रौनक रजनी, हिमांशु दुलानी, गुरलीन पन्नू, अलीशा हजल (डांस विद अलीशा), फराह खान, शाक्षी शेट्टी (शार्कशी), पायल धरे (पायल गेमिंग), और सारा सरोश जैसे नाम शामिल हैं।

मौनी रॉय की सलाकार टॉप 3 सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली सीरीज़ में शामिल

मौनी रॉय की नई वेब सीरीज़ सलाकार, जिसे फारूक कबीर ने निर्देशित किया है, भारतीय ओटीटी जगत में तहलका मचा रही है। यह जासूसी थ्रिलर सीरीज़ 11 से 17 अगस्त 2025 के सप्ताह में भारत की दूसरी सबसे ज्यादा देखी गई ओरिजिनल सीरीज़ बन गई है। ऑर्मैक्स मीडिया के ताज़ा ओटीटी व्यूअरशिप अनुमान के अनुसार, सलाकार को जियोहॉटस्टार पर कुल 40 लाख व्यूज़ मिले, जो जेना ओर्टेगा द्वारा निर्देशित वेडनेसडे सीज़न 2 से बस थोड़ा ही पीछे है, जो 44 लाख व्यूज़ के साथ लिस्ट में सबसे ऊपर है। इस सीरीज़ में मौनी रॉय एक दमदार और नए अंदाज़ में नज़र आ रही हैं, जिसे दर्शकों द्वारा इसकी इंटेंस कहानी, स्टाइलिश निर्देशन और प्रभावशाली अभिनय के लिए सराहा जा रहा है। फारूक कबीर के निर्देशन में सलाकार में जासूसी, ड्रामा और सस्पेंस का ऐसा मेल देखने को मिलता है, जो दर्शकों को बांधे रखने में सफल रहा है। इसकी बेहतरीन सिनेमैटोग्राफी और भावनात्मक रूप से समृद्ध कहानी ने इसे एक बिंज-वॉचीं शो बना दिया है, जिससे यह हफ्ते की टॉप 5 सबसे ज्यादा देखी गई सीरीज़ में शामिल हो गई है। ऑर्मैक्स की सूची के अनुसार, सलाकार की जासूसी और देशभक्ति से भरपूर परतदार कहानी ने दर्शकों को बांधे रखा। सोशल मीडिया पर नेटिज़न्स ने भी इस बात पर सहमति जताई और अपनी प्रतिक्रियाओं में लिखा कि उन्होंने सलाकार देखी और मौनी रॉय द्वारा निभाए गए 'मरियम' के किरदार को बेहद पसंद किया। जैसे-जैसे चर्चा बढ़ रही है और व्यूअरशिप लगातार बढ़ रही है, सलाकार आने वाले हफ्तों में भी ओटीटी की दुनिया में एक मज़बूत दावेदार बनी रहने वाली है।

हिना खान की दौलत और शोहरत का फायदा उठा रहे रॉकी जायसवाल

हिना खान के पति रॉकी जायसवाल ने उन लोगों को करारा जवाब दिया है, जो ताने मार रहे थे कि वह बीवी के पैसे और शोहरत का फायदा उठा रहे हैं। रॉकी ने यह भी बताया कि हिना या उनकी किसकी ज्यादा कमाई है। हिना खान और रॉकी जायसवाल को टीवी इंडस्ट्री के पॉपुलर और पावर कपल्स में शुमार किया जाता है। बेशक, दोनों एक ही इंडस्ट्री से हैं, पर रॉकी को अकसर ही यह कहकर निशाने पर लिया जाता रहा है कि वह हिना की दौलत और शोहरत का फायदा उठा रहे हैं। रॉकी और हिना इस वक्त टीवी शो पति पत्नी और पंगा में नजर आ रहे हैं। उन्हें काफी पसंद किया जा रहा है।

रॉकी जायसवाल एक फिल्ममेकर हैं, पर उनकी और हिना की कमाई में बहुत अंतर है। हिना टीवी की हाइएस्ट पेड एक्ट्रेस में शुमार हैं। रॉकी ने उन पर हिना की दौलत और शोहरत का इस्तेमाल करने के लगे आरोपों पर हाल ही एक पॉडकास्ट में रिएक्ट किया। साथ ही बताया कि वह ज्यादा कमाते हैं या फिर हिना खान।

रॉकी जायसवाल ने आलोचना करने वालों को दिया जवाब

रॉकी जायसवाल ने बातचीत में कहा, लोग कहेंगे कि मैंने हिना की पोजिशन, दौलत और रुतबे का इस्तेमाल जिंदगी में कुछ हासिल करने के लिए किया है। ये कहां से आता है? ये एक ख्वाहिश से आता है उन लोगों के अंदर, जो वो हासिल करना चाहते हैं, जो मैंने हासिल किया है जिंदगी में।

रॉकी जायसवाल ने बताया वह ज्यादा कमाते हैं या हिना खान

रॉकी ने आगे कहा, मैं ईमानदारी से बताऊंगा कि मैं अभी जितना भी कमा रहा हूं, वो उतना नहीं है जितना हिना कमा रही है। वह खुद में ही एक स्टार है। क्या मुझे हिना के स्टार होने के फायदे मिलते हैं? हां बिल्कुल। क्या हम उसी की वजह से साथ हैं? नहीं, बिल्कुल नहीं। नेट वर्थ की बात करें, तो रॉकी जायसवाल की 6-10 करोड़ रुपये है। वह एक बिजनेसमैन भी हैं। वहीं, हिना की नेट वर्थ 50 करोड़ रुपये बताई जाती है। पति पत्नी और पंगा के लिए भी रॉकी और हिना को अच्छी-खासी फीस मिल रही है।

कई बार ऐसे दिन आए हैं, जब मैंने ईयरफोन लगाए और टूटे दिल वाले गाने सुने हैं: प्रविष्ट मिश्रा

शेमारू रोमांटिक सॉन्ग्स की फ्रेश रिलीज़ पत्थर का तुम्हारा दिल दर्शकों के दिलों को गहराई से छू रहा है। यह गाना सिर्फ दिल टूटने की कहानी नहीं, बल्कि उन उलझी हुई भावनाओं को बयाँ करता है, जो प्यार, विश्वासघात और पछतावे से मिलकर बनती हैं। साज़ भट्ट की आवाज़ और संजीव चतुर्वेदी के संगीत से सजा यह गीत शेमारू रोमांटिक सॉन्ग्स के यूट्यूब चैनल और सभी प्रमुख ऑडियो प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। इस गाने को और भी खास बनाती है टेलीविज़न की सबसे पसंदीदा ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक, उल्का गुप्ता और प्रविष्ट मिश्रा की वापसी। दोनों को पिछली बार बन्नी चाऊ होम डिलीवरी में साथ देखा गया था। शो में जहाँ उनकी केमिस्ट्री भरोसे के साथ आगे बढ़ी थी, वहीं इस बार कहानी एक अलग मोड़ ले चुकी है। इस म्यूजिक वीडियो में उल्का और प्रविष्ट प्यार करने वाले दो किरदार जरूर निभा रहे हैं, लेकिन यह प्यार, छल और विश्वासघात से घिरा हुआ है। कभी-कभी लोग अहंकार या धन के मोह में सच्चे प्रेम को पहचान नहीं पाते हैं और कभी-कभी, वही प्रेम सबसे कठोर दिल को भी नरम कर देता है। गाने और उसे मिल रहे प्यार पर अपनी भावनाएँ साझा करते हुए, प्रविष्ट मिश्रा ने कहा, "हम सबका दिल कभी न कभी टूटा है और मैं भी इससे अलग नहीं हूँ। कई बार ऐसे दिन आए हैं, जब मैंने

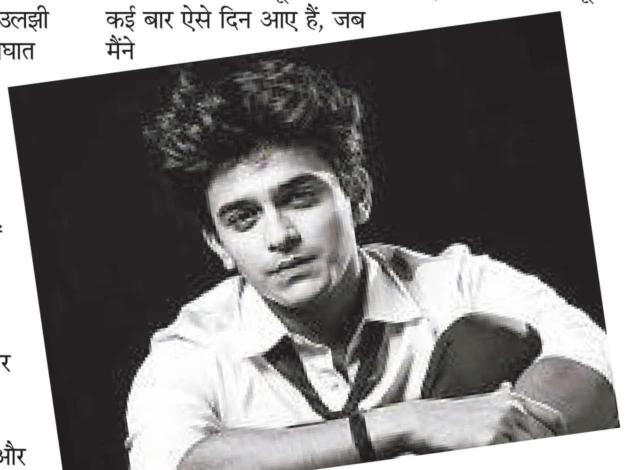

ईयरफोन लगाए, टूटे दिल वाले गाने सुने और अपनी भावनाओं को बहने दिया। यही वजह है कि 'पत्थर का तुम्हारा दिल' मेरे दिल के बेहद करीब है। यह हर उस इंसान की कहानी है, जिसने कभी प्यार किया और उसे खो दिया। इस प्रोजेक्ट को खास बनाने वाली बात उल्का के साथ फिर से काम करने का मौका रही। हमारी केमिस्ट्री ने पहले भी दर्शकों को खूब लुभाया था और तभी से लोग हमें फिर साथ देखने का इंतजार कर रहे थे। इस वीडियो के साथ शेमारू रोमांटिक सॉन्ग्स ने दर्शकों को वही पल दिया। हमें साथ देखकर जो खुशी और प्यार फैंस ने जताया, वह बेहद भावुक करने वाला था। ऐसा स्नेह और समर्थन दिल में अपनी एक गहरी जगह बना देता है। जो लोग कभी प्यार में रहे हैं, उसे खो चुके हैं या फिर जिंदगी की कठिनाइयों के चलते उन्हें खुद से दूर जाते हुए देखा है, उनके लिए 'पत्थर का तुम्हारा दिल' सिर्फ एक धुन नहीं है, बल्कि दिल की उस चुप्पी का आईना है, जिसमें बहुत कुछ अनकहा छुपा है और जब उल्का और प्रविष्ट फिर स्क्रीन पर साथ आते हैं, तो कहानी भले ही दर्द भरी हो, लेकिन दर्शकों को उसमें एक सच्चाई और अपनापन जरूर महसूस होता है।

मैं जल्दबाजी में नहीं

बस सही प्रोजेक्ट चुनना चाहती हूं: सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 16 साल की उम्र से की थी। उनका कहना है कि वह सिर्फ व्यस्त रहने या फिर कैलेंडर भरने के लिए काम नहीं करना चाहती बल्कि उन प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहती हैं जो उनको दिल से खुशी दें। अभिनेत्री का मानना है कि उन प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहिए, जो आपको सच में दिल से या रचनात्मक रूप से संतुष्ट करें। अभिनेत्री ने कहा, मैंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। इन सालों में मैंने यही सीखा है कि कई प्रोजेक्ट्स पर काम करने से ज्यादा जरूरी है, कि सही प्रोजेक्ट्स पर काम करें। मैं सिर्फ व्यस्त रहने के लिए काम नहीं करना चाहती हूं। वह कहती हैं, इस समय मैं उन कहानियों पर काम करना चाहती हूं जो मुझे करने में सच में अच्छी लगें, ऐसे किरदार जो मुझे सच में चुनौती दें, और मेरे अंदर के एक कलाकार को अच्छे से निखारें। सई का मानना है कि प्रोजेक्ट्स में खुद को निखारने, अपनी कला को आजमाने और कुछ अनोखा करने की आजादी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, जब आप जुनून के साथ काम करते हैं, तो उसका असर आपके काम पर नजर आने लगता है। मैं जल्दबाजी में कोई भी गलत फैसला नहीं लेना चाहती, इसलिए सही मौके का इंतजार कर रही हूं। अभिनेत्री ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2012 में मराठी फिल्म काक्षपर्श में खुशी दामले के छोटे से किरदार से की थी। 2019 में उन्होंने सलमान खान के साथ हिंदी एक्शन-कॉमेडी दबंग 3 में खुशी चौटाला के किरदार से मुख्य अभिनेत्री के रूप में शुरुआत की थी। फिर, साल 2020 में वह आयुष शर्मा के साथ गाने मंझा के म्यूजिक वीडियो में नजर आई थीं। 2022 में उन्होंने वरुण तेज के साथ तेलुगु फिल्म घनी से तेलुगु सिनेमा में कदम रखा, हालांकि यह फिल्म व्यावसायिक रूप से असफल रही।

कृष्णा श्रॉफ ने छोरियां चली गांव में बेखौफ मेकओवर टास्क से जीता

● गांव वालों का दिल

कृष्णा श्रॉफ लगातार यह साबित कर रही हैं कि वह छोरियां चली गांव की सबसे दिलचस्प कंटेस्टेंट्स में से एक क्यों हैं। हालिया एपिसोड में कंटेस्टेंट्स को एक बेहद रोमांचक अनुभव का सामना करना पड़ा। चुनौती–बमुश्किल गांव के लोगों को संवारने का एक फुल मेकओवर टास्क। मालिश, हेयरकट, शेविंग और स्टाइलिंग जैसे कामों के जरिए लड़कियों को अपनी सीमा से बाहर जाकर गांववालों का विश्वास जीतना था। जहां कई कंटेस्टेंट्स इस चुनौती से घबराए हुए दिखे, वहीं कृष्णा श्रॉफ ने एक बार फिर अपने निडर रवैये और लोगों से जुड़ने की गहरी क्षमता से सबका ध्यान खींचा। उन्हें शेविंग और आइब्रो शेपिंग जैसी सलून सेवाएं दी गईं–जो उन्होंने पहले कभी नहीं की थीं। फिर भी कृष्णा ने बिना झिझके इस चुनौती को स्वीकार किया और इसे पूरे परफेक्शन के साथ पूरा किया, अपने ग्रामीण ग्राहक के चेहरे पर मुस्कान ला दी। इस पल को और भी खास बना दिया कृष्णा की एक पुरानी याद ने। उन्होंने बताया कि कैसे यह अनुभव उन्हें उनके शुरुआती दिनों की ओर ले गया, जब वह युवा लड़कियों को बास्केटबॉल सिखाती थीं। उन्होंने साझा किया, मैं बच्चों को बास्केटबॉल सिखाया करती थी और आज का यह टास्क मुझे उन्हीं दिनों में ले गया, जब मुझे मेरी पहली तनख्वाह मिली थी। एक बार फिर यह एहसास हुआ कि मेहनत का फल हमेशा मीठा होता है।

मेरी हर फिल्म ने मुझे एक अलग अनुभव दिया : तनीषा मुखर्जी

अपनी फिल्मी यात्रा के बारे में बात करते हुए तनीषा ने कहा, मैंने जितनी भी फिल्में की हैं, हर एक ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। चाहे वो भावनाओं से भरी फिल्म टैंगो चार्ली हो, मस्ती भरी फिल्में पॉपकॉर्न या नील एन निक्की या फिर कॉमेडी जैसी 123, हर फिल्म का अनुभव अलग रहा। सरकार जैसी फिल्म मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था, जहां मैंने राजनीति पर बनी कहानी में शानदार कलाकारों के साथ काम किया। हर फिल्म ने मुझे कुछ नया सिखाया और मुझे अलग-अलग तरह की कहानियों का हिस्सा बनकर हमेशा अच्छा लगा। बात करें अभिनेत्री के करियर की तो उन्होंने फिल्म टैंगो चार्ली में बॉबी देओल के अपोजिट लच्छी का किरदार निभाया था, जो एक साधारण और गहरी भावनाओं वाली भूमिका थी। यह फिल्म जंग और फर्ज की सच्चाइयों पर आधारित थी। पॉपकॉर्न... में तनीषा ने एक कॉलेज थीम वाली फिल्म में युवा जोश को जीवंत किया था। प्रीतिश नंदी कम्युनिकेशंस द्वारा निर्मित इस फिल्म में उनका चुलबुला अंदाज और बेफिक्र किरदार दर्शकों को खूब भाया। यह फिल्म आज भी युवा ऊर्जा और कॉलेज जीवन की मस्ती को दर्शाती है। नील एन निक्की में तनीषा ने आधुनिक रोमांस की दुनिया में कदम रखा था। यह फिल्म यात्रा, संगीत और युवा आकर्षण से भरी थी। तनीषा ने अपने किरदार को रंगीन और जीवंत अंदाज में पेश किया, जो आज भी समकालीन रोमांस का प्रतीक है। वहीं, सरकार में तनीषा ने अपनी छाप छोड़ी। इस फिल्म में उन्होंने अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों के साथ स्क्रीन साझा की। जटिल कहानी और गहरे किरदारों के बीच उनका अभिनय उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है, जो आज भी प्रशंसनीय है।

अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने अपने फिल्मी करियर में कई तरह की फिल्मों में काम किया है, जिनमें से कुछ ने दर्शकों का दिल जीता, तो कुछ बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ पाईं। लेकिन, तनीषा का मानना है कि उनकी हर फिल्म ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया।

वाणी कपूर ने

मंडाला मर्डर्स में अभिनय से जीता दिल, कहा- स्थानीय कहानियों का होता है वैश्विक असर

अभिनेत्री वाणी कपूर को वेब सीरीज मंडाला मर्डर्स के लिए खूब सराहना मिल रही है। अभिनेत्री का कहना है कि कहानियां जितनी स्थानीय और जमीन से जुड़ी होंगी, उतना ही वैश्विक स्तर पर उनका प्रभाव देखने को मिलेगा। अभिनेत्री ने कहा, तीन हफ्तों तक यह सीरीज वैश्विक स्तर पर ट्रेंड करती रही, जो मेरे लिए अविश्वसनीय था। मुझे दर्शकों से इतने प्यार और समर्थन की उम्मीद नहीं थी। यह मेरा स्ट्रीमिंग डेब्यू है और मेरे लिए यह पल बहुत खास है, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी। उन्होंने आगे कहा, मैंने मंडाला मर्डर्स में बहुत मेहनत और दिल से काम किया है। इसे भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के दर्शकों से इतना प्यार मिलना हमारे लिए सबसे बड़ा इनाम है। भारत अपनी पौराणिक कहानियों के लिए जाना जाता है और मुझे लगता है कि इसी वजह से हमारी कहानियां न सिर्फ यहां के लोगों को बल्कि दुनिया भर के उन दर्शकों को भी छू जाती हैं जो हमारी संस्कृति और पहचान के बारे में जानना चाहते हैं। इस शो की कहानी दो जांच अधिकारियों के इर्द-गिर्द घूमती है। वे एक मिशन पर निकलते हैं ताकि लगातार हो रही रहस्यमयी हत्याओं के पीछे का सच पता लगा सकें। जांच करते हुए, उन्हें ऐसे भयानक और डरावने राज मिलते हैं, जो इतिहास से जुड़े होते हैं। बता दें, मंडाला मर्डर्स एक पौराणिक-क्राइम थ्रिलर सीरीज है, जिसमें वाणी कपूर के साथ वैभव राज गुप्ता, सुरवीन चावला, श्रिया पिलगांवकर, सिद्धांत कपूर, राहुल बग्गा, रघुबीर यादव और मोनिका चौधरी जैसे कई जाने-माने कलाकार शामिल हैं। मंडाला मर्डर्स का निर्देशन गोपी पुथरन ने किया है, जिसमें मनन रावत सह-निर्देशक हैं। यह सीरीज यशराज फिल्म्स एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स की दूसरी सीरीज है, पहली द रेलवे मैन थी, जो कि काफी सफल रही थी। मंडाला मर्डर्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

साभार एजेंसी